राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 269
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
सोमवार 11 अप्रैल 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 दिल्ली के 4 बड़े सरकारी अस्पतालों में हर माह 16 महिलाओं ने प्रसव के बाद दम तोड़ा : आरटीआई

पेज 5 अखिलेश यादव ने फिर अलापा बेरोजगारी का राग, यूपी सरकार की कानून व्यवस्था पर भी उठाए सवाल

पेज 7 इमरान की छुट्टी के बाद पाकिस्तान में इस्तीफों की बरसात, पीटीआई ने कहा- आंदोलन होगा

शार्ट न्यूज

पाकिस्तान में मिसाइल गिरने के मामले में जिम्मेदार कई अधिकारीः जांच रिपोर्ट

नई दिल्ली। पाकिस्तान में गलती गिरी ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर वायुसेना की जांच में एक से ज्यादा अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। बता दें कि 9 मार्च को एक मिसाइल गलती से पाकिस्तानी इलाके में जा गिरी थी। इसके बाद भारत ने कहा था कि इस घटना की जांच की जाएगी और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होगी। इस घटना में किसी तरह की जान या माल की क्षति नहीं हुई थी। एजेंसी के मुताबिक सरकार के टॉप सूत्रों का कहना है कि वाइस एयर मार्शल आरके सिन्हा की जांच में कई अधिकारों को जिम्मेदार पाया गया है। जल्द ही उनपर कड़ी कार्रवाई होगी।

जिला प्रशासन ने उमा भारतीय को वस्तुस्थिति से अवगत कराया

रायसेन। मध्यप्रदेश के रायसेन जिला प्रशासन ने पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के कल 11 अप्रैल को रायसेन के किला स्थित शिव मंदिर में आने के सूचना पर उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत करा दिया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा इस विषय में सुश्री भारती को अवगत कराया गया है कि रायसेन का किला एवं उसमें स्थित शिव मंदिर केन्द्रीय पुरातत्व विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) के अधीन है। मंदिर का गर्भगृह केन्द्रीय पुरातत्व विभाग द्वारा सिर्फ महाशिवरात्रि पर खोला जाता है। शेष दिनों में यह बंद रहता है। रोजाना निर्धारित समय में श्रद्धालु एवं पर्यटक दरवाजे के बाहर से शिवलिंग एवं अन्य पुरातात्विक महत्व की संरचनाओं का अवलोकन कर सकते हैं। जिला प्रशासन एवं राज्य शासन द्वारा शिव मंदिर के गर्भगृह को खोलने का निर्णय नहीं लिया जा सकता है। जिला प्रशासन ने पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री भारती के 11 अप्रैल के प्रवास के लिए केन्द्रीय पुरातत्व विभाग को अवगत कराया है। जिला प्रशासन का कहना है कि केन्द्रीय पुरातत्व विभाग यदि अनुमति दे देता है तो जिला प्रशासन तत्काल सुश्री भारती को अवगत कराएगा। अभी की स्थिति में जिला प्रशासन का प्रयास है कि 11 अप्रैल से पहले कोई उत्तर केन्द्रीय पुरातत्व से प्राप्त हो। इन तथ्यों से जिला प्रशासन द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री भारती को अवगत कराया गया है।

शिवराज आज ग्राम कहुला में करेंगे जल संसद एवं जलाभिषेक अभियान का शुभारंभ

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कल 11 अप्रैल को राज्य स्तरीय जल संसद एवं जल अभिषेक अभियान का शुभारंभ करेंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार कार्यक्रम रायसेन जिले की गैरतगंज तहसील के ग्राम कहुला में कल दोपहर 12 बजे से होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान 5009 अमृत सरोवरों एवं पुष्कर धरोहर समृद्धि अभियान में 10 हज़ार कार्यों का शुभारंभ करेंगे। साथ ही प्रदेश के 60 विकासखंड में मुख्यमंत्री जल शक्ति अभियान की आयोजना का अनावरण भी करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे ग्राम कहुला में माता मंदिर में दर्शन करने के बाद कार्यक्रम स्थल पर कन्या-पूजन करेंगे। श्री चौहान रायसेन जिले में अमृत सरोवर योजना में चयनित तालाब का भूमि-पूजन एवं कलश-पूजन के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ करेंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी। दोपहर 12ः40 बजे मुख्यमंत्री जल संसद में उपस्थित सभी को जल-संरक्षण एवं जल-संवर्धन की शपथ दिलाएंगे। इसके बाद अमृत सरोवरों एवं पुष्कर धरोहर समृद्धि अभियान का शुभारंभ एवं जल शक्ति अभियान आयोजना का अनावरण करेंगे। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी, सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया, स्थानीय सांसद, विधायक उपस्थित रहेंगे।

शिवराज की मौजूदगी में मनाया गया चित्रकूट का गौरव दिवस

चित्रकूट। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में आज सतना जिले के चित्रकूट की पावन भूमि पर रामनवमी को चित्रकूट का गौरव दिवस मनाया गया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री चौहान ने इस दौरान संतों का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ चित्रकूट में साढ़े 11 वर्ष वनवास का समय बिताया। चित्रकूट का कण-कण राममय है। चित्रकूट की महिमा और गौरव का बखान तीन लोक से बढ़कर है। आज यहाँ संत समाज और प्रबुद्धजन ने चित्रकूट के विकास का संकल्प लिया है। वे भी मंदाकिनी नदी की धारा को स्वच्छ और अविरल बनाये रखने का संकल्प लेते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट की मंदाकिनी नदी को सदा नीरा बनाये रखने के लिये मझगवां में प्रथम चरण में 243 करोड़ 79 लाख रूपये की लागत से बांध बनेगा। इसके बाद दूसरे चरण का कार्य भी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि भगवान कामतानाथ की कृपा से बरगी नहर की टनल का काम पूरा होते ही नर्मदा जी का जल हम मंदाकिनी नदी तक लेकर आयेंगे। इन दो पावन नदियों के मिलन से अनूठा संगम बनेगा।

सारण : सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

छपरा। बिहार में सारण जिले के डोरीगंज थाना क्षेत्र के चिरांद - गड़खा मुख्य मार्ग पर देवी मंदिर के समीप रविवार को ट्रक की चपेट में आने से 50 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, चिरांद - गड़खा मुख्य पथ पर लोदीपुर चिरांद गांव निवासी मुंशीलाल राय का 50 वर्षीय पुत्र रविन्द्र राय पैदल ही अपने घर से निकल कर जा रहा था। इसी दौरान एक अनियंत्रित ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। जिसके कारण रविन्द्र की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। इस घटना के बाद ट्रक चालक गाड़ी छोड़कर भाग निकला । घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। ट्रक को जब्त कर लिया गया है जिसके निबंधन संख्या के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

सारण : विद्युत स्पर्शाघात से दो लोगों की मौत

छपरा। बिहार के सारण जिले के भेल्दी थाना क्षेत्र में रविवार को विद्युत स्पर्शाघात से दो लोगों की मौत हो गयी है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जिले के भेल्दी थाना क्षेत्र के रज्जूपुर गांव निवासी स्व. नगीना पंडित के 57 वर्षीय पुत्र रामनाथ पंडित की मौत विद्युत स्पर्शाघाट से घटनास्थल पर ही हो गई। वहीं, दूसरी घटना में जिला मुख्यालय छपरा के नगर थाना क्षेत्र के पंकज सिनेमा रोड में पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश के बलिया जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के होरपटी गांव निवासी 24 वर्षीय विक्की कुमार की मौत विद्युत स्पर्शाघात से हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराकर उनके परिजनों को सौंप दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा- रामनवमी का त्यौहार हमें एकजुट और मजबूती प्रदान करता है

रांची। झारखंड में रामनवमी के अवसर पर आज श्रद्धा और आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। हर तरफ जय श्री राम के उद्घोष गूंज रहे है। हजारों -हज़ार की संख्या में श्रद्धालु श्रीरामनवमी की परंपरागत शोभायात्रा में शामिल हो रहे हैं । यह सब भगवान श्री राम के प्रति हमारी अटूट एवं असीम भक्ति को ही दर्शा रहा है । मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने तपोवन मंदिर निवारनपुर में श्रद्धालुओं को रामनवमी की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए ये कहीं । इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मंदिर में विधिवत तरीके से पूजा -अर्चना कर राज्य एवं राज्यवासियों के सुख- समृद्धि और अमन -चैन की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनवमी की परंपरागत शोभायात्रा लंबे समय से चलती आ रही है। यह अनवरत चलती रहे, यह हम सभी भगवान श्रीराम से कामना करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सड़कों पर उतरा श्रद्धालुओं का सैलाब यह बता रहा है कि जन- जन के सीने में भगवान श्री राम बसे हैं । मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम हम सभी के शरीर में इतना ताकत भरते हैं, जिसके कारण कोने-कोने से श्रद्धालु आज यहां आकर भगवान श्री राम के चरणों में मत्था टेक आशीर्वाद ले रहे हैं और साथ में श्री रामनवमी शोभायात्रा की शोभा बढ़ा रहे हैं ।रामनवमी का त्यौहार हम सभी को एकजुट और मजबूती प्रदान करता है।

देश में 24 घंटे में कोरोना के 1,054 नये मामले

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस महामारी के नये मामलों के उतार-चढ़ाव के बीच पिछले 24 घंटे के दौरान 1,054 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या बढ़कर चार करोड़ 30 लाख 35 हजार 271 हो गई हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 185 करोड़ 70 लाख 71 हजार 655 कोविड टीके दिये जा चुके हैं।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के एक हजार 1,054 नये मरीज सामने आये हैं। देश में कोरोना सक्रिय रोगियों की संख्या 11 हजार 132 है। देश में सक्रिय मामलों की दर 0.03 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.25 प्रतिशत हो गयी है।

इसी अवधि में एक हजार 258 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 25 लाख दो हजार 454 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.76 प्रतिशत है।

देश में पिछले 24 घंटे में चार लाख 18 हजार 345 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में अब तक कुल 79 करोड़ 38 लाख 47 हजार 740 कोविड परीक्षण किए गए हैं।

वहीं इस दौरान देश में 29 मरीजों की मौत होने से इस जानलेवा विषाणु के कारण जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 521685 हो गयी है। कोविड-19 से होने वाली मौतों की दर 1.21 प्रतिशत है।

केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामले 57 घटने से इनकी संख्या 3133 रह गयी। वहीं, 383 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 6464211 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 68360 हो गया है।

कर्नाटक में सक्रिय मामले 29 घटकर 1472 हो गए हैं। इस दौरान 75 मरीजों के ठीक होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या 3904417 हो गई है। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 40057 पर स्थिर है।

कोविड टीकाकरण में 185.70 करोड़ टीके लगे

नयी दिल्ली। देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 185.70 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 185 करोड़ 70 लाख 71 हजार 655 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 1054 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 11 हजार 132 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.03 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.25 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में एक हजार 258 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 25 लाख दो हजार 454 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.76 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में चार लाख 18 हजार 345 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में अब तक कुल 79 करोड़ 38 लाख 47 हजार 740 कोविड परीक्षण किए गए हैं।

लद्दाख में भीषण हादसा

निर्माणाधीन पुल ढहने से 4 मजदूरों की गई जान; 2 की बची जान

एजेंसी

लेह। लद्दाख के नुब्रा उपमंडल में शनिवार को ढहे एक निर्माणाधीन पुल के मलबे से चार कर्मियों के शव बरामद हुए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लेह जिले के दिस्कित गांव के पास निर्माणाधीन शतसे तकना पुल का एक हिस्सा शनिवार शाम करीब चार बजे तेज हवाओं के कारण ढह गया था और इसके मलबे में छह मजदूर फंस गए थे।

अधिकारियों के मुताबिक, 12 घंटे तक चले संयुक्त बचाव अभियान के बाद घटनास्थल से चार मजदूरों के शव बरामद किए गए और दो अन्य को बचा लिया गया। उन्होंने बताया कि बचाए गए दोनों मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की पहचान जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले के राज कुमार और वरिंदर, छत्तीसगढ़ के मंजीत तथा पंजाब के लव कुमार के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि घायलों में राजौरी के कोकी कुमार और छत्तीसगढ़ के राजकुमार शामिल हैं।

लद्दाख के उपराज्यपाल आरके माथुर ने बचाव अभियान की निगरानी की। उन्होंने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। घटना के तत्काल बाद सेना की स्थानीय 102 ब्रिगेड, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की विजयक परियोजना और लेह स्थित वायुसेना स्टेशन से भेजी गई परिचालनात्मक मदद से बचाव अभियान शुरू किया गया।

एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि लद्दाख के मंडलीय आयुक्त सौगत बिस्वास ने अभियान में शामिल सभी एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित किया। उन्होंने बताया कि बचाए गए लोगों को हवाई मार्ग से लेह पहुंचाने के लिए भारतीय वायुसेना की मदद ली गई।

माथुर ने हादसे में प्रभावित लोगों, खासकर पुल निर्माण में लगे मजदूरों को हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया है।

कोरोना की एहतियाती खुराक अभियान में भाग नहीं ले रहे निजी अस्पताल

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सभी निजी अस्पताल 10 अप्रैल, रविवार से शुरू होने वाले 18-59 वर्ष की आयु के लाभार्थियों के लिए कोविड 19 की एहतियाती खुराक अभियान में भाग नहीं ले रहे हैं।

मैक्स और फोर्टिस हेल्थकेयर जैसे प्रमुख अस्पतालों ने अभी तक एहतियाती खुराक टीकाकरण शुरू करने के बारे में फैसला नहीं किया है क्योंकि वे वैक्सीन निर्माताओं से कोविड -19 डोज के नए मूल्य स्पष्ट करने का इंतजार कर रहे हैं।

अस्पतालों के अनुसार यदि वे टीकों का मौजूदा स्टॉक महंगी दरों पर उपलब्ध कराते हैं, जो उन्होंने पुरानी दरों पर खरीदे थे, तो उन्हें भारी नुकसान होगा। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक ने शनिवार को निजी अस्पतालों को दी जा रही कोविशील्ड और कोवैक्सिन की दरों में भारी कमी की घोषणा की।

इससे पहले मैक्स हेल्थकेयर ने शुरू में घोषणा की थी कि वह रविवार को एहतियाती खुराक का टीकाकरण शुरू करेगी लेकिन बाद में फैसले को वापस ले लिया।

अस्पताल के सूत्रों ने यूनीवार्ता को बताया कि वैक्सीन निर्माताओं के साथ टीकों की नई कीमतों को लेकर चर्चा चल रही है।

फोर्टिस हेल्थकेयर ने कहा कि उसके पास फिलहाल पुराना स्टॉक है और नई लागत पर स्पष्टीकरण मिलने के बाद वह टीकाकरण फिर से शुरू करेगी।

अस्पताल ने कहा,अभी तक हमें अधिकारियों या वैक्सीन निर्माताओं नई लागत पर एहतियाती खुराक प्राप्त करने और प्रशासित करने को लेकर कोई सूचना नहीं मिली है।

इससे पहले रविवारो को सीरम और भारत बायोटेक ने निजी अस्पतालों को प्रदान की जा रही कोविशील्ड और कोवैक्सिन की दरों में भारी कमी की घोषणा की।

कीमत में आधे से ज्यादा की कटौती करते हुए दोनों टीके निजी केंद्रों को 225 रुपये प्रति खुराक के हिसाब से उपलब्ध होंगे।

जहां कोविशील्ड की कीमत को 600 रुपये घटा दिया गया है, वहीं कोवैक्सिन की एक खुराक की कीमत 1,200 रुपये से बहुत कम कर दी गई है।

राहुल पर मायावती के पलटवार के बाद मैदान में उतरे खड़गे

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के एक बयान को सही ठहराते हुए रविवार को कहा कि कारण जो भी रहे हों बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को विधानसभा चुनाव में जीत का सुरक्षित रास्ता दिया है।

गांधी ने अपने बयान में बसपा प्रमुख पर उत्तर प्रदेश में गठबंधन नहीं करके दलितों की आवाज बनने से इनकार करने का आरोप लगाया था। सुश्री मायावती ने जब पलटवार किया तो श्री खड़गे ने श्री गांधी के बयान को सही ठहराते हुए कहा कि कारण जो भी रहे हों, लेकिन बसपा सुप्रीमो ने भाजपा को विधानसभा चुनाव में जीत का सुरक्षित रास्ता दिया है।

खड़गे ने आज यहां जारी एक बयान में कहा उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी पूरे मज़बूती से लड़ी। कांग्रेस चाहती थी कि भाजपा अपने जीत के अहंकार में आम लोगों, महिलाओं, दलितों पर जो अत्याचार करती है, उस पर किसी भी प्रकार से रोक लगे।

उन्होंने कहा कि यह सब देख कर वाड्रा ने मायावती से कांग्रेस के साथ आकर भाजपा के ख़िलाफ़ गठबंधन का नेतृत्व करने को कहा था लेकिन सच्चाई यही है कि वह ऐसा नहीं कर पाईं, चाहे जो भी कारण रहा हो।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि श्री गांधी ने कल यही दोहराया, आज जनता महँगाई से पिस रही है। युवावों जे पास नौकरियां नहीं है। संवैधानिक संस्थाओं पर आरएसएस का क़ब्ज़ा हो रहा है। ऐसे में हमारे लोकतंत्र और बाबा साहेब के दिए संविधान का क्या होगा।

उन्होंने सभी दलों से भाजपा के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह करते हुए कहा इस लड़ाई में भाजपा के ख़िलाफ़ सभी विपक्षी दल को एक होना चाहिए।

टी2डीएम मरीजों में हृदय संबंधी बीमारी का खतरा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में इंडिया डायबिटीज स्टडी (आई.डी.एस.) ने भारत के 27 राज्यों से 48 वर्ष की औसत आयु वाले करीब 5080 टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस (टी2डीएम) के मरीजों का नमूना लिया। आई.डी.एस. ने खुलासा किया कि टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस (टी2डीएम) से ग्रस्त 55 प्रतिशत से अधिक मरीजों में एचडीएल-सी (हाई-डेंसिटी लिपिड-कोलेस्ट्रॉल) का अगर मान कम होता है, तो उनमें हृदय रोग पनपने का अधिक खतरा बना रहता है। आई.डी.एस. ने बताया कि 42 प्रतिशत टी2डीएम के मरीजों में उच्च रक्तचाप के अधिक जोखिम हैं। भारतीय सर्वसम्मति समूह द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार कि टी2डीएम मरीजों का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) 27.2 दर्ज किया गया, जो कि उनका वजन सामान्य व्यक्ति के वजन से अधिक है। इंडिया डायबिटीज स्टडी 1900 से अधिक चिकित्सकों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद इसे साल 2020 और 2021 के बीच आयोजित किया गया, जोकि 16 चिकित्सकों, एरिस लाइफसाइंसेस और सह-लेखकों के सहयोग से एक अनूठा राष्ट्रव्यापी अध्ययन है। इसमें भारत के 27 राज्यों से 48 वर्ष की औसत आयु वाले करीब 5080 मरीजों का नमूना लिया गया।

उधमसिंह नगर में अवैध हथियार संग एक गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड की उधमसिंह नगर पुलिस ने अवैध तमंचों के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत कार्रवाई अमल में लायी जा रही है।

उधमसिंह नगर पुलिस के अनुसार कुंडा पुलिस की ओर से थाना प्रभारी प्रदीप नेगी की अगुवाई में शनिवार रात को तस्करों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलसि टीम ने बैलजुड़ी तिराहे पर एक व्यक्ति मौसिम खान निवासी ग्राम नरपत नगर, थाना स्वार, जिला रामपुर उप्र को रोका और उसकी जांच की तो उसके पास से तीन अवैध तमंचे व 13 अदद जिंदा कारतूस बरामद किये।

आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही आरोपी के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर आगे की कार्रवाई अमल में लायी जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी अवैध असलाह को कहां से खरीद कर लाया था और कहां ले जा रहा था। साथ ही आरोपी अवैध शस्त्रों की तस्करी में कब से जुटा है।

कांग्रेस नेता, स्मृति ईरानी के बीच विमान में मंहगाई को लेकर बहस

नयी दिल्ली। कांग्रेस महिला विंग की प्रमुख नेट्टा डिसूजा ने शनिवार को एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के साथ दिल्ली-गुवाहाटी विमान में मंहगाई को लेकर बहस करती हुई दिख रही है।

दोनों के बीच बहस तब शुरू हुई, जब कांग्रेस नेता ने स्मृति ईरानी से विमान से उतरते वक्त सवाल किया।

कांग्रेस नेता द्वारा शेयर किए गए वीडियो में केंद्रीय मंत्री रिकॉर्डिंग बन्द करने की इशारा करती हुई दिख रही है।

नेट्टा डिसूजा ने ट्वीट किया,गुवाहाटी की फ़्लाइट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंत्री स्मृति ईरानी जी से सामना हुआ। उनसे एलपीजी गैस की बढ़ती कीमतों पर पूछे जाने पर उन्होंने वैक्सीन, राशन और गरीबों को भी जिम्मेदार ठहराया। वीडियो को जरूर देखें, उन्होंने आम लोगों के दुखों पर कैसी प्रतिक्रिया दी। वीडियो में केंद्रीय मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस नेता रास्ता रोक रही हैं।

रसोई गैस की कमी और बिना गैस के चूल्हे के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कृपया झूठ न बोलें।

ईरानी ने कहा कि महामारी शुरू होने के समय से ही लोगों को पिछले 29 महीने से मुफ्त में राशन मिल रहा है। इस दौरान कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, उर्वरक और आवश्यक दवाओं की कीमतों में लगातार वृद्धि को लेकर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया।.

कांग्रेस ने इससे पहले भी सुश्री ईरानी पर कई बार निशाना साधा है, क्योंकि यूपीए दो के शासनकाल में भाजपा के विपक्ष में होने पर पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि पर उन्होंने विरोध प्रदर्शन की थी।

सांसद निधि योजना के तहत पूर्व सांसदों की 1723 करोड़ रुपये की राशि नहीं हुई खर्च

नई दिल्ली। संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास निधि (एमपीलैड) योजना के तहत पूर्ववर्ती सांसदों की 1,723 करोड़ रुपए की राशि खर्च नहीं की जा सकी है। सरकार ने संसद की एक समिति को यह जानकारी दी है। सरकार ने बताया है कि बची हुई राशि का इस्तेमाल तभी किया जा सकता है, जब पूर्ववर्ती सांसदों के सभी अनुमोदित कार्य पूरे हो जाएं और उनका बैंक खाता बंद कर दिया जाए।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने संसद की प्राक्कलन समिति को बताया है कि सांसद निधि योजना के तहत पूर्ववर्ती सांसद की धनराशि का बाद के सांसद द्वारा सीधे उपयोग नहीं किया जा सकता है। अप्रैल में %एमपीलैड कोष योजना के तहत निधि के आवंटन एवं उपयोग की समीक्षा% विषय पर लोकसभा में पेश प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्ववर्ती सांसदों की 1,723 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च नहीं की जा सकी है।

मंत्रालय के मुताबिक, बची हुई राशि का उपयोग उसी सूरत में किया जा सकता है, जब पूर्ववर्ती सांसदों के सभी अनुमोदित कार्य पूरे हो जाएं तथा उनका बैंक खाता बंद कर दिया जाए और शेष राशि बाद के सांसद के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाए। समिति ने सरकार से कहा, उसे उम्मीद है कि मंत्रालय इतनी बड़ी राशि के बेकार पड़े रहने से जुड़ी समस्याओं की पहचान करेगा और इस संबंध में हुई प्रगति से अवगत कराएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, 16वीं लोकसभा में एमपीलैड योजना के अधीन सांसदों की 470 किस्तों के तहत 1,175 करोड़ रुपए की राशि लंबित है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2015-16 में दो किस्तों के तहत पांच करोड़ रुपए, 2016-17 में 22 किस्तों के तहत 55 करोड़ रुपए, 2017-18 में 91 किस्तों के तहत 227 करोड़ रुपए और 2018-19 में 355 किस्तों के तहत 887 करोड़ रुपए की राशि लंबित है ।मंत्रालय ने यह भी बताया कि 17वीं लोकसभा के संबंध में वित्त वर्ष 2019-20 में 102 किस्तें लंबित हैं। मालूम हो कि एमपीलैड योजना कोविड महामारी के दौरान दो वर्षों (2020-21 और 2021-22) के लिए निलंबित कर दी गई थी। बहरहाल, प्रत्येक सांसद को दो करोड़ रुपये की एक किस्त जारी कर इसे 2021-22 की बाकी अवधि के लिए बहाल कर दिया गया है।

मिश्रा ने पोंग्टु पर अरुणाचल को दी बधाई

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) बीडी मिश्रा ने वर्षा ऋतु से पहले मनाए जाने वाले तुत्सा समुदाय के सबसे पुराने कृषि उत्सव 'पोंग्टु' के अवसर पर राज्य के लोगों को बधाई दी। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि तिरप और चांगलांग जिलों की तुत्सा जनजाति का कृषि त्योहार पोंग्टु फसल कटाई के बाद नए साल का स्वागत करने के लिए मनाया जाता है। नए कृषि मौसम में प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ फसलों की सुखद कटाई और सुरक्षा के लिए भगवान के आशीर्वाद का आह्वान करने के लिए त्योहार मनाया जाता है। राज्यपाल ने संदेश में कहा, मुझे विश्वास है कि पोंग्टु महोत्सव की पवित्रता सकारात्मक रूप से समाज में सद्भाव और सौहार्द लाएगी। आशा है कि यह त्योहार सभी के लिए शांति, खुशी और प्रगति का वर्ष लाएगा। राज्यपाल ने कहा, इस अवसर पर, मैं अपने तुत्सा भाइयों के साथ सर्वोच्च भगवान रंगकठोक से प्रार्थना करता हूं कि हम सभी के लिए उनका सबसे अच्छा आशीर्वाद रहे।

आंध्र प्रदेश में बिजली संकट, 4-6 घंटे हो रही कटौती

अमरावती। आंध्र प्रदेश इस समय बिजली संकट से जूझ रहा है। खबर है कि राज्य के थर्मल पावर स्टेशन में कोयला की कमी के चलते यह संकट खड़ा हुआ है। वहीं, अधिकारियों का मानना है कि कोविड-19 के बाद अचानक बढ़ी मांग ने यह परेशानी खड़ी कर दी है। हालात यह हो गए हैं कि राज्य में बिजली को विनियमित करने पर मजबूर होना पड़ा है। हालात इस कदर खराब हो चुके हैं कि राज्य के कई हिस्सों में लोग 4-6 घंटे बिजली कटौती का सामना कर रहे हैं। विपक्षी दलों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

एजेंसी के अनुसार, पावर रेग्युलेशन के चलते सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे किसान और नागरिक परेशान हो रहे हैं। इधर, बिजली की बढ़ी दरों ने भी परेशानियों में इजाफा किया है। राज्य में बिजली की कीमत 60 प्रतिशत बढ़ गई हैं। इसके अलावा टैरिफ में 1.40 रुपये प्रति यूनिट (76 से 125 यूनिट के लिए) और 1.57 रुपये (126 से 220 यूनिट) के लिए बढ़ गए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री काला वेंकट राव के अनुसार, कीमतों में इजाफा होने के चलते नागरिकों पर 16 हजार 611 करोड़ रुपये का भार पड़ेगा।

उद्योग हुए प्रभावित

राज्य में बिजली संकट इस कदर बढ़ा हुआ है कि उद्योगों को शुक्रवार से बिजली अवकाश पर भेज दिया है। 24 घंटे काम करने वाले उद्योगों को केवल जरूरत का 50 फीसदी इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है। अधिसूचना के अनुसार, सभी उद्योगों को वर्किंग डे 5 दिन करने के लिए कहा गया है।

अस्पताल में हालत खराब

जिन सरकारी अस्पतालों में पावर जनरेटर नहीं है, वहां हालात ज्यादा खराब नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह अनाकपल्ली जिला के नरसीपाटनम सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों को सेल फोन की फ्लैशलाइट की मदद से डिलीवरी करनी पड़ी, क्योंकि अस्पताल में करीब 8 घंटे से बिजली गायब थी।

बीते साल अक्टूबर में मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने केंद्र से केंद्र सरकार से मामले में दखल देने की मांग की थी।

शार्ट न्यूज

कठपुतलियों के जरिये बच्चों ने दी रामायण की सीख

नई दिल्ली। रामनवमी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों को समझने और जानने का शुभ अवसर है। इस पावन मौके पर श्री श्री रुक्मिणी द्वारकाधीश मंदिर इस्कॉन द्वारका में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पद्मश्री से सम्मानित दादी पद्मजी की प्रेरणा से बच्चों ने कठपुतलियों के माध्यम से रामायण की सीख दी। इस पपेट वर्कशॉप में बच्चों ने रामायण के विभिन्न पात्रों जैसे भगवान श्रीराम, सीता, लक्ष्मण और शूर्पनखा आदि को कठपुतलियों के माध्यम से दर्शाना सीखा। कठपुतलियां देखना सभी को आनंददायक अनुभव देता है। बच्चों के लिए यह खास आकर्षण का केंद्र रहता है। ऐसे में जब बच्चों को खुद यह सीखने का मौका मिला तो उनका उत्साह देखते बन रहा था। इसके बाद शाम को श्रीराम पर आधारित नाटकीय प्रस्तुति द्वारा वहां उपस्थित सभी भक्तों को रामायण के प्रसंगों के माध्यम से जीवन के सूत्र भी समझाए गए। इससे पहले सुबह जितामित्र प्रभु द्वारा राम कथा का प्रवचन किया गया। साथ ही गोपाल फन स्कूल के बच्चों ने अपने डांस शो के माध्यम से बताया कि अच्छाई से बुराई पर किस तरह जीत हासिल की जा सकती है। बच्चों ने धनुष बाण चलाओ, इनाम पाओ प्रतियोगिता में भी उत्साह के साथ भाग लिया।

दिल्ली में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़ी, संक्रमण दर 1.29 प्रतिशत

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के मामले लगातार बढ़ने से सक्रिय मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। कोरोना के सक्रिय मामले बढ़कर 600 पार हो गए हैं। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में ठीक होने वाले मरीजों के मुकाबले संक्रमितों की संख्या बढ़ गई है। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार रविवार को कोरोना के 141 नए मामले सामने आए। वहीं 113 मरीजों को छुट्टी दी गई, जबकि 1 मरीज ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना की जांच के लिए शनिवार को 10939 टेस्ट ?हुए जिसमें 1.29 फीसदी मरीज संक्रमित पाए गए। दिल्ली में कोरोना के अभी तक 1866243 लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 1839478 मरीज ठीक हो गए, जबकि 26157 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.4 फीसदी है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मरीज बढ़कर 608 हो गए हैं। इनमें से होम आइसोलेशन में 450 मरीज और अस्पतालों में 17 मरीज भर्ती हैं। इनमें से आईसीयू में 7 और ऑक्सीजन सपोर्ट पर 6 मरीज भर्ती हैं। दिल्ली में कंटेन्मेंट जोन घटकर 763 रह गए हैं।

थाना सेक्टर 63 पुलिस ने एक फर्जी सिपाही को किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर 63 नोएडा पुलिस ने रविवार को सब्जी मंडी छिजारसी से एक फर्जी सिपाही गिरफ्तार जयचंद्र उर्फ लल्लन पुत्र अभिमन्यु सिंह निवासी कस्बा तिर्वा मोहल्ला कालिका नगर थाना तिर्वा जिला कन्नौज हाल निवासी छिजारसी किराए का मकान थाना सेक्टर 63 नोएडा को गिरफ्तार कर लिया ।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक सैट वर्दी बिल्ला सहित और दो नेम प्लेट बरामद की है। अभियुक्त जयचंद्र उपरोक्त ने बताया कि वह पुलिस अधिकारी बनने का शौक रखता है। किंतु कतिपय कारणों से पुलिस में भर्ती नहीं हो सका इस कारण जनपद गाजियाबाद पुलिस लाइन के पास वर्दी की दुकान/टेलर से पुलिस संबंधी वेशभूषा के सामान एवं वर्दी खरीद कर कुछ दिनों पहले से वर्दी पहनने लगा। और वह फेसबुक के माध्यम से पुलिस आरक्षी व अधिकारियों के नंबर लेकर उनसे संपर्क कर परिचय बना लेता था। प्रथम दृष्टया अभियुक्त से पूछताछ में पुलिस के नाम पर अवैध वसूली के साक्ष्य उपलब्ध नहीं हो सके इस बिंदु पर विवेचना/जांच की जा रही है।

बादलपुर पुलिस ने पेटीएम से पेमेंट को पेंडिग दिखाकर सामान लेकर धोखाधड़ी करने वाले दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना बादलपुर पुलिस ने रविवार को पेटीएम से पेमेंट को पेंडिग दिखाकर सामान लेकर धोखाधड़ी करने वाले दो अभियुक्तों सौरभ पुत्र संतोष गुप्ता निवासी शांतिनगर थाना विजयनगर जिला गाजियाबाद, पीयूष पुत्र पुत्र संतोष गुप्ता निवासी शांतिनगर थाना विजयनगर जिला गाजियाबाद को दया सीमेन्ट की दुकान छपरौला से गिरफ्तार कर लिया ।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने चार बोरे सीमेन्ट बिरला उत्तम बरामद किए हैं ।अभियुक्तगण पेटीएम से भुगतान के समय डेटा आफ कर भुगतान पेडिंग दिखाकर अपना गलत मोबाइल नम्बर लिखाकर दुकानदारों के साथ बिना भुगतान किये धोखाधड़ी करके सामान खरीदते थे। इसी सम्बंध में वादी की लिखित तहरीर के आधार पर मुकदमा अपराध संख्या 107/22 धारा 420 भादवि के तहत पंजीकृत किया गया है। वादी की सूचना पर थाना बादलपुर के मुकदमा उपरोक्त में वांछित चल रहे अभियुक्त सौरभ और पीयूष को गिरफ्तार कर लिया। बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 411 भादवि की बढ़ोत्तरी की गयी है। पूछताछ पर इनके द्वारा इस तरह की कई घटनाएं करना स्वीकार की गयी ।अभियुक्तगण शातिर किस्म के जालसाज अपराधी हैं ।जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

थाना ईकोटेक तृतीय पुलिस ने मुठभेड़ के उपरांत एक लुटेरे को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएड। थाना ईकोटेक तृतीय पुलिस ने रविवार को मुठभेड़ के उपरांत एक लुटेरे नीलेश पुत्र परमानन्द निवासी कुलेसरा थाना ईकोटेक तृतीय के बीच ग्राम तुस्याना के जंगल में अर्द्ध निर्मित आम्रपाली मॉल के पास से गिरफ्तार कर लिया ।पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त अभियुक्त पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जिसे पुलिस द्वारा उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने लूट के 2650 रूपये, एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय दो कारतूस जिन्दा व दो कारतूस खोका और एक मोटर साइकिल बिना नम्बर की बरामद की है। अभियुक्त द्वारा 17 जनवरी 2022 को मनी ट्रांसफर की दूकान में घूसकर लूट की घटना को अन्जाम दिया गया था। अभियुक्त के आपराधिक इतिहास एवं अन्य जानकारी की जा रही है।

ग्रेटर नोएडा : पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही छात्रा बीच सड़क से हुई अगवा, भाई के साथ लगा रही थी दौड़

दादरी। ग्रेटर नोएडा के दादरी कोतवाली क्षेत्र स्थित रेलवे रोड से एक छात्रा के अपहरण का मामला प्रकाश में आया है। छात्रा पुलिस भर्ती की तैयारी के लिए बुधवार को सुबह के समय अपने भाई के साथ दौड़ लगा रही थी। इस दौरान कार सवार दो युवकों ने छात्रा को जबरन अगवा कर लिया। परिजन छात्रा की बरामदगी के लिए कोतवाली के चक्कर लगा रहे हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि प्रकरण प्रेम-प्रसंग का भी हो सकता है। एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। रेलवे रोड स्थित एक कॉलोनी की रहने वाली छात्रा पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही है। छात्रा का एक भाई सेना में है, जबकि दूसरा भाई भी पुलिस की तैयारी कर रहा है। दोनों बहन-भाई रोजाना शारीरिक परीक्षा की तैयारी के लिए दौड़ लगाते हैं। बुधवार को सुबह के समय छात्रा अपने भाई के साथ दौड़ लगा रही थी। भाई छात्रा से कुछ आगे निकल गया था। इसी बीच कार सवार दो युवक आए, जिन्होंने छात्रा को जबरन खींचकर अपनी कार में डाल लिया। इसके बाद भाई ने परिजनों को घटना के बारे में बताया।

जीवन के असंख्य रूपों को प्राकृतिक, जीवंत और सरल रूप में प्रदर्शित करती चित्र प्रदर्शनी-'जीवन के रंग'

नेशनल गैलरी ऑफ़ मॉडर्न आर्ट के अद्वैत गडनायक ने किया धीरज त्रिपाठी की प्रदर्शनी का उद्घाटन

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 2022, वर्तमान समय में महामारी से उबरे लोगों के उत्साह को बढ़ाने के लिए कला से बेहतर जरिया नहीं हो सकता। कैनवास पर अनुभवों को जीवंत रंगों और रंगों में भावों के साथ चित्रों को उकेरते हुए जीवंत अंदाज में प्रस्तुत पेन्टिंग्स सुकून और राहत प्रदान करने में सक्षम हैं।

इसी सोच के साथ दिल्ली के सेल्फ-टॉट कलाकार धीरज त्रिपाठी, ने अपनी एकल चित्र प्रदर्शनी 'जीवन के रंग' का आयोजन किया है। आज से शुरू होकर 16 अप्रैल तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में धीरज ने निहित रचनात्मकता प्रदर्शित की है। न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित आरकेजी आर्ट एंड कल्चर सेंटर में 'जीवन के रंग' शीर्षक वाली इस चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन आज नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट के महानिदेशक श्री अद्वैत गडनायक ने किया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री अद्वैत गडनायक ने कहा, धीरज की कला के इन संवेदनशील चित्रों को देखकर मुझे खुशी हो रही है। इसमें विविधता, रंग और बहुत सारे प्रयोग हैं। अब जब महामारी हमारे पीछे है, तो हम और अधिक चाहेंगे कि कलाकारों को इस तरह के रचनात्मक काम करने के अवसर मिलेंगे। 21 वीं सदी में प्रौद्योगिकी और कला की बुनाई के लिए धीरज के दृष्टिकोण को देखकर मुझे खुशी हुई। यह भी महत्वपूर्ण है कि कलाकारों को अब अपनी कला के कार्यों के लिए व्यावसायिक मूल्य मिलना शुरू हो जाए।

यह समय की बात है कलाकारों को समाज को एकजुट करना चाहिए और एक सकारात्मक दिशा निर्धारित करनी चाहिए। ऐसे में हमें प्रदर्शनियों आदि के माध्यम से कलाकारों के साथ और अधिक बातचीत करनी चाहिए।

'जीवन के रंग' की अवधारणा के बारे में विस्तार से बताते हुए, धीरज त्रिपाठी ने कहा, बचपन से, मैं प्रकृति के विभिन्न रूपों, मानवीय भावनाओं के साथ प्रयोग करने और आध्यात्मिकता की तरफ आकर्षित एवं उत्साहित रहा हूं।

महामारी के चुनौतीपूर्ण समय के चलते जीवन में सरल लेकिन संबंधित चीजें जिन्हें हम अपने व्यस्त जीवन के कारण अनदेखा और बाईपास करते हैं से जुड़ना प्रासंगिक हो गया। 'जीवन के रंग' की अवधारणा हमारे चारों ओर ब्रह्मांड द्वारा बनाए गए कई रंगों, उनकी सराहना और स्वीकार करने के लिए ध्यान आकर्षित करने के लिए की गई है।

यह नीला हो नीला आकाश या सुंदर फूलों या परिदृश्यों और दृश्यों का सूर्यास्त आकाश, मेरा जुनून इन भव्य परिवेश से प्रेरणा लेना है।

उन्होंने कहा, ''वास्तव में यह मेरे कैनवास के माध्यम से एक सच्चा प्रतिबिंब है चाहे वह 'प्रकृति के तत्व' श्रृंखला हो, 'जीवन के रंग' श्रृंखला, 'द गेटवे टू नेचर' या 'पाथवे टू होराइजन' - मैंने उन्हें चमकीले ऐक्रेलिक रंगों का उपयोग करके बनाया है जो जीवंतता पैदा करते हैं और दर्शकों पर एक सच्चा व उत्साहित करने वाला प्रभाव छोड़ते हैं। यहां मेरा विचार है कि यह जीवन की सरल चीजों का हवाला देते हैं, जो कालातीत, सुंदर और लुभावनी हैं।

धीरज त्रिपाठी द्वारा चित्रों की प्रदर्शनी 'जीवन के रंग' 16 अप्रैल 2022, तक सुबह 11.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक आरकेजी आर्ट एंड कल्चर सेंटर, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली में जारी रहेगी।

अनंदिता नारायणन द्वारा कुशल, गहन और कलात्मक भरतनाट्यम प्रस्तुति...

नई दिल्ली। भरतनाट्यम भारत के सबसे पुराने और सबसे गतिशील शास्त्रीय नृत्य रूपों में से एक है और आज हमारी संस्कृति में एक प्रमुख स्थान रखता है। सदियों से, नवाचारों और रचनात्मकता ने इसे आध्यात्मिक, दिव्य, और सौंदर्य/कलात्मक अनुभव में ढाला है। किसी भी भरतनाट्यम नर्तक के लिए, उनका पहला एकल प्रदर्शन, अरंगेत्रम उनके करियर का महत्वपूर्ण अवसर होता है। यह भरतनाट्यम की उनकी यात्रा में पहला मील का पत्थर है। राम नवमी, रविवार की शाम, गुरु (पद्म श्री) गीता चंद्रन की शिष्या अनंदिता नारायणन के लिए, मंडी हाउस, नई दिल्ली स्थित त्रिवेणी कला संगम सभागार में ऐसा ही एक अवसर था।

नाट्य वृक्ष द्वारा आयोजित अरंगेत्रम में अनंदिता की शानदार भरतनाट्यम प्रस्तुति ने उपस्थित मेहमानों, उनकी गुरू और नृत्य प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शाम की शुरुआत श्री राजीव चंद्रन द्वारा कार्यक्रम, आनंदिता और उनके साथी कलाकारों के औपचारिक परिचय के साथ हुई। इस अवसर पर आचार्य श्री श्रीवास्तव गोस्वामी, श्री

चैतन्य प्रेम संस्थान, वृंदावन (यूपी) मुख्य अतिथि थे। गुरु (पद्माश्री) गीता चंद्रन, श्री राजीव चंद्रन, संगीत और नृत्य प्रेमियों के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्ति, कॉर्पोरेट दिग्गज और सरकारी अतिथि भी प्रदर्शन का आनंद लेते देखे गए।

अनंदिता ने अटा तालम में एक मल्लारी के साथ अपना अरंगेत्रम शुरू किया, उसके बाद कणाद रागम में जातिस्वरम प्रस्तुत किया। इसके बाद रागम पूर्वकल्याणी में ए वर्णम, मीरा भजन, एत्तई कंडु और पदम थे। उन्होंने रागेश्वरी तिलाना के साथ अपनी प्रस्तुति का समापन किया।

यह युवा आनंदिता द्वारा केवल भरतनट्यम की प्रस्तुति नहीं थी, बल्कि यह उनके नृत्य के माध्यम से एक कहानी प्रस्तुत करने वाला एक कुशल, गहन और कलात्मक जीवंत अभिनय था। जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। गुरु गीता चंद्रन ने अपनी शिष्या आनंदिता को गले लगाते हुए इस युवा शिष्य की शानदार प्रतिभा की सराहना की, जो भविष्य में उनकी भरतनाट्यम विरासत को आगे बढ़ाएगी।

प्रदर्शन के बाद, अपने पहले एकल नृत्य प्रस्तुतिकरण के बारे में अपने अनुभव साझा करते हुए, उत्साहित अनंदिता ने कहा, सामान्य कक्षाओं से लेकर पूर्वाभ्यास तक और अंत में मेरे अरंगेत्रम के दिन तक की यात्रा बहुत समृद्ध होने के साथ-साथ भारी भी रही है। मैंने अनुभव की मात्रा महसूस की, कड़ी मेहनत जो एकल प्रदर्शन के लिए शरीर को तैयार करने में जाती है। मैं प्रदर्शन से पहले बहुत उत्साहित और थोड़ी घबरायी हुई था। मैं इसे बहुत पसंद कर रही हूं क्योंकि यह मुझे और अधिक मेहनत करने और बेहतर हासिल करने के लिए प्रेरित करता है। नाट्य वृक्ष में मेरे पास कड़ी मेहनत, रचनात्मकता, धैर्य, दृढ़ता जैसी उनकी विशेषताओं के लिए रोल मॉडल के रूप में अक्का (गुरू गीता चन्द्रन) एवं कई वरिष्ठ साथी हैं। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है और भविष्य के लिए अपने गुरु की विरासत को आगे ले लेने के लिए उत्साहित हूं।

गुरु गीता चंद्रन ने कहा, नाट्य वृक्ष में, मैं हमेशा मानती हूं कि सिर्फ नृत्य ही पर्याप्त नहीं है। कविता, कहानी, पौराणिक कथा, संगीत, पोशाक, भाषा, कला प्रशंसा और संस्कृति के कई अन्य पहलू सीखने की प्रक्रिया के अभिन्न अंग हैं। अनंदिता एक उत्साहित प्रतिभा हैं, उसका सपना एक संश्लेषण में अपने दो जुनून;नृत्य और डिजाइन को एक साथ लाने का है। अनंदिता के लिए नृत्य की यात्रा असीम आनंद लेकर आई है, और यही हमने उनके अभिनय में देखा, जुनून, हर कदम का विवरण और शरीर की हलचल, उनकी प्रस्तुति देखते बनती थी, एकदम लाजवाब। बतौर गुरू मैं अपने शिष्यों से इससे ज्यादा क्या मांग सकती हूं, जो स्वयं जिम्मेदारी लेने और अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने लाने के लिए तैयार हैं, मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं।

महंगी शराब और ब्रांडेड कपड़ों के शौकीन ठक-ठक गैंग के 3 चोर दबोचे

गुरुग्राम। गुरुग्राम में फर्रुखनगर अपराध शाखा टीम ने अंतरराज्यीय ठक-ठक गैंग के तीन गुर्गों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस टीम दर्जनभर सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद और तकनीकी मदद से इन बदमाशों तक पहुंची। यह बदमाश गुलेल की मदद से बाजार और मार्केट में खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़कर लाखों रुपये का सामान चोरी कर लेते थे।

इतना ही नहीं, महंगी शराब और ब्रांडेड कपड़े पहनने के शौकीन इस गैंग के सदस्य चोरी करने के बाद हवाई जहाज से सफर करते थे।

आरोपियों के कब्जे से सामान बरामद

पुलिस ने आरोपियों से 3 लैपटॉप, 2 मोबाइल फोन, 2 घड़ियां, सोने व चांदी के जेवर, तीन लेडीज बैग, तीन शराब की बोतलें, तीन गुलेल, 29 मेटल बॉल (गोली) और 2.62 लाख की नकदी बरामद की गई है। आरोपियों ने पूछताछ में एक दर्जन से ज्यादा वारदातों का खुलासा किया है। यह गिरोह काफी समय से दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय है।

डीसीपी क्राइम राजीव देशवाल ने बताया कि ठक-ठक गैंग काफी समय से गुरुग्राम में सक्रिय था और सोसाइटी के बाह खड़ी गाड़ियों से सामान चोरी कर रहा था।

ऐसे में फर्रुखनगर अपराध शाखा टीम ने गैंग के सदस्य की पहचान कर तीन अप्रैल को दिल्ली एयरपोर्ट के पास से वेंकटेश्वरन रावेंधीर निवासी तमिलनाडु और गुना थानिक असलम निवासी तमिलनाडु को शनिवार दिल्ली के गाजीपुर गांव से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि 25 मार्च को उन्होंने सिविल अस्पताल के पास खड़ी कार का शीशा तोड़कर बैग चोरी किया था।

सोहना में गेहूं के खेत में लगी आग पर 20 मिनट में काबू पाया

सोहना। सोहना क्षेत्र के दो अलग-अलग गांव में आगजनी घटना में गेहूं की फसल जल गई है। इसके अन्य दूसरे गांव में लकड़ी में आग लगने से आसपास के क्षेत्र में भगदड़ मच गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाडियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन जब तक आग पर काबू पाया गया जब तक गेहूं की फसल जल चुकी थी। शनिवार की दोपहर बाद सोहना के गांव निमौठ में बना पॉवार हाउस के सामने लकड़ियां व बाजरे की पुलियों में आग लग गई। जिसकी सूचना पुलिस व दमकल विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ी से आग पर 20 मिनट में काबू पा लिया गया। उसके बाद इसी मार्ग के गांव सरमथला में गेहूं की फसल कटाई के बाद खेत में पड़ी गेहूं की कटी हुई पुलिया व भूसे से भरे गठड़ में आग लग गई। इस आग से ग्रामीण अनिल शर्मा, टेकी गौत्तम, कृष्ण और ओमबीर को भारी नुकसान हुआ।

सदर बाजार में क्या प्रशासन बड़े हादसे का कर रहा है इंतजार?

सदर बाजार के बारी मार्केट सहित अनेक मार्केट में बिजली व एमटीएनएल के तारों के जंजाल से हो सकता है बड़ा हादसा : पम्मा

गौरवशाली भारत संवाददाता

नई दिल्ली। जिस प्रकार आए दिन गर्मी का पारा चढ़ता जा रहा है उससे मर्केटो में लगातार आग की घटनाएं भी बढ़ती जा रही है जिससे व्यापारियों की काफी चिंता बढ़ रही है हाल ही में आजाद मार्केट व आनंद पर्वत में किस प्रकार की आग की घटना हुई है उससे व्यापारियों की नींद उड़ गई है फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा ने बताया सदर बाजार में लगभग 80 मार्केट हैं जहां बिजली के तारों के साथ-साथ एमटीएनएल की तारों का भी जंजाल बना हुआ है जिसके कारण आए दिन शॉर्ट सर्किट होता रहता है और छोटी-छोटी गलियां होने के कारण यहां पर आग बुझाने में भी बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

परमजीत सिंह पम्मा ने कहा एमटीएनएल के फोन बंद हो चुके हैं मगर फिर भी सदर बाजार की बारी मार्केट सहित अनेक मर्केटो में उनकी सैकड़ों की तादाद में तारे लटक रही है इसकी जानकारी हमने दिल्ली के उप राज्यपाल मुख्यमंत्री को भी ट्वीट् कर कर दी है और बताया है कि अगर कोई हादसा हो गया तो काफी लोगों का जान माल का नुकसान हो सकता है।

हरियाणा : रोहतक में पत्नी की गोली मारकर हत्या करने के बाद रिटायर्ड फौजी ने की खुदकुशी

रोहतक। हरियाणा के रोहतक जिले के भगवतीपुर गांव में एक रिटायर्ड फौजी ने कथित तौर पर अपनी लाइसेंसी बंदूक से अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या करने के बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने रविवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मृतक पति की उम्र 58 साल और पत्नी की उम्र 53 साल थी। दंपति के दो बेटे हैं, जिनकी शादी हो चुकी है और एक बेटी है।

रोहतक पुलिस के प्रवक्ता सनी लौरा ने कहा कि एक रिटायर्ड फौजी ने उनके घर के अंदर कुर्सी पर बैठी अपनी पत्नी को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। घटना से पहले दंपति के बीच मौखिक विवाद भी हुआ था।

प्रवक्ता ने कहा कि उनके पड़ोसियों ने गोलियों की आवाज सुनकर पुलिस को सूचित किया। जानकारी के अनुसार, दोनों के बीच घरेलू मसलों को लेकर लड़ाई-झगड़ा होता रहता था। फॉरेंसिक साइंस लैब की एक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए और उसे प्रयोगशाला भेजा जाएगा। हमने उस व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल बंदूक को भी कब्जे में ले लिया है। पुलिस फिलहाल मृतक दंपति के बच्चों और पड़ोसियों से पूछताछ कर विवाद की असल वजह पता लगाने की कोशिश कर रही है।

विदेशी कंपनियों के अफसर बन ठगने वाला गैंग बेनकाब, केमिकल और दवा कारोबारियों को बनाते थे शिकार

गाजियाबाद। विदेशी कंपनियों के अधिकारी बनकर कारोबारियों को मोटे मुनाफे के लालच में फंसाने के बाद करोड़ों रुपये ऐंठने वाले गैंग का साइबर सेल ने खुलासा किया है। गाजियाबाद पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं, जबकि सरगना फरार है और उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। अब तक आरोपियों के 15 बैंक खाते ट्रेस हुए हैं, जिनमें करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये की ट्रांजेक्शन मिली है। खातों में 87.70 लाख रुपये मौजूद मिले हैं, जिन्हें फ्रीज करा दिया गया है। साइबर सेल के नोडल अधिकारी और सीओ इंदिरापुरम अभय कुमार मिश्र ने बताया कि कुछ दिन पहले इंदिरापुरम और मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र के दो कारोबारियों से साइबर ठगी का मामला सामने आया था। संजय गुप्ता नाम के कारोबारी से केमिकल खरीदने के नाम पर 23 लाख रुपये और नीलेंद्र नाम के कारोबारी से साढ़े 8 लाख रुपये की ठगी हुई थी। दोनों मुकदमों की जांच के दौरान साइबर सेल ने गैंग को ट्रेस किया है। गैंग के सदस्यों का अलग-अलग काम बंटा हुआ था। गैंग सबसे पहले ट्रेडिंग कारोबारी को ट्रेस करते थे। इसके बाद गैंग का सरगना खुद को कनाडा, यूके या ऑस्ट्रेलिया की फार्मा कंपनी का अधिकारी बताकर केमिकल या दवाई खरीदने का झांसा देकर मोटे मुनाफे का लालच देता था। गैंग का एक सदस्य भारत में उसी केमिकल और दवाई का डिस्ट्रीब्यूटर बनता था। उसके बाद गैंग का अन्य सदस्य केमिकल और दवाई का सैंपल चेक करके अप्रूवल देने का काम करता था। इस तरह पीड़ित कारोबारी गैंग के सरगना के कहने पर गैंग के ही डिस्ट्रीब्यूटर से माल खरीदने के लिए रकम दे देता था।

मासूम बच्चों से हैवानियत के आरोपी को 7 साल में भी नहीं मिली जमानत

एजेंसी

ग़ाज़ियाबाद। मासूम भाई- बहनों के यौन शोषण करने के आरोपी युवक की शार्ट टर्म बेल की अर्जी अदालत ने खारिज कर दी। आरोपी ने अबकी बार कैंसर पीड़ित पिता से मुलाकात करने के लिए जमानत अर्जी लगाई थी। गंभीर एवं घिनौनी वारदात के आरोपी युवक को गिरफ्तारी के बाद से 7 साल में एक बार भी जमानत नहीं मिली है। मामला मुरादनगर थाना क्षेत्र का है। आरोपी युवक का नाम मोंटी है। आरोपी पर गांव के ही मासूम भाई - बहन के साथ कुकर्म और दुष्कर्म करने का आरोप है। दोनों बच्चों की उम्र 10 और 11 साल के बीच है। पोक्सो कोर्ट के विशेष लोक अभियोजक सतीश शर्मा ने बताया कि मुराद नगर थाना क्षेत्र के एक गांव में 7 साल पहले घटना घटी थी। बच्चों के परिजन ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। रिपोर्ट में आरोपी मोंटी पर आरोप है कि उसने दो भाई बहन के साथ यौन उत्पीड़न किया। घटना के बारे में परिजनों को बताने पर दोनों बच्चों को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। घटना की शिकायत पर मुरादनगर पुलिस ने बच्चों के यौन शोषण के मामले में कुकर्म और दुष्कर्म दोनों धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। इसी आरोप में घटना के कुछ दिन बाद ही मोंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। लोक अभियोजक ने बताया कि इस बार मोंटी की ओर से अधिवक्ता ने शार्ट टर्म बेले देने की अर्जी लगाई थी। अर्जी में पिता के कैंसर से ग्रस्त होने का जिक्र किया गया था। उन्होंने बताया कि दो बच्चों के यौन अपराधों के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी गई। क्योंकि एडीजे कोर्ट में शार्ट टर्म बेल देने का प्रावधान ही नहीं है।

दिल्ली के 4 बड़े सरकारी अस्पतालों में हर माह 16 महिलाओं ने प्रसव के बाद दम तोड़ा : आरटीआई

नई दिल्ली । मातृ मृत्यु दर में कमी लाने की तमाम कोशिशों के बावजूद दिल्ली में केंद्र सरकार के अधीन आने वाले चार बड़े अस्पतालों में हर महीने औसतन 16 महिलाएं प्रसव के बाद दम तोड़ देती हैं। इन अस्पतालों ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत दायर अलग-अलग आवेदनों के जवाब में यह जानकारी उपलब्ध कराई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल), सफदरजंग अस्पताल और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से संबद्ध सुचेता कृपलानी अस्पताल में जनवरी 2015 से सितंबर 2021 के बीच 1,281 महिलाओं की शिशु के जन्म के बाद मौत हो गई।

सबसे ज्यादा खराब हालात सफदरजंग अस्पताल की है, जहां बीते 81 महीने में हर माह औसतन 11 से ज्यादा महिलाओं ने प्रसव के बाद जान गंवा दी। आरटीआई आवेदनों में पूछा गया था कि जनवरी 2015 से जुलाई 2021 के बीच इन अस्पतालों में कितने शिशुओं का जन्म हुआ, प्रसव के बाद कितनी महिलाओं ने दम तोड़ा और उनकी मौत की वजह क्या रही ? इसके जवाब में सफरदरजंग और सुचेता कृपलानी अस्पताल ने सितंबर 2021 तक की संख्या उपलब्ध कराई, जबकि बाकी दोनों अस्पतालों ने जुलाई 2021 तक के आंकड़े दिए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, इस अवधि में चारों अस्पतालों में 2.73 लाख से ज्यादा बच्चे पैदा हुए। सफदरजंग अस्पताल ने बताया कि जनवरी 2015 से सितंबर 2021 के बीच उसके यहां 1.68 लाख से ज्यादा बच्चों का जन्म हुआ और 943 महिलाओं ने प्रसव के बाद दम तोड़ा। हालांकि, उसने महिलाओं की मौत के कारण नहीं बताए। जानकारी के अनुसार, प्रसव के बाद सबसे कम मातृ मृत्यु दर एम्स में रही और वहां जनवरी 2015 से जुलाई 2021 के बीच 29 महिलाओं की शिशु के जन्म के बाद जान गई। आरटीआई से हासिल जानकारी के मुताबिक, आरएमएल में इस अवधि में 59, जबकि सुचेता कृपलानी अस्पताल में 250 महिलाओं की प्रसव के बाद मौत हुई। सफदरजंग को छोड़ बाकी तीनों अस्पतालों ने बताया कि जानलेवा संक्रमण, अत्यधिक रक्तस्राव, सेप्टिक स्ट्रोक, दिल का दौरा पड़ना और सिजेरियन प्रसव के बाद आंत सहित अन्य अंगों की क्रिया प्रभावित होना महिलाओं की मौत की मुख्य वजह था। इसके साथ ही लिवर की बीमारी, फेफड़ों की धमनियों में खून के थक्के जमने, रक्त की गंभीर कमी होने, खून में संक्रमण, श्वास संबंधी दिक्कतें उभरने, गर्भाशय के फटने, टीबी और कोविड से उपजी जटिलताओं के चलते भी कई महिलाओं की जान गई।

नई दिल्ली
सोमवार 11 अप्रैल 2022
Www.gauravshalibharat.com

संपादकीय

हिन्दी से क्यों परहेज कांग्रेस को

देश के आठ पूर्वोतर राज्यों के सभी स्कूलों के दसवीं कक्षा तक में पढ़ने वाले बच्चों को हिन्दी अनिवार्य रूप से पढ़ाने पर वहां के सभी राज्य सरकारें राजी हो गईं हैं ढ्ढ 22 हजार हिन्दी के अध्यापकों की भर्ती की जा रही है तथा नौ आदिवासी जातियों ने अपनी बोलियों की लिपि देवनागरी को स्वीकार कर लिया है। क्या इन जानकारियों में आपको कहीं हिन्दी को थोपने के संकेत मिलते हैं ? लेकिन, कांग्रेस तो कम से कम यही मानती है। कांग्रेस के नेता यह कहते हैं कि सरकार महंगाई तथा बेरोजगारी जैसे गंभीर मसलों पर बात करने की बजाय हिन्दी को गैर–हिन्दी भाषियों पर थोपने की चेष्टा कर रही है।

दरअसल विगत दिनों केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उपर्युक्त जानकारियां देश के साथ सांझा की थीं। उसके बाद कांग्रेस के नेता जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी मैदान में उतर आए। जयराम रमेश ने ज्ञान दिया कि 'हिन्दी राजभाषा है न कि राष्ट्रभाषा।' एक तरह से वे और उनके मित्र अभिषेक मनु सिंघवी हिन्दी के खिलाफ वक्तव्य देते हुए महात्मा गांधी, सरदार पटेल, भगत सिंह और नेताजी सुभाष चंद्र बोस का अपमान करने लगे। देश की ये सभी महान शख्सियतें गैर हिन्दी भाषी होने पर भी हिन्दी के प्रसार–प्रचार के लिए सक्रिय रहीं। ये सभी हिन्दी की ताकत को जानते थे। क्या कांग्रेस के इन नेताओं को इतना भी नहीं पता कि भगत सिंह तो हिन्दी के ही पत्रकार थे ? पंजाब से संबंध रखने वाले भगत सिंह की मातृभाषा हिन्दी नहीं थी। इसके बावजूद वे कानपुर में गणेश शंकर विद्यार्थी के कानपुर से छपने वाले अखबार 'प्रताप' में पत्रकार के रूप में काम करते रहे थे। प्रसिद्ध क्रांतिकारी शचींद्रनाथ सान्याल की सलाह पर भगत सिंह विद्यार्थी जी से मिले। वे 'प्रताप' में बलवंत सिंह के नाम से लिखते थे, जो खासतौर पर नौजवानों के बीच खासे लोकप्रिय थे। भगत सिंह पंजाबी पत्रिका किरती के लिए भी रिपोर्टिंग और लेखन कर रहे थे।

देखिए संविधान में बहुत सोच – विचार कर हिन्दी की स्वीकृति दी गई क्योंकि इसकी सर्वत्र राष्ट्र भाषा के रूप में मान्यता आज के 75 वर्ष पूर्व भी थी। जब अनुच्छेद 343 में देवनागरी में लिखी हिन्दी को सर्वसम्मति से मान्यता मिली तो वह 'राष्ट्रभाषा हिन्दी' ही मानी गई। बाद में चलकर 'कोई राजभाषा' 'कोई सरकारी भाषा' और 'कोई आधिकारिक भाषा' कहने लगा। सरदार पटेल ने दिनांक 13.10.1949 को अपने एक महत्वपूर्ण संदेश हिन्दी के लिए 'राष्ट्र भाषा' का प्रयोग ही किया है। जयराम रमेश यह याद रखें कि हिन्दी भारत के करोड़ों लोगों की प्राण और आत्मा है। हिन्दी प्रेम और सौहार्द की भाषा है। ये सबको जोड़ती है। इसका बार–बार अनादर करना बंद करें। वे जब हिन्दी को लेकर नकारात्मक टिप्पणी करते हैं तो वे हिन्दी भाषियों को निराश करते हैं।

उम्मीद के मुताबिक, अमित शाह की जानकारी के बाद तमिलनाडू में भी हिन्दी का राजनीतिक विरोध शुरू हो गया है। पर यह विरोध जमीन पर नहीं है। दक्षिणी राज्यों में अब हिन्दी का विरोध रत्तीभर भी नहीं रहा। तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन आज जो कह रहे हैं कि केन्द्र सरकार हिन्दी को गैर– हिन्दी भाषी राज्यों पर थोपने की कोशिश कर रही है, वे तब कुछ तो नहीं बोले थे जब तमिलभाषी एचसीएल टेक्नोलोजीस के खरबपति फाउंडर चेयरमेन शिव नाडार ने कुछ समय पहले एक स्कूल के कार्यक्रम में कहा था– हिन्दी पढ़ने वाले छात्रों को अपने करियर को चमकाने में लाभ ही मिलेगा। वे भारत के सबसे सफल कारोबारी माने जाते हैं और पूरे देश में लाखों पेशेवर उनकी कंपनी में काम करते हैं। हिन्दी का विरोध करने वालों को शिव नाडार जैसे सफल उद्यमी से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने 1960 के दशक में तमिलनाडू में हुए हिन्दी विरोधी आंदोलन को स्वयं देखा था।

बहरहाल, तमिलनाडू को लेकर यह कहना होगा कि वहां पर हिन्दी फिल्मों को देखने के लिए जनता जिस तरह से सिनेमा घरों में उमड़ती है, वहां के सियासी नेता पर हिन्दी विरोध की बातें करना नासमझी ही माना जाएगा। जिस तमिलनाडू के नेता हिन्दी का विरोध करते हैं, वहां पर आयुष्मान खुराना, रणवीर सिंह, आमिर खान और अक्षय कुमार की फिल्में खूब देखी जाती हैं।

महात्मा गांधी से ज्यादा इस देश को कोई नहीं जान–समझ सकता। गांधीजी का विचार था कि दक्षिण भारत में हिन्दी का प्रचार– प्रसार जरूरी है। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद अपनी आत्मकथा में लिखते हैं कि जब वे पेशावर और उसके आसपास जाकर जनता के बीच में अपनी बात रखते हैं तो वे अपनी हिन्दी में उर्दू तथा अरबी के कुछ शब्दों को जोड़ लेते हैं।

वैश्विक कट्टरवाद बनाम वैश्विक शांति, हमें आतंकवाद से छुटकारा क्यों नहीं मिल रहा है?

तरुण कुमार

कई धार्मिक कट्टरपंथी समय–समय पर खड़े होते रहे हैं। और अपने स्वयं के हितों को साधने के लिए, कई देश भी इन कट्टरपंथी समूहों का समर्थन पहले भी करते रहे हैं और आज भी कर रहे है, जैसे कि अमेरिका ने तालिबान और अलकायदा को खड़ा किया शीत युद्ध के समय, यूरोप के कुछ देश जैसे फ्रांस और यूके ने अफ्रीका में बोको हराम का समर्थन किया। और आज दुनिया में स्थिति ऐसी हो गई है कि कट्टरपंथियों का समूह न केवल कट्टरवाद और आतंकवाद की मदद से पूरी दुनिया में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। बल्कि, कट्टरपंथी शासन स्थापित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। और हाल ही में जिस तरह से अचानक अमेरिका ने अफगानिस्तान से हाथ खींच लिया, उसका नतीजा यह हुआ कि आज फिर से अफगानिस्तान तालिबान के कब्जे में आ गया और वहां तालिबान उस दिशा में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है, जहां एक कट्टरपंथी शासन की स्थापना की जा सके। कट्टरपंथियों ने कट्टरवाद को फैलाने और जनता को आकर्षित करने के लिए प्रमाणीकरण और पुनर्स्थापन के वादे के साथ एक तरह की मनोवैज्ञानिक अपील करते है. मनोवैज्ञानिक रूप से अपील करने के लिए, कट्टरपंथी धर्म की चयनात्मक व्याख्या की मदद लेते हैं। जिससे लोगों का विरोध करना काफी मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा, कट्टरपंथी पुनर्स्थापन प्राप्त करने के लिए एक व्यापक और निरंकुश कठोर प्रणाली का पालन करते हैं। और लोगों को पुरोत्सहित करते है, अत्यदिक पर्तिबध होने के लिए। अत्यदिक पर्तिबध के बढावे के कारण कट्टरपंथी समर्थको और गैर समर्थको के बीच एक घरी वैचारिक खाई बन जाती है। जिसके परिणाम में कट्टरपंथी शासन व्यवस्था में गैर समर्थको को उनके मूल अधिकारों से वंचित रखा जाता है। जो कि चरमपंथ और आतंकवाद को फलने–फूलने में मदद करता है। जो कि मानवता और शांति के खिलाफ एक दुष्चक्र को जन्म देता है। दुनिया के सामने चरमपंथ, आतंकवाद और विस्तारवाद आज के समय में एक मुख्य समस्या के रूप में उभर कर खड़ी हो चुकी है। क्युकि कट्टरपंथी विचारधारा के समर्थक चरमपंथ और आतंकवाद को यह कह कर उचित ठहराते है यह एक holy war है। जिस वजह से कुछ मतभेदो के बावजूद भी कट्टरपंथी गुट एक दुसरे कि गतिविधियों से प्रभावित होते है। जिसका उल्लेख samuel huntington ने भी अपनी पुस्तक clash of civilisation में विस्तार से किया है। और जब हम इतिहास के पनो को पलट कर देखते है तोह कुछ ऐसा हि हमे देखने को मिलता है। उधारण के रूप में अगर देखे तोह अल–कायदा ने अपनी सभी आतंकवादी गतिविधियों holy war का नाम दिया और 2003 में जब सद्दाम हुसैन का तख्तापलट करने के लिए Anti iraq coalition को बनाया, जिसको आधिकतर कट्टरपंथी गुटों और मुस्लिम देशों ने पश्चिमी साम्राज्यवाद के रूप में देखा जिसका परिणाम यह हुआ कि 2003 में सद्दाम हुसैन के पक्ष में मोरोंको से चीन तक रैलीयां हुई जिनमे सद्दाम हुसैन को एक मुस्लिम हीरो के रूप में पेश किया गया। हलाकि शासन परिवर्तन और छद्म युद्धों के माध्यम से मुस्लिम देशों में अमेरिकी हस्तक्षेप ने दुनिया में नए संघर्षों को जन्म दिया जिसको हम पुस्तक के अगले भाग में समझ सकते है। दुनिया विभिन भागो में आज के समय में हम देख सकते है कैसे इन कट्टरपंथी गुटों कि ताकत बढ़ रही है और कई जगह तोह इनके नियंत्रण में क्षेत्र भी बढ़ता जा रहा है जैसे कि अफ्रीका में बोको हराम और अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान लगातार विस्तार कर रहे है. इसका मुख्यरूप से सिर्फ एक मात्र कारण यह है कि जब भी कोई कट्टरपंथी गुटों किसी तरह कि आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देता है और सत्ता पाने में कामयाब हो जाते है तोह ये फिर बढे पैमाने पर युवाओ का radicalisation (कट्टरपंथी बनाना) करने का काम करते है जो दुनियाभर के तमाम कट्टरपंथी संगठनों का होसला बढाता है। और इस दूरगामी प्रभाव (Domino effect) कि वजह से चरमपंथ और आतंकवाद पर अंकुश लगाना दुनिया के लिए एक बढ़ी समस्य बन गई है। साथ हि साथ आज के समय में कट्टरपंथी संगठन इस स्तर पर है कि उनकी राजनीतिक भागीदारी भी दुनिया के बहुत से हिसो में है जिसके माध्यम से कई देश अपने हितो को साधते है। और जिसकी कीमत मानवता और विश्व शांति के रूप में पूरी दुनिया को चुकानी पढ़ती है। चरमपंथ और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता ना होने के कारण समय के साथ कट्टरपंथी संगठनों का प्रभाव बढ़ता जाता है। उधारण के रूप में अगर हम देखे, अफ़ग़ान–सोवियत युद्ध में अफ़ग़ान मुजाहिदीन जो आगे चल कर तालिबान बन गया उसकी मदद उस समय में अमेरिका ने कि ताकि सोवियत संघ अफ़ग़ानिस्तान में अपना वर्चासव ना खड़ा कर ले। ऐसा हि कुछ हमे भारत में देखने को मिलता है। भारत में आतंकवाद के माध्यम से अराजकता को फ़ैलाने के लिए पाकिस्तान हक्कानी नेटवर्क, जैस–ए–मुहम्मद, लश्कर–ए–तैयबा जैसे आतंकवादी संगठनों कि मदद करता है। ना सिर्फ इतना हि कुछ देश दुसरे देशो में भी कट्टरपंथी संगठनों को पनपने में भी मदद करते है ताकि वो उस देश कि विदेश नीति पर असर डाल सके। इसको समझने के लिए एक नज़र हम बांग्लादेश पर अगर डाले, तो हमे देखने को मिलता है किस तरह से बंगलादेशी अल्प्संखयकों पर लगातार हमले होते है. पाकिस्तान कि मदद से बांग्लादेश में स्थापित कट्टरपंथी संगठन जमात–ए–इस्लामी अल्प्संखयकों पर हमले कि गतिविधियों को अंजाम देता रहा है. इस हि साल के अक्टूबर महीने में माँ दुर्गा पूजा के पर्व पर जमात–ए–इस्लामी गुट ने बांग्लादेश के कुमिल्ला नामक शहर में माँ दुर्गा पूजा के लिए लगे पंडालो कि तोड़फोड़ कि अब सवाल यह उठता है कि इस तरह कि घटनाओ से विदेश नीति पर असर कैसे पढता है ? इस तरह घटनाओ को अंजाम दिलवा कर पाकिस्तान, भारत और बांग्लादेश के बीच भविष्य में होने वाले विकासात्मक और आर्थिक समझौतो को पटरी से उतरने का प्रयास करता है जैसे कि जल्दी हि भारत और बांग्लादेश एक आर्थिक समझौत करने वाले जिससे भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाला द्विपक्षीय व्यापार लगभग 9 बिलियन से बढ़ कर .15 बिलियन के पार जा सकता है। इसी के साथ साथ ये कट्टरपंथी संगठन जातिय संहार को भी अंजाम देते है जिसकी पुष्टि इस बात से होती है7 2001 में, खालिदा जिया के नेतृत्व में बीएनपी की चुनाव में जीत के बाद, उनके समर्थकों ने लगभग 150 दिनों तक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का एक व्यवस्थित अभियान चलाया था। और बांग्लादेशी अल्पसंख्यक समुदायों को एक व्यवस्थित जातीय संहार कि पुष्टि संयुक्त राष्ट्र (Office of the United Nations High Commissioner for Human Rights) 2017 कि रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों कि जनसंख्या 1951 में 23 प्रतिशत से घट 9 प्रतिशत पर आ गई है। भविष्य में यह समस्या और भी विकट होने वाली है इस बात अनुमान ढाका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ अबुल बरकत कि 2016 रिपोर्ट से लगाया जा सकता है. डॉ अबुल बरकत अपनी रिपोर्ट में लिखते है कि अगर बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों का निष्क्रमण इसी रफ़्तार से चलता रहा तो आने वाले 30 साल में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक(मुख्यता हिन्दू) ना के बराबर रह जाएगे7 दुनियाभर में कट्टरपंथी संगठनों के निशाने पर अक्सर अल्पसंख्यक, धार्मिक अल्पसंख्यक और प्रवासी रहते है जिस वजह से विवादित क्षेत्रों भारी सख्या में लोग प्रवास करना शुरू करते हैं जिस के परिणाम में परिणामस्वरूप सीमावर्ती देश शरणार्थी संकट का सामना करते हैं जिसके परिणामस्वरूप सीमावर्ती देश शरणार्थी संकट का सामना करते हैं जैसे कि म्यांमार में रोहिंग्या संकट ने म्यांमार,बांग्लादेश और भारत को ना सिर्फ परभावित किया बल्कि तीनो देशो को आमने–सामने खड़ा कर दिया , ऐसा कि हमे यूरोप में मध्य पूर्व के देशों से लोगों के प्रवास देखने को मिलता है यूरोप के बहुत से हिस्सों में तो जनसांख्यिकीय परिवर्तन भी देखने को मिल रहे मुख्य रूप से सीरियाई संकट के कारण यह कट्टरवाद और चरमपंथ के विषाक्त प्रभाव को दिखाता है और कई समस्याओं का एक दुष्चक्र बनाता है।

आतंकवाद और शरणार्थी संकट जुड़े होने कि वजह से पिछले एक दशक में विश्व में शरणार्थी संकट अधिक तीव्र हुआ है जिसको हम नीचे दिए गए ग्राफ़ो से समझ सकते है कैसे आतंकवाद बढ़ने से शरणार्थी संकट भी समानांतर बड़ा है। कट्टरवाद के बढ़ते प्रभाव को समझने के लिए अगर हम दो कट्टरपंथी संगठन आईएसआईएस और बोको हराम का आकलन करे तो हम आसानी से कट्टरपंथी संगठनो की व्यापकता को समझ सकते है। विश्व में आतंकवाद और उग्रवाद के कारण होने वाली कुल मौतों में से 51 प्रतिशत मौते प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आईएसआईएस और बोको हराम की आतंकवादी गतिविधियों के कारण हुई हैं। पश्चिमी अफ़्रीका में स्थित इस्लामिक स्टेट का औपचारिक नाम जमात–ए एहले सुन्नी लिदावती वल जिहाद है, आमतौर पर इसे बोको हराम के नाम से जाना जाने वाला एक जिहादी संगठन है। बोको हराम नाइजीरिया के साथ साथ चाड, नाइजीरिया और उत्तरी कैमरून में भी सक्रीय है, जो कि बोको हराम कि व्यापकता को दर्शा रहा है। 1990 के दशक के अंत में लोकतंत्रीकरण की लहर अपने चरम पर थी। और एक लोकतांत्रिक ढांचे के लिए सबसे पहली बात जो दिमाग में आती है वह यह है कि देश का संविधान क्या होगा। संविधान की अवधारणा को बोको हराम के संस्थापक मोहम्मद युसूफ द्वारा नाइजीरिया के पश्चिमीकरण के रूप में लोगों के सामने प्रस्तुत किया। और बोको हराम ने मांग राखी कि नाइजीरिया में बोर्नु साम्राज्य कि तरह शासन होना चाहिये, जिसका आधार था शरीयत कानून. 2009 में मोहम्मद युसूफ कि मौत के बाद युवाओ को कट्टरपंथ की ओर संगठित करने कम होने लगा और फिर बोको हराम आतंकवादी गतिविधियो में सक्रीय हो गया। जिस वजह से जो देश अफ्रीका का सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप खड़ा हो कर, पुरे अफ्रीकी महाद्वीप को प्रगति कि राह दिखा सकता था। परन्तु कटरवाद का शिकार बनने के कारण 2019 के आंकड़ो के हिसाब से नेशनल ब्यूरो ऑफ़ स्टैटिस्टिक्स के अनुसार, 82 मिलियन से अधिक नाइजीरियाई एक दिन में .1 से कम पर रहते हैं। ㅤनाइजीरिया में, कुल आबादी का 40.1 प्रतिशत गरीब के रूप में वर्गीकृत किया गया था। दूसरे शब्दों में, नाइजीरिया में औसतन दस में से चार व्यक्तियों का वास्तविक प्रति व्यक्ति व्यय (REAL PER CAPITA EXPENDITURES) 137,430 नायरा (352 डॉलर) प्रति वर्ष से कम है। सांख्यिकी कार्यालय ने कहा कि इसमें बोर्नो को शामिल नहीं किया गया है, जो दशकों से चले आ रहे बोको हराम सशस्त्र विद्रोह से सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य है, क्योंकि वहां के कई इलाकों तक पहुंचना सुरक्षित नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, बोर्नो और हमलों से प्रभावित दो पड़ोसी राज्यों में कुल लगभग आठ मिलियन लोगों को मानवीय सहायता की आवश्यकता है। सांख्यिकी कार्यालय ने कहा कि देश के शहरी हिस्सों में 18 प्रतिशत की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में 52 प्रतिशत लोग गरीबी में रहते हैं। कुछ इसी तरह के हालत हमे मध्य पूर्व और दुनिया में जहा भी आतंकवाद और उग्रवाद का परभाव होता है।

इस तथ्य के बावजूद, कि मानवता की मृत्यु की कीमत पर आतंकवाद फल–फूल रहा है। तो सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आतंकवाद को खत्म करने के लिए देश एक साथ क्यों नहीं आ रहे हैं ? इस प्रश्न का उत्तर सभी आतंकवादी समूहों पर लागू होता है। और उत्तर यह है कि दुनिया के विकसित देशों का रवैया अवचनबद्ध रहता है। उधारण के तोर पर, बोको हराम के विरोध चल रही लड़ाई पर, नाइजीरिया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. जे. तोचुकवु ओमेनमा कहते है कि फ्रांस के आर्थिक हित होने कि वजह से, जैसे कि चाड झील के पास से तेल और यूरेनियम का निष्कर्षण करने के लिए फ्रांस बोको हराम के विरोध में खुल कर सामने नहीं आता। इसी तरह के हित बहुत से विकसित देशो के अलग–अलग कट्टरपंथी संगठनो के साथ होने के कारण, वो देश इनके साथ खड़े होते है और कट्टरपंथी संगठनो को फल–फूलने के लिए आर्थिक मदद भी करते है जिससे नतीजतन कट्टरपंथी संगठनो कि व्यापकता बढती ररहती है और मानवता शर्मसार होती है।

सावधान जल के लिए अगला विश्व युद्ध होने की सम्भावना

आदिकाल में जब श्रृष्टि का श्रृजन हुआ तभी से प्रकृति में जल का महत्वपूर्ण स्थान है ।इस बात से हम भली भांति वाकिब है ।मानव अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भौतिक विकास के अंधी दौड़ में इतना पागल हो गया है कि उन्होंने प्रर्यावरण तक को नही छोड़ा है। खुराफाती मानव अपनी नीजि स्वार्थ सिद्धि व भौतिकवादी विकास के नाम पर अन्धाधुंध हरे –भरे जंगलों की कटाई,विशालकाय गगन चुम्बी कंकरीट के जंगलों का निर्माण कर रहा है ।जंगल की रातों रात अवैध कटाई से आज प्रकृति का मिज़ाज व संतुलन बिगड़ गया है ।परिणाम स्वरूप प्रकृति की संतुलन चक्र विगड़ने के कारण मानव को प्राकृतिक प्रकोप के रूप में बाढ सुखाढ़ भुकंप ,महामारी का समाना करना पड़ रहा है ।वैश्विक महामारी कोरोना इसका ताजा उदाहरण है ।बिन बुलायें मेहमान की तरह नित्य नवीन नये अवतार के रूप नये वेरियंट्स आ रहे है। सम्पूर्ण विश्व आज कोरोना के देश से कहारा रहा है।

विश्व के मान चित्र पर गौर करें तो पता चलता है दो तिहाई भाग जल व एक तिहाई भु भाग पर आबादी है। जब इस श्रृष्टि कर्ता ने संसार का निर्माण किया होगा तभी उन्होंने जल के महत्वपूर्ण भूमिका भी निंधारित कर दी होगी। अर्थात मानव जीवन ही वरन सम्पूर्ण श्रृष्टि जल के बिना अधुरा ही नही असंभव है ।जल बिन सारा जग सुना ।जहाँ जल है वही जीवन की कल्पना की जा सकती है ।यह हम नही बल्कि हमारे वैज्ञानिक भी इस बात को सत्य मानते है ।विश्व के वैज्ञानिक की खुशी का ठिकाना इस बात का सबसे पुख्ता सबुत है–चाँद की सतह पर पानी होने की साक्ष्य मिले थें तभी तो कहा गया जहाँ जल है वहाँ जीवन की अन्नत सम्भावना होती है

ऋतुराज के विदाई के साथ ग्रीष्म ऋतु के आगमन का शुभ संकेत की बानगी देखने को मिल गई है। परिणाम स्वरूप इन दिनो भगवान भुवन भास्कर सूर्य देव की टेड़ी नजर दिल्ली / एन सी आर वासियों पर पड़ रही है ।सूर्य की उष्मा व प्रचण्ड गर्मी ने दिल्ली बासियों को कोप भाजन बनाना आरम्भ कर दिया है। ताप मान के बढते रिकार्ड व विगत सालों के टुटते रिकार्ड इस बात की ओर इंगित कर रहा है ।इस वर्ष भी जल संकट होने वाला है। हमारे भु वैज्ञानिकों का मानना है कि बढ़ती गर्मी में पीने योग्य जल के लिए अभी सें संघर्ष चालू हो गया है हालाकि राहत की बात यह कि दिल्ली की वर्तमान केजरीवाल सरकार ने दिल्ली वासियों को मुफ्त जल मुहैया करावा रही है। लेकिन देश की कई हिस्सों में पीने योग्य पानी के लिए त्राहि मान हो रहा है।

ऐसी विषम परिस्थितियों में भी बुद्धिजीवीयों में यह अवधारणा बनी हुई है कि हमारे पास जल का आपार भंडार है ।लेकिन उनके इस अवधारणा के पीछे एक भयावह सत्य को स्वीकार करना होगा कि जल संकट तथा उसके कारण जन्में दुष्परिणामों की लम्बी श्रृंखला हैं ।बुद्धिजीवीयों ने सिर्फ जल संकट की यथा स्थिति को आंखों के सामने रख कर यह अवधारणा बना रखी है ।समाज व राष्ट्र के प्रति प्रत्येक जिम्मेदार नागरिकों को जल की यथा स्थिति और जल समस्या से जुड़े सभी पहलुओं पर चर्चा व चिन्तन की आवश्यकता है ।मानव जाति को जल समस्या से मुक्त करने में अपना योगदान दे ।यह देश और दुनिया के हित में अति महत्व पूर्ण निर्णय होगा और सम्पूर्ण मानव जाति इस निर्णय का सम्मान करेगी।

यह बात शत प्रतिशत सत्य है कि प्रकृति ने हम सभी को हवा पानी उपाहार स्वरूप भेट दिया है ।जल प्राकृतिक सम्पदा हैं ।प्रकृति ने इस श्रृष्टि में निष्पक्ष रह कर अमृत रुपी जल को समस्त प्राणियों तक पहुंचा कर अपनी जिम्मेवारी का निर्वाहन किया है ।

पड़ोसी देश के पीएम द्वारा भारत की भरपूर प्रशंसा!!!

पड़ोसी मुल्क से रिश्ते ख़राब होने के बावजूद सियासी संकट के चलते वहां के पीएम द्वारा भारत की पुरजोर तारीफ़!!! - अविश्वास प्रस्ताव में पीएम हारे!!!

भारत ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय स्तरपर वसुधैव कुटुंम्बकम् की अवधारणा पर बल दिया - आज भारत का दुश्मन देशों में भी रुतबा!!! - एड किशन भावनानी

भारत एक भिन्न–भिन्न भाषाओं, जातियों, धर्मों, संस्कृतियों वाला अनेकता में एकता का ऐसा खूबसूरत गुलदस्ता है क्योंकि जिसकी जड़ें ही हजारों वर्ष पूर्व आदि अनादि काल से प्यार मोहब्बत, पारिवारिक संस्कृति के ही सिंचित बीज बोए गए हों, जिसकी जड़ें इतनी मज़बूत और पीढ़ियों रूपी शाखाएं ऐसी खूबसूरत प्रेम वात्सल्य रूप से महक से भरी हो कि परायों को भी अपना कर देते हैं यहां तक कि दुश्मनों को भी आखरि अपनी तारीफ़ करने पर मज़बूर कर देते हैं!!! ऐसी हैं भारत की जड़ें और उसकी शाखाएं रूपी पीढ़ियां!!! जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण है कि आज हमारे पड़ोसी मुल्क से रिश्ते बहुत ख़राब होने के बावजूद उनके पीएम हमारी तारीफों के पुल बांध रहे हैं!!!

साथियों बात अगर हम पड़ोसी मुल्क के पीएम द्वारा भारत की तारीफों के पुल बांधने की करें तो शायद यह पहली बार होगा कि किसी सिटिंग पीएम ने अपनी कुर्सी से राष्ट्रीय संबोधन और अपने संसदीय क्षेत्र की सभा के संबोधन में भारत की विदेश नीति की तारीफ की हो!!! हालांकि सब जानते हैं कि सच्चाई कड़वी होती है, इसलिए विपक्ष ने पीएम पर, इस तारीफ़ पर जमकर शाब्दिक हमला किया है और उन्हें भारत जाने की सलाह तक दे डाली है!!!

साथियों बात अगर हम पड़ोसी मुल्क के पीएम द्वारा भारत की भरपूर प्रशंसा की करें तो मीडिया और टीवी चैनलो में हमने देखे कि वह कह रहे हैं कि, मैं अपने पड़ोसी देश की प्रशंसा करता हूं क्योंकि उनकी हमेशा स्वतंत्र विदेश नीति रही है। आज भारत उनके (अमेरिका) गठबंधन में है और क्वाड (चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता) का हिस्सा है। वे कहते हैं कि तटस्थ हैं। वे प्रतिबंधों के बावजूद रूस से तेल आयात कर रहे हैं। क्योंकि उनकी नीति लोगों की भलाई के लिए है। उन्होंने कहा कि मैं किसी के सामने नहीं झुका और न ही अपने देश को झुकने दूंगा।

उन्होंने भारत के लिए कहा कि, कोई भी महाशक्ति भारत को उसके हितों के खिलाफ़ कुछ भी करने के लिए मज़बूर नहीं कर सकती। भारत प्रतिबंधों के बावजूद रूस से तेल खरीद रहा है। कोई भी भारत को हुक्म नहीं दे सकता है। यूरोपीय संघ के राजदूतों ने यहां जो कहा, क्या वे भारत को भी कह सकते हैं ? वे इसलिए ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि भारत एक संप्रभु राष्ट्र है।

वहीं, पड़ोसी देश में चल रही राजनीतिक अस्थिरता के बीच वहां के पीएम कई मौकों पर भारत के मुरीद हो चुके हैं। शुक्रवार को कई अखबारों के पन्नों में–30 मिनट में उन्होंने तीन बार भारत का जिक्र किया, जैसे शीर्षक छापे गए। उन्होंने शुक्रवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए भारत की तारीफ की, उन्होंने कहा कि भारत एक खुद्दार देश है और कोई सुपर पॉवर उन्हें आंख नहीं दिखा सकता, उनपर अपनी मर्जी नहीं चला सकता। उन्होंने अभी पड़ोसी देश के एक टीवी चैनल को दिए

इंटरव्यू में भी 30 मिनट के अंदर सात बार भारत का नाम लिया और भारत की तारिफ की।

इसी पड़ोसी देश के पीएम ने इसके पहले भी हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा के एक जिले में जनसभा के दौरान भी भारत की तारीफ की थी, उन्होंने कहा था, वह पड़ोसी देश भारत की तारीफ करेंगे क्योंकि उसके पास अपनी एक विदेश नीति रही है। कहा कि, भारत क्वाड समूह का हिस्सा है और उसने अमेरिकी पाबंदियों के बावजूद रूस से कच्चा तेल आयात किया। पड़ोसी देश में चल रहे सियासी संकट के बीच वहां के पीएम द्वारा अपने भाषण में भारत की तारीफ करने पर अब नया घमासान शुरू हो गया है

पड़ोसी देश की भविष्य करोड़ जनसंख्या की संसद में 342 सांसद हैं। यहां के पीएम को सदन में बहुमत साबित करने के लिए 172 सदस्यों की जरूरत पड़ेगी जो उनके पास नहीं है। पीएम नें अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले शुक्रवार रात देश के नाम अपने संबोधन में कहा था कि वह भारत के खिलाफ नहीं हैं और पड़ोसी देश में उनके कई प्रशंसक हैं।

पड़ोसी मुल्क की संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग हो चुकी है। पीएम के खिलाफ 174 वोट डाले गए उनकी सरकार गिर चुकी है। पीएम का विकेट डाउन!

पड़ोसी मुल्क मीडिया के हवाले सेऔर मध्यरात्रि टीवी चैनलों पर दिखाए गए समाचार के अनुसार खबर है कि पड़ोसी देश के पीएम नें हाउस छोड़ दिया है. वो अपना पूरा सामान लेकर सरकारी आवास छोड़ कर गए हैं।

साथियों बात अगर हम भारत के पड़ोसी देशों के साथ संबंधों की करें तो, पड़ोसी देशों के साथ संबंध भारत की विदेश नीति का केन्द्रीय तत्व रहा है। हमारा मानना है कि शांतिपूर्ण परिवेश से हमें विकास के अनिवार्य कार्यों पर ध्यान केन्द्रित करने में मदद मिलेगी। यह भी स्पष्ट है कि एक स्थिर एवं समृद्ध दक्षिण एशिया से भारत की समृद्धि में भी योगदान मिलेगा।

भारत न सिर्फ द्विपक्षीय तौर पर बल्कि सार्क तंत्र के ज़रिए भी मैत्री के क्षेत्रों को मजबूत बनाने और अपने पड़ोसी देशों की सुरक्षा और हित कल्याण को बढ़ावा देने के लिए आगे बढ़कर कार्य करने के लिए तैयार है। हमारा यह भी मानना है कि इस नजरिए से हम पड़ोसी देशों को अपनी–अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए व्यापक रूपरेखा उपलब्ध होगी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पड़ोसी देश के पीएम द्वारा भारत की भरपूर प्रशंसा!!!पड़ोसी मुल्क से रिश्ते ख़राब होने के बावजूद सियासी संकट के चलते वहां के पीएम द्वारा भारत की पुरजोर प्रशंसा की है!!! अविश्वास प्रस्ताव में पीएम हारे!!!भारत ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय स्तरपर वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा पर बल दिया है आज भारत का दुश्मन देशों में भी रुतबा है!!!

रात के भोजन और सोने का समय निश्चित होना चाहिए

टॉकिंग पॉइंट्स / नरविजय यादव

नींद न आने और डाइबिटीज के बीच रिश्ता गहरा है, यह बात एक हालिया शोध से सामने आई है। अनिद्रा की शिकायत वाले लोगों को टाइप 2 डाइबिटीज होने का अंदेशा रहता है। यह बात ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च में पता चली है। इस शोध में ब्रिटेन के करीब चार लाख लोगों के नींद संबंधी मेडिकल केस बारीकी से जांचे गए। किसी को नींद नहीं आती, और कोई सोता ही नहीं। पैसा बढ़ने पर तरह तरह के शगल भी बढ़ते हैं। चाय, कॉफी, धूम्रपान, मदिरा, फोन, कंप्यूटर, फिल्मों और पार्टी आदि के चक्कर में ठीकठाक आमदनी वाले लोगों की सोने की आदतों में बदलाव आता है और वे सात से कम घंटे की नींद लेते हैं। अमेरिकी लोग इस मामले में बाकियों से अलग हैं। वहां नींद की बड़ी समस्या है और अमेरिकी लोग अच्छी नींद लाने में सहायक गैजेट्स पर पैसा खर्च करने लगे हैं। ग्लोबल मार्केट इनसाइट्स की एक रिपोर्ट की मानें तो कोविड के पहले साल में दुनिया में नींद लाने में सहायक उपकरणों की बिक्री 94,000 करोड़ रुपए से अधिक रही। 2025 तक बिक्री का यह आंकड़ा तीन गुना तक होने का अनुमान है। एक स्वस्थ व्यक्ति को प्रतिदिन कितने घंटे की नींद लेनी चाहिए, इस बारे में एक सीधा फॉर्मूला तो यह है कि जागने के बाद यदि आप थकान महसूस करते हैं तो इसका मतलब है कि आपको थोड़ा और सोना चाहिए। अमेरिका के सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन के अनुसार, एक वयस्क व्यक्ति को दिन में कम से कम 7 और अधिक से अधिक 9 घंटे की नींद चाहिए होती है। यदि 7 घंटे सोने के बाद आपके शरीर में दिन भर चुस्ती–फुर्ती बनी रहती है, तो इतनी नींद आपके लिए पर्याप्त है। लेकिन यदि आप दिन में थकान और सुस्ती महसूस करते हैं, तो इसका मतलब है कि आपको थोड़ी देर और सोना चाहिए। ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी की रिसर्च से यह तथ्य भी सामने आया कि एक निश्चित समय पर सोने जागने से अनिद्रा की समस्या में कमी आती है। देर रात भोजन करने की आदत भी त्यागनी चाहिए। साथ ही, जो लोग योग और व्यायाम को अपने जीवन का हिस्सा बना लेते हैं, उन्हें अनिद्रा की समस्या से राहत मिलती है। यदि फिर भी अनिद्रा की शिकायत बनी रहे तो चिकित्सक से परामर्श लेने की जरूरत है। कम नींद लेने से ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। ऐसे लोगों को दिल का दौरा पड़ने की आशंका 20 प्रतिशत अधिक रहती है। इन्हें मोटापा भी घेर सकता है। दरअसल, नींद हॉर्मोन संतुलन का काम करती है, जिससे शरीर का विकास और दिमागी चुस्ती बनी रहती है। अच्छी नींद लेने से कार्यक्षमता बढ़ती है। इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्युनिटी बढ़ती है और वजन कंट्रोल में रहता है। पर्याप्त नींद लेने से दिल के रोग और मधुमेह जैसे रोग दूर रहते हैं। पुर्तगाल के नामी फुटबाल खिलाड़ी क्रिस्टयानो रोनाल्डो के बारे में मशहूर है कि वे कभी आम लोगों की तरह आठ घंटे की नींद नहीं लेते। इसके विपरीत वे डेढ़–डेढ़ घंटे के लिए दिन में पांच बार सोते हैं। उनका यह रूटीन तब से चला आ रहा है, जब वह मैनचेस्टर यूनाइटेड से खेला करते थे। लंच के बाद 40 मिनट की पॉवर नैप भी उनकी दिनचर्या का हिस्सा है।

शार्ट न्यूज

नकली नोट समेत दो जालसाज गिरफ्तार

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में सोनहा थाने की पुलिस ने नकली नोट का धंधा करने वाले दो जालसाजों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 52 हजार 400 रूपये की जाली करेंसी बरामद की। पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव ने रविवार को बताया कि पुलिस ने नरखोरिया बाजार से जाली नोट का धंधा करने वाले दो जालसाजों आभास कुमार उर्फ सर्वेंद्र निवासी परसा कुतुब तथा जितेंद्र कुमार सोनी निवासी खैरा को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से जाली नोट की करेंसी 52400 रूपये, एक लैपटॉप, एक स्कैनर, एक पेपर कटर समेत अन्य सामग्री और अर्ध निर्मित नोट बरामद किया गया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध 489ए, 489बी, 489सी 489डी के तहत मुकदमा दर्ज करके जेल भेज दिया है। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे गूगल से नोट की डिजाइन डाउनलोड करके कोरल ड्रा में फाइनल करके प्रिंट करते हैं और फिर बाजारों में नकली नोट को चलाते है।

मुख्तार की मां के नाम दर्ज 3.5 करोड़ की बेनामी सम्पत्ति कुर्क

गाजीपुर। माफिया डान और पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की मां के नाम दर्ज करीब साढ़े तीन करोड़ रूपये की बेनामी संपत्ति रविवार को स्थानीय प्रशासन ने कुर्क कर ली। सदर सीओ ओजस्वी चावला ने बताया कि जिलाधिकारी एमपी सिंह द्वारा पुलिस की आख्या पर गैंगेस्टर एक्ट की धारा 14 (1) के अंतर्गत आईएस 191 गैंग के लीडर मुख्तार अंसारी की बेनामी सम्पत्ति (प्लाट), जो उनकी माता राबिया खातून के नाम पर दर्ज है, शहर के महुआबाग स्थित शुभ्रा काम्पलेक्स के सामने स्थित है, उक्त भूमि को आज कुर्क करने की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि इस प्लाट का क्षेत्र लगभग 1111 वर्ग मीटर है जिसकी बाजार में कीमत लगभग तीन करोड़ 50 लाख रूपये आंकी गयी है। कार्रवाई के दौरान सदर एसडीएम अनिरुद्ध सिंह, तहसीलदार अभिषेक राय, कोतवाल विमलेश मौर्य सहित भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रही। प्रशासन द्वारा आएदिन माफिया डाल मुख्तार अंसारी सहित उनके नाते-रिश्तेदारों के साथ ही करीबियों पर प्रशासन का शिकंजा कसने से हड़कंप मचा हुआ है।

स्वामी हरिनारायणानन्द के ब्रह्मलीन होने पर योगी दुखी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत साधु समाज के महामंत्री एवं देश के वरिष्ठ संत स्वामी हरिनारायणानन्द जी के ब्रह्मलीन होने पर गहरा शोक व्यक्त किया है। योगी ने रविवार को अपने शोक संदेश में कहा कि स्वामी हरिनारायणानन्द का निधन संत समाज और सनातन धर्मावलम्बियों के लिए अपूरणीय क्षति है। बिहार सांस्कृतिक विद्यापीठ आश्रम, पटना के स्वामी हरिनारायणानन्द ने सात दशक से अधिक समय तक सनातन धर्म एवं संत समाज की सेवा की और उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा स्वामी हरिनारायणानन्द जी के अस्वस्थ होने पर पटना में मुझे उनका कुशलक्षेम जानने का अवसर प्राप्त हुआ था। आज श्रीरामनवमी की पावन तिथि पर वे अपने भौतिक शरीर को त्याग कर श्रीराम के परमधाम को प्रस्थान कर गए। स्वामी जी भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं किन्तु उनकी स्मृतियां भारत साधु समाज द्वारा किए उल्लेखनीय कार्यों के माध्यम से सबके साथ रहेंगी। मुख्यमंत्री ने प्रभु श्रीराम से दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की कामना करते हुए स्वामी हरिनारायणानन्द जी के सभी अनुयायियों, भक्तों एवं श्रद्धालुओं के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

गोरखनाथ मंदिर अटैक : एटीएस के हेड ऑफिस में दूसरे दिन भी पेश नहीं हुए मुर्तजा के चाचा

गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर में तैनात सुरक्षाकर्मियों पर हमले के आरोपित अहमद मुर्तजा अब्बासी के चाचा डॉ. खालिद अहमद अब्बासी दूसरे दिन भी एटीएस के हेड ऑफिस, लखनऊ में पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। हालांकि, वह लगातार दूसरे दिन गोरखपुर स्थित एटीएस कार्यालय गए पर यहां उनका बयान नहीं दर्ज हुआ। इससे पूर्व वह अपने ई मेल के जवाब का इंतजार करते रहे। उन्होंने कानून का आधार पर ही उम्र का हवाला देकर गोरखपुर में ही पूछताछ/बयान दर्ज करने का एटीएस से ईमेल कर अनुरोध किया है। फिलहाल एटीएस का अभी उनके ईमेल का कोई जवाब भी नहीं आया है। पीएसी जवानों पर हमले का आरोपी मुर्तजा शहर के मशहूर डॉक्टर खालिद अहमद अब्बासी का भतीजा है। मुर्तजा की जांच करने 2 अप्रैल को जब एटीएस के लोग अधिवक्ता बनकर उसके घर गए थे तो उनकी मुलाकात डॉक्टर अब्बासी से ही हुई थी। डॉक्टर को शक हुआ और जब उनके बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि अधिवक्ता नहीं बल्कि वे पुलिसकर्मी थे। उन्होंने अपने भतीजे मुर्तजा के पास फोन कर एटीएस द्वारा पूछताछ करने के बारे में पूछा। उसके बाद ही मुर्तजा घर से भाग गया और अगले दिन यानी 3 मार्च को गोरखनाथ मंदिर पर पहुंच कर बांकी से सुरक्षाकर्मियों पर हमला कर दिया। इस पूरे प्रकरण में पूछताछ करने के लिए डॉ. खालिद अब्बासी को भी एटीएस के विवेचक दिनेश कुमार पाण्डेय ने भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 160 के तहत आठ अप्रैल को नोटिस जारी कर नौ अप्रैल को लखनऊ स्थित एटीएस मुख्यालय पर बुलाया था। गोरखनाथ मंदिर की घटना का जिक्र करते हुए विवेचक ने विवेचना में पूछताछ और बयान दर्ज कराने के लिए उन्हें तलब किया है।

जल निगम में रिटायर इंजिनियर अब संविदा पर पाएंगे नौकरी, 6 पदों पर मांगे गए आवेदन

लखनऊ। जल निगम में अब सेवानिवृत्त इंजिनियर को जरूरत के आधार पर कंसलटेंट के पद पर नौकरी दी जाएगी। छह पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इन्हें 60 से 90 हजार रुपये दिए जाएंगे। जल निगम का बंटवारा हो चुका है। ग्रामीण क्षेत्र का हिस्सा जल शक्ति विभाग में चला गया है। जल निगम के पास शहरी क्षेत्र ही बचा है। इनके कर्मियों का बंटवारा भी हो चुका है। इसलिए उसके पास अब तकनीकी कर्मियों की कमी हो गई है। उच्च स्तर पर सेवानिवृत्त होने वाले अभियंताओं को बतौर कंसलटेंट रखकर काम चलाने का फैसला किया गया है। कंसलटेंट के दो पदों पर भर्ती होगी। इन्हें 60000 रुपये मानदेय मिलेगा। वरिष्ठ कंसलटेंट के दो के लिए अधीक्षण अभियंता रखे जाएंगे। इन्हें 75000 रुपये दिया जाएगा। मुख्य कंसलटेंट के दो पदों पर मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारी पात्र होंगे। इन्हें 90000 रुपये प्रति माह मानदेय दिया जाएगा। जल निगम से सेवानिवृत्त होने वाले पात्र होंगे। सेवा के दौरान वित्तीय अनुशासनिक अनियमितता में दोषी पाए जाने वालों के आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। सेवानिवृत्ति की तिथि से पूर्व 10 वर्ष की सेवा में कम से कम पांच वर्ष उनकी सेवाएं अति उत्तम श्रेणी की होनी चाहिए।

अखिलेश यादव ने फिर अलापा बेरोजगारी का राग, यूपी सरकार की कानून व्यवस्था पर भी उठाए सवाल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था, स्वास्थ्य-शिक्षा सभी पूरी तरह चौपट हैं। शिक्षण कार्य से जुड़े लोगों में भारी असंतोष है। अखिलेश यादव ने रविवार को जारी बयान में कहा कि नौजवानों को रोजगार देने के थोथे दावों पर कोई यकीन नहीं करता है। उन्होंने कहा कि नौजवान आक्रोशित हैं क्योंकि उनकी समस्याओं के प्रति भाजपा सरकार का रवैया संवेदनशून्य है। बेरोजगारी बढ़ती जा रही है,रोटी-रोजगार का कोई इंतजाम नहीं। युवा आवाज उठाता है तो उसकी आवाज दबाने के लिए पुलिस की लाठियां चटकने लगती है। सरकार विभिन्न विभागों की पहले रिक्तियां घोषित करती है फिर विभिन्न पदों पर भर्ती का विज्ञापन निकाल कर बड़े पैमाने पर रोजगार देने की डुग-डुगी पीटने लगती है। भाजपा सरकार की नीयत में खोट की वजह से परीक्षा के पेपर लीक हो जाते हैं या किन्हीं मुद्दों को लेकर परीक्षा के परिणामों पर सवाल खड़े हो जाते हैं। परीक्षाएं निरस्त हो जाती है। सपा मुखिया ने आरोप लगाया कि अनुदेशक, टीईटी, शिक्षामित्र, शिक्षक भर्ती आदि में भाजपा सरकार का रवैया अजीबो-गरीब रहा है। हताश नौजवान छात्र जब अपनी आवाज उठाना चाहता है तो सरकार उसे कुचल देती है।

अयोध्या में बही राम रस की धारा, लाखों ने लगायी सरयू में डुबकी

एजेंसी

अयोध्या। चैत्र रामनवमी के पावन पर्व पर अयोध्या में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बीस लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पतित पावनी सरयू सलिला में पुण्य की डुबकी लगाई और दान-पुण्य कर जीवन धन्य बनाया। मेला क्षेत्र के मुख्य मार्गों से लेकर नगरी के गली-कूचे व मोहल्ले श्रद्धालु, भक्तों से पटे रहे। रामनगरी की सडकों पर श्रद्धालुओं के सिर्फ मुंड ही मुंड दिखलाई पड़ रहे थे। अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। वहां तिल फेंकने की रत्ती भर जगह नही बची थी। ब्रहम मुहूर्त से ही श्रद्धालु सरयू में स्नान कर रहे थे। स्नान का सिलसिला देरशाम शाम तक चला। सरयू स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी रही।

स्नान के बाद श्रद्धालु रामजन्मोत्सव में सम्मिलित होने के लिए प्रमुख मठ-मंदिरों की ओर अग्रसर हो थे जहां उन्होंने श्रीरामजन्मोत्सव का दर्शन कर अपना जीवन कृतार्थ किया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर, श्रीरामजन्मभूमि, कनक भवन, नागेश्वरनाथ मंदिर, मणिरामदास छावनी, बड़ी छावनी समेत अन्य मंदिरों की ओर अग्रसर रही। स्नान के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्राचीन नागेश्वरनाथ मंदिर

में भोलेबाबा का जलाभिषेक किया। भीड़ को देखते हुए नागेश्वरनाथ पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहे। सकरा क्षेत्र होने के कारण वहां बैरिकेडिंग की भी व्यवस्था रही।

इसके अलावा सबसे ज्यादा भीड़ हनुमानगढ़ी मंदिर, रामजन्मभूमि और कनक भवन में रही। यहां सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था थी। भक्तगण हनुमानगढ़ी में प्रसाद चढ़ा रहे थे।

रामनवमी के दिन बड़ी संख्या में राम भक्तों ने रामलला का दर्शन किया। महापर्व को देखते हुए अयोध्या में सुरक्षा के कड़े प्रबंध थे। सुरक्षा में एटीएस और एनएसजी के कमांडो लगे रहे। सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में बम निरोधक दस्ता, डाग स्क्वायड व खुफिया तंत्र पूरी तरह से सक्रिय रहा। जो संदिग्धों पर अपनी नजर बनाए हुए थे। इसके अयोध्या के सभी प्रमुख चौराहों पर भारी पुलिस बल के जवान तैनात रहे।

सरयू स्नान घाटों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध थे। घाट पर जल पुलिस, गोतखोर एवं पुलिस बोट की तैनाती रही। जो किसी भी अनहोनी घटना से निपटने के लिए तैयार थे। ड्रोन कैमरों द्वारा सम्पूर्ण मेला क्षेत्र की निगरानी की जा रही थी। छोटे-बड़े वाहनों के अयोध्या में प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध रहा। अस्थायी पार्किंग बनाकर इन वाहनों को शहर के बाहर रोक दिया गया था।

कमिश्नर नवदीप रिनवा, आईजी रेंज केपी सिंह, डीएम नितीश कुमार, एसएसपी शैलेश पांडेय अपने मातहत अधिकारियों के साथ मेला क्षेत्र का निरीक्षण करते दिखे। साथ ही मातहतों को निर्देशित भी कर रहे थे। अंतर्राष्ट्रीय रामकथा पार्क स्थित मेला कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों द्वारा निगरानी की जा रही थी। रामनवमी मेला सकुशल सम्पन्न हो जाने पर जिला प्रशासन ने राहत की सांस ली।

सहारनपुर में दो राजस्व अफसरों समेत चार गिरफ्तार

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के बेहट क्षेत्र में चर्चित खनन माफिया हाजी इकबाल के 80 बीघा अवैध भूमि आबंटन मामले में बडी कार्रवाई करते हुए एसआईटी और पुलिस ने रविवार को राजस्व विभाग के दो बडे अधिकारियों समेत चार लोगो की गिरफ्तारी कर लिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने रविवार को बताया कि 14 अक्टूबर 2021 को बेहट तहसील के राजस्व निरीक्षक दिनेश कुमार ने खनन माफिया हाजी इकबाल द्वारा चलाए जा रहे एक ट्रस्ट को 80 बीघा भूमि के आवंटन के संबंध में एक प्रार्थना पत्र दिया था जिस पर बेहट थाने में आईपीसी की धारा 420, 466, 467, 468,471 और 120 बी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

उन्होने बताया कि इसमें रजिस्ट्रार कानूनगो जनेश्वर प्रसाद निवासी हकीकत नगर सहारनपुर राजस्व निरीक्षक कार्यालय भूलेख बीरबल सिंह पुत्र गेंदाराम निवासी विनय विहार कालोनी पेपर मिल रोड सहारनपुर, हलका लेखपाल मोहम्मद शोएब निवासी 62 फुंटा रोड सब्जी मंडी दिल्ली पैलेस सहारनपुर रजिस्ट्रार कानूनगो पवन सिंह बेहट, सुरेंद्र एवं संजय निवासी ग्राम शेरपुर पेलो थाना मिर्जापुर नामजद किए गए थे। इन सभी पर आरोप था कि उन्होंने अभियुक्तों द्वारा आपसी षडयंत्र से अपने सह अभियुक्तों को सदोष लाभ पहुंचाने के लिए जमीन का बैनामा वहीद एजुकेशनल एवं चेरिटेबल ट्रस्ट न्यू भगत सिंह कालोनी बाजोरिया रोड सहारनपुर के नाम किया था।

श्री तोमर ने इस मामले की जांच के लिए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के नेतृत्व में एसआईटी गठित की थी। एसआईटी जांच में दोषी पाते ही बेहट पुलिस ने जनेश्वर प्रसाद, बीरबल सिं को जेल भेज दिया था।

दो नामजद अभियुक्तों की मृत्यु हो चुकी है जबकि सुरेंद्र और संजय को बेहट पुलिस ने आज सुबह चार बजे गंदेवड तिराहा से गिरफ्तार किया है। जिन्हें अदालत के समक्ष पेश किया जा रहा है।

एसएसपी ने बताया कि खनन माफिया इकबाल को अवैध पट्टे आबंटन की भूमि के और प्रकरण भी जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया में शामिल है। उन पर भी यथाशीघ्र कार्रवाई होगी। जानकारी के मुताबिक चर्ष 16,17, 18 के दौरान इकबाल उर्फ बाल्ला ने राजस्व अधिकारियों की सांठगांठ से गांव अलीपुर अकबर जो नदी के किनारे बेचिरागा मोजा है, की जमीन अवैध रूप से पट्टों के रूप में अपने निकट के नाम पहले आवंटित कराई फिर उसे भूमिधर कराया और बाद में अपने नाम बैनामें कराकर उस पर मेडिकल कालेज का भवन निर्मित करा दिया। इकबाल बाल्ला की जांच प्रवर्तन निदेशालय समेत कई केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की जा रही है।

बलिया में पत्रकारों की गिरफ्तारी के विरोध में अनशन की चेतावनी

बलिया। माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित इंटरमीडिएट की परीक्षा का अंग्रेजी का प्रश्न पत्र लीक होने के मामले में तीन पत्रकारों की गिरफ्तारी के विरोध में स्थानीय पत्रकारों ने रविवार को जिला प्रशासन के अधिकारियों की बुद्धि शुद्धि के लिए हवन पूजन किया तथा कल से बेमियादी अनशन करने का ऐलान किया है ।

इंटरमीडिएट की परीक्षा का अंग्रेजी का प्रश्न पत्र लीक होने के मामले में तीन पत्रकारों अजीत कुमार ओझा , दिग्विजय सिंह व मनोज गुप्ता की गिरफ्तारी के मामले में बलिया संयुक्त पत्रकार संघर्ष समिति के बैनरतले पत्रकारों ने आज जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह व पुलिस अधीक्षक राजकरन नय्यर की बुद्धि शुद्धि के लिए जिला मुख्यालय व ग्रामीण क्षेत्रों में हवन पूजन किया । जिला मुख्यालय पर पत्रकारों ने बाबा बालेश्वर नाथ के मंदिर में हवन पूजन किया ।

संघर्ष समिति के संयोजक मण्डल के हरिनारायण मिश्र ने जिला प्रशासन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि बलिया में परीक्षा के दौरान नकल के खेल का सच सामने लाने के कारण जिला प्रशासन ने तीन पत्रकारों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है ।

मेरठ में भीषण सड़क हादसे में चार की मौत

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में रविवार को कार और बाइक की भिड़ंत में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मृत्यु हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि बागपत जिले के अमीनगर सराय निवासी भूषण अपनी पत्नी बालादेवी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ कार से हापुड़ में अपनी रिश्तेदारी में आयोजित एक धार्मिक काय्रक्रम में शामिल होने के बाद घर वापस जा रहे थे कि मेरठ बागपत रोड पर कुराली गांव में सांई मंदिर के निकट सामने से आ रही एक बाइक से कार टकराने के बाद पेड़ से टकरा कर पलट गई। उन्होने बताया कि पुलिस और ग्रामीणों ने कार सीधी करके उसमें फंसे भूषण, बालादेवी, मगन देवी और आदि के अलावा बाइक सवार धर्मेंद्र और सरोज को उपचार के लिये पांचली खुर्द स्थित सीएचसी अस्पताल भेजा। डाक्टरों ने बाला देवी, मगन देवी और बाइक सवार अनुज और सरोज को मृत घोषित कर दिया। हालत बिगड़ने पर आदि और भूषण को उपचार के लिये मेरठ रैफर कर दिया गया जिन्हें यहां एक निजी अस्तपाल में भर्ती करवाया गया है।

भाजपा सरकार के रवैये से नौजवानों में असंतोष

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य-शिक्षा को चौपट बताते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को कहा नौजवानो की समस्यायों के प्रति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का संवेदनहीन रवैये से भारी असंतोष व्याप्त है।

श्री यादव ने यहां जारी बयान में कहा कि शिक्षण कार्य से जुड़े लोगों में भारी असंतोष है। नौजवान आक्रोशित हैं क्योंकि उनकी समस्याओं के प्रति भाजपा सरकार का रवैया संवेदनशून्य है। बेरोजगारी बढ़ती जा रही है, रोटी-रोजगार का कोई इंतजाम नहीं। युवा आवाज उठाता है तो उसकी आवाज दबाने के लिए पुलिस की लाठियां चटकने लगती है।

उन्होने कहा कि नौजवानों को रोजगार देने के थोथे दावों पर कोई यकीन नहीं करता है। सरकार विभिन्न विभागों की पहले रिक्तियां घोषित करती है फिर विभिन्न पदों पर भर्ती का विज्ञापन निकाल कर बड़े पैमाने पर रोजगार देने की डुग-डुगी पीटने लगती है। भाजपा सरकार की नीयत में खोट की वजह से परीक्षा के पेपर लीक हो जाते हैं या किन्हीं मुद्दों को लेकर परीक्षा के परिणामों पर सवाल खड़े हो जाते हैं। परीक्षाएं निरस्त हो जाती है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि अनुदेशक, टीईटी, शिक्षामित्र, शिक्षक भर्ती आदि में भाजपा सरकार का रवैया अजीबो-गरीब रहा है। हताश नौजवान छात्र जब अपनी आवाज उठाना चाहता है तो सरकार उसे कुचल देती है। प्रयागराज में अभी कल ही फिर छात्रों पर भाजपा सरकार में पुलिस ने लाठियां बरसाई। चौकी में बंद कर छात्र की बर्बर पिटाई की गई।

जिस सरकार में छात्रों को जेल में डालकर उत्पीड़न किया जा रहा हो उस सरकार में भविष्य निर्माण की बात करना बेईमानी है। भाजपा ने अपने कारनामों से उत्तर प्रदेश को बदनाम किया है। भाजपा लोगों में भय पैदा करके राज कर रही है। यह लोकतंत्र में घोर निंदनीय है।

हर विधान सभा क्षेत्र में बनेगा सौ बेड का हाईटेक अस्पताल : योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में 100 बेड के सभी संसाधनों से युक्त उच्चीकृत अस्पताल बनाए जाएंगे। इसके साथ ही राज्य के प्रत्येक विकास खंड क्षेत्र में 25 से 30 बेड के बेहतरीन सीएससी-पीएससी उपलब्ध कराने की दिशा में कार्यवाही को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

श्री योगी ने यहां जंगल कौड़िया पीएचसी से पूरे प्रदेश के लिए मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का शुभारंभ करते हुये कहा कि हर एक व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य देना सरकार का कर्तव्य और हम इस दिशा में हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उत्तम आरोग्यता से ही स्वस्थ समाज का निर्माण होगा और स्वस्थ समाज के होने पर ही हम सशक्त उत्तर प्रदेश और सशक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में सरकार तेजी से आगे बढ़ी है।कभी पूर्वी उत्तर प्रदेश में इलाज का एकमात्र केंद्र गोरखपुर का बीआरडी मेडिकल कॉलेज ही था। वह भी कब बंद हो जाए कुछ कहा नहीं जा सकता था। वहां न डॉक्टर पर्याप्त थे और न ही दवाएं। आज बीआरडी मेडिकल कॉलेज बहुत अच्छे ढंग से स्वास्थ्य सेवाएं दे रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों की चिकित्सा की सुविधा के लिए गोरखपुर में एम्स भी खुल गया है। साथ ही साथ देवरिया, सिद्धार्थनगर व बस्ती में नए मेडिकल कॉलेज सेवाएं दे रहे हैं। कुशीनगर में मेडिकल कॉलेज का निर्माण चल रहा है और महाराजगंज में मेडिकल कॉलेज बनाने की स्वीकृति दी जा चुकी है।

श्री योगी ने इस अवसर पर संचारी रोगों की रोकथाम पर अंतर्विभागीय समन्वय व सामूहिकता की ताकत का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी ताकत के दम पर उत्तर प्रदेश पीएम मोदी के मार्गदर्शन में कोरोना नियंत्रण का बेहतरीन मॉडल देने में सफल रहा है। यही नहीं, अंतर्विभागीय समन्वय व टीम वर्क के बल पर 1977 से लेकर 2017 तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में पचास हजार मासूमों को असमय काल कवलित करने वाली इंसेफेलाइटिस पर नकेल कस दिया है।

उन्होंने कहा कि 40 वर्ष ने इंसेफलाइटिस को समाप्त नहीं किया जा सका था, इसके इलाज के लिए संसाधन तक नहीं थे। पर, केंद्र व प्रदेश सरकार ने मिलकर सिर्फ चार साल में इंसेफलाइटिस को समूल उखाड़ने में सफलता हासिल की है। मस्तिष्क ज्वर अब नाममात्र का है। थोड़ी सी सतर्कता और सामूहिक प्रयास से अगले एक-दो साल में इंसेफेलाइटिस सदा के लिए समाप्त हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक संवेदनशील सरकार कैसे कार्य करती है, कोरोना काल में उत्तर प्रदेश में सभी लोगों ने देखा है। महामारी के दौरान कोरोना वारियर्स के सेवा भाव व टीम वर्क की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब तक वैक्सीन की 30 करोड़ डोज उपलब्ध कराई जा चुकी है। फ्री जांच, इलाज व वैक्सीन के साथ डबल इंजन की सरकार ने हर जरूरतमंद को हर माह राशन का डबल डोज भी दिया। ये सभी कार्य निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

लोगों को संचारी रोग नियंत्रण अभियान, टीबी व फाइलेरिया मुक्ति अभियान से जुड़ने की अपील करते हुये उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदैव कहते हैं कि बचाव ही बीमारियों से दूर रहने का सर्वोत्तम उपाय है। यदि बीमारी हो भी गई तो उसे छुपाने की बजाय समय पर इलाज कराने की आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा कि 2030 तक दुनिया को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है जबकि पीएम मोदी ने इसके लिए 2025 का ही लक्ष्य निर्धारित किया है। जनसामान्य टीबी मरीजों की पहचान और उनके इलाज में अपना योगदान दे। टीबी मरीजों को सरकार की तरफ से प्रति माह 500 रुपया पोषण भत्ता भी दिया जाता है।

मातृ शक्ति की सुरक्षा, सम्मान का भाव दैनिक जीवन में उतारने की जरूरत : योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय परम्परा में सर्वोच्च स्थान रखने वाली मातृ शक्ति की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन का भाव हर एक को अपने दैनिक जीवन में भी उतारने की आवश्यकता है।

गोरखनाथ मंदिर में रविवार को कन्या पूजन के बाद वासंतिक नवरात्र व श्रीरामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए श्री योगी ने रविवार को कहा कि नवरात्रि की नवमी तिथि पर नवदुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं का पूजन संपन्न हुआ है। इसी महत्वपूर्ण तिथि पर समाज को मर्यादा के मार्ग पर ले जाने वाले व मानवीय जीवन मूल्यों का उच्च आदर्श प्रस्तुत करने वाले प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव देश दुनिया में सनातन धर्मावलंबियों द्वारा हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। अयोध्या धाम में श्रीरामनवमी पर विशेष आयोजन हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कन्या पूजन का अनुष्ठान नारी शक्ति को सुरक्षित रखने, उन्हें बेहतर माहौल देने, शासन की महिला कल्याणकारी योजनाओं को ईमानदारी से लागू करने के संकल्प और इसमें योगदान देने का भी स्मरण कराता है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जननी सुरक्षा योजना, मातृ वंदना योजना, कन्या सुमंगला योजना व मिशन शक्ति से जुड़ कर हम सभी इन योजनाओं को सफलता की नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव हमें उनके आदर्शों व मानवीय चरित्र से जुड़ने और बिना भेदभाव मानवीय गरिमा, सुरक्षा व सम्मान के कार्य की प्रेरणा प्रदान करता है। सबको न्याय व सबको सम्मान देना सरकार का लक्ष्य है। रामराज्य की इसी परिकल्पना को साकार करने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने इस परिकल्पना से आम जनमानस के जुड़ने की अपील की।

कन्या पूजन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभु श्रीराम के बाल रूप को पालने में झुलाया। गोरखनाथ मंदिर के ओपन एयर थिएटर में प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव का समारोह सोहर गीतों के बीचआयोजित किया गया था। यहां पहुंचे सीएम योगी ने झूले पर विराजमान प्रभु के बाल रूप की विधि विधान से पूजा की। श्रद्धा भाव से उन्हें पालने में झुलाया और उनसे लोक कल्याण की मंगलकामना की।

याकूब कुरैशी की फैक्ट्री और आवास ध्वस्त करने की तैयारी

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में बन्द पड़ी फैक्टरी में करोड़ों रुपये के अवैध मांस की बरामदगी के बाद पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हो जाने के बावजूद पुलिस के हाथ अभी तक खाली हैं।

पुलिस की कई टीमें युद्ध स्तर पर दिन रात तमाम आरोपियों की तलाश में लगी हैं। कुरैशी का परिवार कहां छिपा हुआ है, इसके लिये सर्विलांस टीम को भी लगा दिया गया है वहीं मेरठ विकास प्राणिकरण ने कुरैशी की फैक्टरी और आवास को ध्वस्त करने के लिये नोटिस चस्पा कर दिया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रभाकर चौधरी ने रविवार को बताया कि अदालत से गिरफ्तारी वारंट मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, चार पुलिस उपाधीक्षक और चार थानों की पुलिस की टीम बनाई गई है। यह टीम याकूब कुरैशी, उनकी पत्नी संजीदा बेगम, दोनों बेटे इमरान और फिरोज की तलाश में जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि तमाम फरार आरोपियों पर शिकंजा कसने के लिये मीट फैक्ट्री और उनके आवास की कुर्की की भी तैयारी कर ली गई है।

उल्लेखनीय है कि मेरठ हापुड़ रोड पर स्थित खरखौदा के अल्लीपुरा गांव में अल-फहीम मीटेक्स प्राइवेट लिमिटेड पर पुलिस और प्रशासन की एक टीम ने अवैध पशु कटान की खबर पर गत 30 मार्च देर रात छापा मारा था। जिसमें पुलिस ने फैक्टरी से 2460 क्विंटल मांस बरामद किया था।

बुल्डोजर बना धार्मिक यात्रा में आकर्षण का केंद्र

एजेंसी

इटावा। उत्तर प्रदेश में अपराधियों के बीच खौफ पैदा करने वाला बुल्डोजर अब धार्मिक शोभा यात्राओं में लोगो के लिये आकर्षण का केन्द्र बन गया है।

ऐसा ही एक रोचक वाक्या इटावा शहर में बीती देर रात देखा गया जहॉ एक धार्मिक यात्रा मे बुल्डोजर को शामिल किया गया ।

बुल्डोजर को देख कर हर कोई हैरत मे पड गया है लेकिन बुल्डोजर के प्रति आकर्षण ऐसा था कि हर कोई इसको निहारता हुआ चला जा रहा था ।

शोभायात्रा शहर के हनुमान मंदिर कटरा सेवा कली से शुरू होकर नया शहर चौराहा, नौरंगाबाद चौराहा, तिकोनिया, नगर पालिका चौराहा, राजागंज चौराहा, पचरहा, छैराहा,

बाह अड्डा, टैक्सी मन्दिर होते हुए माता सिद्ध पीठ कालीबाहन पर पहुंची । जहां पर विशाल झंडा माता रानी के दरबार में चढ़या गया और भक्तों ने देवी माँ के दर्शन कर अपनी मनोकामना पूरी होने के लिए प्रार्थना की।

इटावा शहर में देर रात निकाली गई भव्य शोभायात्रा में सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ की झांकी व बुलडोजर आकर्षण का केंद्र बन गया। झांकी और बुलडोजर को लेकर शोभा यात्रा आयोजक ने तुषार अग्रवाल ने बताया कि वह संदेश देना चाहते हैं कि जल्दी इटावा में भी बुल्डोजर चलाया जाए क्योंकि जगह जगह अतिक्रमण करके लोगो ने रखा हुआ है और बुलडोजर चला कर जनता को जाम जैसी समस्याओं से निजात दिलाई जानी चाहिए ।

शोभा यात्रा की सबसे खास बात यह रही कि शोभायात्रा में जय श्रीराम के नारे गूंजते सुनाई दिए ।

इस शोभायात्रा में बुल्डोजर को बडी ही खूबसूरती से सजाया गया है जिसमे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें लगाई गईं और योगी आदित्यनाथ का भेष धारण करके एक युवक बुल्डोजर के साथ खडा किया गया ।

इसके साथ ही रामभक्त हनुमान बने दो युवक भी खडे किये गये । इस शोभा यात्रा मे मर्यादा पुरूर्षोत्म भगवान राम का दरबार, दुर्गा जी का दरबार, भगवान भोले नाथ, राधा कृष्ण की झांकियां भी शामिल की गई लेकिन लोगो के आर्कषण का विशेष केंद्र योगी आदित्यनाथ की झांकी रही।

शोभा यात्रा मे शामिल लोग बताते है कि कि मुख्यमंत्री योगी जिस तरह से अपराधियो के खिलाफ अपने अभियान मे बुल्डोजर का प्रयोग कर रहे है उससे एक संदेश यह जाता हुआ दिख रहा है कि वो अपराधियो के खिलाफ भस्मासुर के रूप मे सामने आ गये है,इस यात्रा मे इस बुल्डोजर को केवल इसलिए शामिल किया गया है कि ताकि आम लोगो के जहन मे बुल्डोजर का महत्व समझ मे आ जाये।

शार्ट न्यूज

चौथे दिन भी पेट्रोल-डीजल के दाम रहे स्थिर

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन करने वाली कंपनियों के रविवार को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बढ़ाने से लगातार चौथे दिन भी ईंधन के दाम स्थिर रहे। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रूपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रूपये प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 104.77 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर हैं। इसी के साथ चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 110.85 रुपये और डीजल की कीमत 100.94 रुपये पर बरकरार है। कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 115.12 और 99.83 रुपये है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिनों की स्थिरता के बाद 22 मार्च 2022 से बढ़नी शुरू हुई हैं। कंपनियों ने पिछले 19 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की है। तब से अब तक इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी हैं। उल्लेखनीय है कि रविवार लगातार चौथा दिन है, जब कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले एक अप्रैल को कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट ने सफल कैपिटल के कारोबार का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। अग्रणी स्टॉक ब्रोकरेज कंपनी स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड ने देश की 100 साल पुरानी इकाई सफल कैपिटल के व्यवसाय का अधिग्रहण करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने रविवार को बयान जारी कर बताया कि इस अधिग्रहण से स्वस्तिका के ग्राहकों की संख्या में लगभग पांच प्रतिशत की वृद्धि होगी। वहीं, दूसरी ओर सफल कैपिटल के ग्राहकों को स्वस्तिका की स्टॉक रिसर्च टीम, टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म, कंप्लायंस और कस्टमर सपोर्ट सर्विस का फायदा मिलेगा। स्वस्तिका के प्रबंध निदेशक सुनील न्याती ने कहा कि, स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट ने सभी आवश्यक सहमति और मंजूरी प्राप्त करने के बाद एक अघोषित राशि के लिए सफल कैपिटल लिमिटेड के क्लाइंट और डीपी कारोबार का अधिग्रहण करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। इससे स्टॉक ब्रोकरेज सेगमेंट में उसकी भूमिका और मजबूत होगी। वर्तमान में स्वस्तिका की 102 शाखाएं, 2261 सब-ब्रोकर, 1031 टीम के सदस्य और 250000 से अधिक ग्राहक हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 11.17 अरब डॉलर घटकर 606.48 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 01 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में रिकॉर्ड 11.17 अरब डॉलर कम होकर 606.48 अरब डॉलर पर आ गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 2.03 अरब डॉलर घटकर 617.65 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 01 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 10.73 अरब डॉलर गिरकर 539.73 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस दौरान स्वर्ण भंडार 50.7 करोड़ डॉलर कम होकर 42.73 अरब डॉलर रह गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.88 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 40 लाख डॉलर की वृद्धि के साथ 5.14 अरब डॉलर हो गई।

सोना 445 और चांदी में 403 रुपये की साप्ताहिक तेजी

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर मांग बरकरार रहने से बीते सप्ताह घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 445 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी में 402 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी रही। समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में मिलाजुला रुख रहा। सोना हाजिर 9.49 डॉलर प्रति औंस चढ़कर सप्ताहांत पर 1939.66 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 4.24 डॉलर प्रति औंस की बढ़त लेकर 1935.10 डॉलर प्रति औंस हो गया। वहीं, सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 0.08 डॉलर प्रति औंस फिसलकर 24.57 डॉलर प्रति औंस रही। बीते सप्ताह देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 445 रुपये की तेजी लेकर 52170 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। साथ ही सोना मिनी 1381 रुपये की छलांग लगाकर 52931 रुपये प्रति दस ग्राम हो गई। इसी तरह समीक्षाधीन अवधि में स्थानीय स्तर पर चांदी 403 रुपये मजबूत होकर 67028 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। साथ ही चांदी मिनी 292 रुपये महंगी होकर सप्ताहांत पर 67177 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

सर्राफा बाजारः सोना, चांदी में मजबूती

इंदौर। सप्ताहांत सोना तथा चांदी में तेजी दर्ज की गई। सप्ताहांत सोना 800 रुपये महंगा तथा चांदी 600 रुपये ऊंची बिकी। कारोबार की शुरुआत में सोना 52400 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार के दिन 53200 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में व्यापार की शुरुआत 67600 रुपये पर हुई वहीं शनिवार के दिन 68200 रुपये बिकी। कामकाज में सोना ऊंचे में 53300 नीचे में 52300 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 68300 तथा नीचे 67000 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। विदेशी बाजार में सोना 1946 डॉलर तथा चांदी 2475 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

इन्दौर. खाद्य तेल : मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड- पाम तेल में तेजी

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में खरीदी से भाव तेजी लिए रहे। कारोबार में मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड, पाम तेल ऊंचा बिका। तिलहनों में लिवाली रही इससे भाव मजबूत रहे। कपास्या खली में नरमी दर्ज की गई। कारोबार की शुरूआत में मूंगफली तेल 1580 से 1690 रुपये प्रति किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1610 से 1630 रुपये होकर थमा। सोयाबीन रिफाइंड 1485 से 1490 रुपये पर खुलकर 1510 से 1515 रुपये बिका। पाम तेल 1545 से 1550 रुपये खुलकर 1560 से 1565 रुपये होकर पर बंद हुआ। तिलहन जिन्सों में भाव ऊपर-नीचे हुए। सप्ताहांत सरसो सोयाबीन में मांग रही। खली में 75 रुपये की गिरावट दर्ज की गई।

इंदौर अनाज मंडी : चना, तुअर, उड़द महंगी, मसूर सस्ती, दालों में सुधार

इंदौर। स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में मांग के साथ सप्ताहांत दलहन जिन्सों में मिश्रित रंगत दर्ज की गई। चना, तुअर, उड़द बढ़कर बिकी। जबकि मसूर सस्ती बिकी। इस दौरान दालों के भाव भी ऊपर-नीचे हुए। रवा- मैदा में मांग बढ़ी रही इससे भाव ऊंचे बोले गए। चावल में पूछपरख से तेजी रही। सप्ताहांत चना कांटा 5050 से 5100 रुपये खुलने के बाद 5100 से 5150 रुपये होकर बंद हुआ। मूंग 7200 से 7400 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 6000 रुपये बिकी। हालांकि सप्ताहांत इसमें सौदे 7200 से 7400 रुपये प्रति क्विंटल पर हुए। कारोबार के प्रथम दिन तुअर 5500 से 6700 रुपये खुलने के बाद शनिवार को 5500 से 6700 रुपये प्रति क्विंटल बिकी। उड़द 6800 से 7000 के बाद 7000 से 7200 रुपये होकर बंद हुई। मसूर 6800 से 6850 रुपये के स्तर पर खुलने के बाद 6800 से 6825 रुपये होकर प्रति क्विंटल बिकी। दालों में मांग से घटबढ़ दर्ज की गई। सप्ताहांत मूंग दाल बढ़कर बिकी। वहीं मसूर दाल तथा उड़द दाल में मजबूत बताई गई।

इंदौर किराना बाजार : शक्कर, खोपरा गोला में तेजी, नारियल सस्ता

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में सप्ताहांत ग्राहकी ऊपर नीचे होती रही। शक्कर में तेजी दर्ज की गई। खोपरा बूरा में पूछपरख बताई गई। नारियल मजबूत रहने के बाद डाऊन हुआ। साबूदाना में भाव ऊंचे रहे। स्थानीय किराना बाजार में सोमवार को शक्कर 3550 से 3600 रुपये प्रति क्विंटल खुलने के शनिवार को 3570 से 3620 रुपये बोली गई। शक्कर की दैनिक आवक 07 से 08 गाड़ी की रही। गुड़ में ग्राहकी से भाव मजबूती लिए बताए गए। नारियल में तेजी दर्ज की गई। हालांकि शनिवार को खोपरा गोला महंगा बिका। सोमवार को खोपरा गोला 195 से 215 रुपये प्रति किलो के स्तर पर खुला था जो बढ़कर 200 से 220 रुपये बिका। हल्दी 115 से 175 रुपये की रंगत लिए रही।

कंपनियों के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

एजेंसी

मुंबई। वैश्विक बाजार के कमजोर रुख के बावजूद रिजर्व बैंक (आरबीआई) के महंगाई को नियंत्रित करने और विकास की गति को बनाए रखने के उद्देश्य से प्रमुख नीतिगत दरों को यथावत रखने के निर्णय से बीते सप्ताह तेजी पर रहे शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह अंतर्राष्ट्रीय कारकों के साथ ही कंपनियों की चौथी तिमाही के परिणाम से तय होगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 170.69 अंक की तेजी लेकर सप्ताहांत पर 59447.18 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 126.85 अंक चढ़कर 17797.30 अंक पर रहा। इस दौरान दिग्गज कंपनियों के मुकाबले छोटी और मझौली कंपनियों में अधिक तेजी रही। बीएसई का मिडकैप 859.8 अंक उछलकर 25303.39 अंक और स्मॉलकैप 1066.38 अंक की छलांग लगाकर 29765.79 अंक पर पहुंच गया।

विश्लेषकों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव वाला रहा लेकिन मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में जबरदस्त बढ़त देखी गई और यह प्रवृत्ति जारी रहने की संभावना है।

अगले सप्ताह सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दो दिग्गज कंपनियों टीसीएस और इंफोसिस के पिछले वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही के परिणाम जारी होने वाले हैं, जिसका असर बाजार पर देखा जा सकेगा। टीसीएस का परिणाम 11 अप्रैल और इंफोसिस का 13 अप्रैल को जारी होगा।

उनका कहना है कि इनके अलावा वैश्विक संकेत, कच्चे तेल की कीमत

और विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुख का भी शेयर बाजार पर असर रहेगा।

वैश्विक बाजार की तेजी के साथ ही स्थानीय स्तर पर देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के विलय की घोषणा से उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली की बदौलत सोमवार को शेयर बाजार दो प्रतिशत से अधिक की उछाल लेकर ढाई महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सेंसेक्स 1335.05 अंक यानी 2.25 प्रतिशत की छलांग लगाकर ढाई महीने के उच्चतम स्तर 60 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 60611.74 अंक पर रहा।

निफ्टी भी 382.95 अंक अर्थात 2.17 प्रतिशत की उछाल लेकर 18 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 18053.40 अंक पर रहा।

वहीं, रूस पर आर्थिक प्रतिबंध से एशियाई बाजारों में आई तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, रिलायंस, एसबीआई और मारुति जैसी दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली के दबाव में मंगलवार को शेयर बाजार की पिछले दिवस की तेजी पर ब्रेक लग गया। सेंसेक्स 435.24 अंक लुढ़ककर 60176.50 अंक और निफ्टी 96 अंक टूटकर 18 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 17957.40 अंक पर आ गया।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आसमान छूती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए अगले महीने ब्याज दरों में तेज बढ़ोतरी करने की संभावना से हताश निवेशकों की बिकवाली से वैश्विक बाजार में आई गिरावट के दबाव में बुधवार को सेंसेक्स 566.09 अंक लुढ़ककर 60 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 59610.41 अंक पर और निफ्टी 149.75 अंक गिरकर 17807.65 अंक पर आ गया। गुरुवार को सेंसेक्स 575.46 अंक लुढ़ककर 59034.95 अंक और निफ्टी 168.10 अंक गिरकर 17639.55 अंक पर रहा।

आरबीआई के महंगाई को नियंत्रित करने और आर्थिक विकास की गति बनाए रखने के लिए नीतिगत दरों को यथावत रखने से उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली से शुक्रवार को शेयर बाजार पिछले तीन दिनों की गिरावट से उबरते हुए तेजी पर रहा। सेंसेक्स 412.23 अंक की उड़ान भरकर 59447.18 अंक और निफ्टी 157.75 अंक की तेजी लेकर 17797.30 अंक पर रहा।

खाद्य तेल सस्ता, दाल-दलहन में घटबढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के भाव गिर गये जबकि दाल-दलहन में घटबढ़ रही।

तेल तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 167 रिंगिट उबलकर 6700 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल वायदा सप्ताहांत पर 0.74 सेंट की तेजी के साथ 72.82 सेंट प्रति पाउंड पर रहा।

बीते सप्ताह मूंगफली तेल 367 रुपये, सोया रिफाइंड 293 रुपये, पाम ऑयल 182 रुपये, वनस्पति तेल 146 रुपये

और सरसों तेल 146 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया जबकि सूरजमुखी तेल में 146 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। सप्ताहांत पर सरसों तेल 18754 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19413 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 19413 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 17582 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 15934 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 16703 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह उठाव सुस्त रहने से दाल-दलहन के बाजार में घटबढ़ देखी गई। सप्ताहांत पर चना 50 रुपये और दाल चना 50 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई जबकि मूंग दाल 100 रुपये और उड़द दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गई। वहीं, मसूर दाल और अरहर दाल के भाव स्थिर रहे। सप्ताहांत पर चना 4750-4850, दाल चना 5750-5850, मसूर काली 8600-8700, मूंग दाल 9100-9200, उड़द दाल 9600-9700, अरहर दाल 8200-8300 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : बीते सप्ताह अनाज के बाजार में गिरावट का रुख रहा। सप्ताहांत पर गेहूं 10 रुपये प्रति क्विंटल और चावल 50 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया।

सप्ताहांत पर अनाज (भाव प्रति क्विंटल) : गेहूं दड़ा 2200-2300 रुपये और चावल ~2500-2600 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

चीनी-गुड़ : आलोच्य सप्ताह मीठे के बाजार में तेजी रही। सप्ताहांत पर चीनी 30 रुपये प्रति क्विंटल और गुड़ 150 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये।

सप्ताहांत पर चीनी एस. 3360-3460, चीनी एम. 3680-3780, मिल डिलीवरी 3310-3410 और गुड़ 3250-3350 रुपये प्रति क्विंटल पर रहे।

कर्ज में फंसी रिलायंस कैपिटल को लेकर अनिल अंबानी की बढ़ सकती है टेंशन

नई दिल्ली। कर्ज में डूबी कंपनी रिलायंस कैपिटल लिमिटेड की लोन समाधान प्रक्रिया को लेकर रिजर्व बैंक की तरफ से नियुक्त प्रशासक और लेंडर्स के बीच मतभेद पैदा हो गए हैं। सूत्रों ने बताया कि आरसीएल और इसकी सहायक कंपनियों के लोन समाधान के लिए 25 मार्च तक 54 बोलियां मिली थीं। आरसीएल के लिए रुचि पत्र (ईओआई) भेजने का यह अंतिम दिन था। इनमें से 22 ईओआई आरसीएल के लिए एक कंपनी के तौर पर आए हैं, जबकि बाकी बोलियां इसकी आठ सहायक कंपनियों में से अलग-अलग के लिए लगाई गई हैं। आरसीएल की तरफ से सभी बोलीकर्ताओं के लिए दो विकल्प दिए गए थे। पहले विकल्प में आरसीएल और उसकी सब्सिडियरी के लिए बोली लगाई जा सकती थी जबकि दूसरे विकल्प में सब्सिडियरी कंपनियों के लिए अलग-अलग या जोड़ बनाकर बोली लगाने की सुविधा दी गई थी। आरसीएल की सहायक कंपनियों में रिलायंस जनरल इंश्योरेंस, रिलायंस हेल्थ इंश्योरेंस, रिलायंस निप्पन लाइफ इंश्योरेंस, रिलायंस एसेट रिकंस्ट्रक्शन और रिलायंस सिक्योरिटीज शामिल हैं। हालांकि, बकाया कर्ज की वसूली के लिए दिवाला प्रक्रिया के संचालन को लेकर रिजर्व बैंक द्वारा नियुक्त प्रशासक और कर्जदाता बैंकों के बीच मतभेद पैदा होने की खबरें हैं। सूत्रों के मुताबिक, आरसीएल की सहायक कंपनियों और उनकी लोन समाधान प्रक्रिया को लेकर बैंकों के कानूनी सलाहकारों और प्रशासक के बीच सहमित नहीं बन पाई है। सूत्रों के मुताबिक, इस मतभेद की वजह यह है कि आरसीएल की सभी सहायक कंपनियां लाभ में चल रही हैं और उनके पास पूंजी की भी कोई कमी नहीं है।

भारत का केला और बेबी कॉर्न कनाडा को बनाएगा दीवाना, जानिए क्या है योजना?

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने शनिवार को कहा है कि उसे कनाडा के मार्केट में फ्रेश बनाना और बेबी कॉर्न को एक्सपोर्ट करने के लिए मार्केट एक्सेस मिल गया है. इस खबर से भारत के उन किसानों को काफी फायदा होने की उम्मीद है जो केला और बेबी कॉर्न उगाते हैं. इसके साथ ही भारत निर्यात के जरिए डॉलर कमाने के मामले में भी अब एक और पायदान ऊपर चढ़ सकता है.

कनाडा ने तुरंत प्रभाव से भारत को फ्रेश बनाना और बेबी कॉर्न के निर्यात की इजाजत दे दी है. सरकार ने एक बयान में कहा है कि टेक्निकल अपडेट के बाद इसी महीने से कनाडा को केला और बेबी कॉर्न का निर्यात शुरू कर दिया जाएगा.

भारत सरकार के खाद्य मंत्रालय की ओर से कहा गया कि भारतीय केले और बेबी कॉर्न की बाजार पहुंच के मामले में भारत-कनाडा के राष्ट्रीय पौध संरक्षण संगठनों के बीच हुई बातचीत के बाद इन चीजों की कनाडा के बाजार में पहुंच सुनिश्चित हो गई है.

कृषि सचिव और कनाडा के उच्चायुक्त की बैठक में फैसला

कनाडा के मार्केट में भारतीय कृषि उपज की पहुंच सुनिश्चित करने से संबंधित यह बैठक भारत सरकार के कृषि सचिव मनोज आहूजा और कनाडा के भारत में उच्चायुक्त एचडी कैमरॉन मैके के साथ हुई है. 7 अप्रैल को हुए इस समझौते के बाद जारी एक बयान में कहा गया कनाडा ने सूचना दी है कि भारत से फ्रेश बेबी कॉर्न का कनाडा को निर्यात अप्रैल से शुरू किया जा सकता है.

केले के निर्यात को भी मंजूरी

कृषि मंत्रालय ने कहा कि इसके साथ ही भारत द्वारा ताजा केले के लिए प्रदान की गई तकनीकी जानकारी के आधार पर कनाडा ने भारतीय केले को कनाडा निर्यात करने के लिए तत्काल प्रभाव से स्वीकृति दे दी है.

कृषि मंत्रालय ने कहा कि कनाडा सरकार के इस निर्णय से इन फसलों को उगाने वाले भारतीय किसानों को ज्यादा लाभ होगा और भारत की निर्यात आय में भी वृद्धि होगी.

किन देशों को पसंद हैं भारत के कृषि उपज

भारत के कृषि उपज के प्रमुख निर्यात डेस्टिनेशन में बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, वियतनाम, अमेरिका, नेपाल, मलेशिया, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, ईरान और मिस्र जैसे देश शामिल हैं।

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में वृद्धि मुख्य रूप से एपेडा के माध्यम से केंद्र द्वारा की गई विभिन्न पहल के कारण हुई है. भारतीय दूतावास के सक्रिय सहयोग के साथ विभिन्न देशों में बी2बी प्रदर्शनी का आयोजन, उत्पाद विशिष्ट और सामान्य विपणन अभियान के माध्यम से नए संभावित बाजारों की खोज करने से भारत के कृषि उपज निर्नायात में शानदार वृद्धि हुई है।

भारतपे ने दर्ज की रिकॉर्ड वृद्धि

कंपनी अब लागत को निकालने की ओर अग्रसर

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनी भारतपे ने अपने सह-संस्थापक अश्नीर ग्रोवर से जुड़े विवादों को पीछे छोड़ते हुए 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की है। भारतपे के सीईओ सुहैल समीर ने कहा है कि कंपनी अब लागत को निकालने की ओर अग्रसर है।

समीर ने साक्षात्कार में कहा कि कंपनी को अगले 18 से 24 माह में शेयर बाजारों में सूचीबद्ध कराने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि ग्रोवर ने कंपनी के साथ पैसे की जो धोखाधड़ी की है, उसके बारे में निदेशक मंडल आगे की चीजें तय करेगा। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता कंपनी के कर्मचारी हैं, जिससे वे स्थिर तरीके से कामकाज कर सकें।

समीर ने कहा, हमारे लिए दूसरी प्राथमिकता कारोबार के मोर्चे पर आगे बढ़ने की है।

कारोबार ही मेरे लिए और मेरी टीमों के लिए जरूरी है। हम इसपर दोगुना ध्यान दे रहे हैं। इसके नतीजे भी अच्छे मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनवरी-मार्च की तिमाही में सभी मानकों मसलन लेनदेन, टीपीवी, ऋण और राजस्व के मोर्चे पर हमारा कारोबार 20 प्रतिशत बढ़ा है। हम यह तब हासिल कर पाए हैं जबकि कोविड-19 की वजह से दिल्ली और कई शहरों में अंकुश लागू थे।

भारतपे दुकानदारों को क्यूआर कोड के जरिये डिजिटल भुगतान की सुविधा देती है। अब कंपनी की मौजूदगी 225 शहरों में है। कंपनी के मंच से अब 80 लाख से अधिक दुकानदार (मर्चेंट) जुड़े हैं।

31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्त वर्ष में इनकी संख्या 50 लाख थी। उन्होंने कहा कि कंपनी के मंच पर लेनदेन मूल्य (टीपीवी) सालाना आधार पर ढाई गुना बढ़कर 16 अरब डॉलर हो गया है। इसी तरह बिक्री केंद्र (पीओएस) कारोबार भी दोगुना हो गया है। मार्च तक हमारे मंच पर चार अरब लेनदेन हुए हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे मंच से कर्ज लेने वाले दुकानदारों की संख्या बढ़कर तीन लाख हो गई है जो एक साल पहले 1.6 लाख थी।

समीर ने कहा, हमने पिछले वित्त वर्ष में 65 करोड़ डॉलर का ऋण देने में मदद की। उन्होंने बताया कि कंपनी का अभी खरीदो-बाद में भुगतान करो उत्पाद काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इसे करीब पांच माह पहले पेश किया गया था। इसपर हर महीने 10 लाख लेनदेन हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी चालू वित्त वर्ष के अंत तक 300 शहरों में विस्तार करने की तैयारी है। समीर ने कहा कि कंपनी 18 से 24 माह में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है।

उस समय तक हमारा टीपीवी 40 से 45 अरब डॉलर और राजस्व 50 करोड़ डॉलर पर पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा मर्चेंट कारोबार 12 से 15 माह में मुनाफे की स्थिति में आ जाएगा।

सोना 445 और चांदी में 403 रुपये की साप्ताहिक तेजी

एजेंसी

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर मांग बरकरार रहने से बीते सप्ताह घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 445 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी में 402 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी रही।

समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में मिलाजुला रुख रहा।

सोना हाजिर 9.49 डॉलर प्रति औंस चढ़कर सप्ताहांत पर 1939.66 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 4.24 डॉलर प्रति औंस की बढ़त लेकर 1935.10 डॉलर प्रति औंस हो गया। वहीं, सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 0.08 डॉलर प्रति औंस फिसलकर 24.57 डॉलर प्रति औंस रही।

बीते सप्ताह देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 445 रुपये की तेजी लेकर 52170 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। साथ ही सोना मिनी 1381 रुपये की छलांग लगाकर 52931 रुपये प्रति दस ग्राम हो गई।

इसी तरह समीक्षाधीन अवधि में स्थानीय स्तर पर चांदी 403 रुपये मजबूत होकर 67028 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। साथ ही चांदी मिनी 292 रुपये महंगी होकर सप्ताहांत पर 67177 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

एटीएम से बिना डेबिट कार्ड के कैसे निकाले कैश

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों को निर्देश दिए हैं कि वे एटीएम में ऐसी व्यवस्था करें कि लोग बिना डेबिट कार्ड के भी कैश निकाल सकें. इसे ही Cardless cash withdrawal कहा जाता है. वास्तव में देश के बड़े शहरों में लगे एटीएम में अभी ऐसी व्यवस्था है कि आप अपने मोबाइल नंबर पर आने वाले ओटीपी की मदद से एटीएम से बिना डेबिट कार्ड के कैश की निकासी कर सकते हैं।

सवाल यह है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के बैंकों को यह निर्देश क्यों दिया है? वास्तव में पिछले कुछ समय में एटीएम में डेबिट कार्ड क्लोनिंग, स्कीमिंग या बदलने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. कोई आपकी मदद करने के नाम पर एटीएम में यह चालबाजी कर जाता है और आप कुछ नहीं कर पाते. इस वजह से लोगों के बैंक अकाउंट से धोखेबाज रकम निकालने में सफल हो रहे हैं. एक बार जब एटीएम से बिना डेबिट कार्ड के गैस निकलने निकालने की व्यवस्था हो जाएगी तो डेबिट कार्ड क्लोनिंग, स्कीमिंग या चुराने जैसी घटनाएं बीते दिनों की बात हो जाएंगी। आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी की बैठक का ब्यौरा देते हुए गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह घोषणा की. उन्होंने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने के लिए आरबीआई प्रतिबद्ध है. धोखाधड़ी के इन मामलों को रोकने के लिए अब देश के सभी बैंकों में कार्डलैस कैश विदड्राल सुविधा दी जाएगी. इस सुविधा के तहत अब एटीएम से पैसे निकालने के लिए आपको डेबिट कार्ड की जरूरत नहीं होगी।

बैंक में खुद को रजिस्टर कराएं

बिना एटीएम कार्ड के एटीएम से कैश निकालने की सुविधा पाने के लिए आपको सबसे पहले अपने बैंक में खुद को रजिस्टर कराना होगा. यह रजिस्ट्रेशन बैंक की शाखा या इंटरनेट बैंकिंग की मदद से भी हो सकता है. रजिस्ट्रेशन कराने के लिए आप बैंक के कस्टमर केयर सेंटर पर भी कॉल कर सकते हैं. एक बार बैंक में रजिस्टर होने के बाद आपको 4 अंकों का एक एमपिन मिलेगा. यह नंबर एटीएम पिन की तरह ही होगा. इसे आप यूजर ट्रांजैक्शन सिक्योरिटी कोड या अथॉरिटी कोड के रूप में भी प्रयोग कर सकते हैं।

राशन की दुकान पर मिलेंगे पोषक तत्व वाले फोर्टिफाइड चावल, जानिए क्या है खास, कैसे होता है तैयार

भारत जैसी बड़ी आबादी वाले देश में लोगों को पोषक तत्व उपलब्ध कराना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है. भारत सरकार अपनी तरफ से कई प्रयास कर रही है कि लोगों तक पोषक तत्व पहुंचाया जाए और खास तौर पर बच्चे कुपोषण से बच सकें. भारत में कुपोषण एक गंभीर समस्या है. 113 देशों के ग्लोबल फूड सिक्योरिटी इंडेक्स में भारत का नंबर 71 वां है. खाद्य मंत्रालय के मुताबिक देश में हर दूसरी महिला में खून की कमी है और हर तीसरा बच्चा कुपोषित है. भारत में कुपोषण गंभीर समस्या को दूर करने के लिए सरकार ने एक महत्वाकांक्षी अभियान Fortified rice शुरू किया है. इसके तहत मिड डे मील और राशन की दुकान पर फोर्टिफाइड राइस को बढ़ावा दिया जा रहा है।

फोर्टिफाइड राइस क्या है?

फोर्टिफाइड राइस का मतलब है, पोषणयुक्त चावल. इसमें आम चावल की तुलना में आयरन, विटामिन बी-12, फॉलिक एसिड की मात्रा अधिक है. इसके अलावा जिंक, विटामिन ए, विटामिन बी वाले फोर्टिफाइड राइस भी विशेष तौर पर तैयार किए जा सकते हैं. Fortified rice को आम चावल में मिलाकर खाया जाता है. Fortified rice देखने में बिल्कुल आम चावल जैसे ही लगते हैं. इनका स्वाद भी बेहतर होता है. भारत के फूड सेफ्टी रेग्युलेटर स्न्रस्न्ड्ढ के मुताबिक Fortified rice खाने से भोजन में पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है और स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

फोर्टिफाइड राइस कैसे बनते हैं?

फोर्टिफाइड राइस मिल में बनाया जाता है. इसे बनाने के दौरान Fortified rice में सूक्ष्म पोषक तत्व, विटामिन और खनिज की मात्रा को कृत्रिम तरीके से बढ़ाया जाता है. इसके लिए कोटिंग, डस्टिंग और एक्सट्रूजन (उत्सारण) जैसी तकनीक अपनाई जाती है. पहले सूखे चावल को पीसकर आटा बनाया जाता है, फिर उसमें सूक्ष्म पोषक तत्व मिलाए जाते हैं. उसके बाद पानी के साथ इन्हें सही तरीके से मिक्स किया जाता है।

फिर मशीनों की मदद से सुखाकर इस मिश्रण को चावल का आकार दिया जाता है, जिसे Fortified rice कर्नेल कहा जाता है।

शार्ट न्यूज

ऋषभ पंत के पदचिन्हों पर चल रहे हैं अनुज रावत

मुम्बई। अनुज रावत अपने तीसरी आईपीएल सीज़न में हैं लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से उन्हें नियमित रूप से मौक़े इसी साल में मिल रहे हैं। शनिवार को अपनी टीम की मुंबई इंडियंस पर सात विकेट से आसान जीत में अहम भूमिका निभाने वाले इस 22 वर्षीय खब्बू सलामी बल्लेबाज़ अनुज की कहानी में ऋषभ पंत से काफ़ी समानता है। वह भी मूलतया उत्तराखंड से हैं और एक आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज़ हैं जिन्होंने अपने करियर को बढ़ाने के लिए दिल्ली आने का फ़ैसला किया। अनुज नैनीताल ज़िले में जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान के लिए परिचित रामनगर से हैं। पंत की ही तरह अनुज की बल्लेबाज़ी की शैली आक्रामक है और वह गेंदबाज़ों पर शुरुआत से ही दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। अनुज ने जब अक्तूबर 2017 में दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफ़ी में डेब्यू किया था तब वह 18 साल के भी नहीं थे। तब से अब तक घरेलू क्रिकेट में सफ़ेद गेंद से उनके परफ़ॉर्मेंस में निरंतरता रही है। टी20 के सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफ़ी में उन्होंने पांच पारियों में 15 चौके और 10 छक्के लगाए। 2021-22 के 50-ओवर विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी में अनुज का औसत था 58.33 और स्ट्राइक रेट रहा 108.69 का, जो किसी भी दिल्ली के खिलाड़ी से बेहतर आंकड़े थे। साथ ही उनके आठ छक्के भी टीम के लिए सर्वाधिक थे। 2017-18 सीज़न में अनुज ने अपने पहले दो रणजी मैचों में अर्धशतक बनाए थे और दिसंबर 2018 में मध्य प्रदेश के विरुद्ध 36 पर पांच आउट होने के बाद अपना पहला शतक जड़ा था। 183 गेंदों पर 134 रनों के इस पारी के बदौलत दिल्ली को नौ विकेट की जीत मिली थी।आरसीबी के लिए अनुज एक शीर्ष क्रम में आक्रामक भारतीय विकल्प के अलावा एक बाएं हाथ के बल्लेबाज़ की भूमिका भी निभा रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को 217 पर निपटाया

पोर्ट एलिजाबेथ। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को बांग्लादेश को पहली पारी में 217 रन पर निपटा दिया। बांग्लादेश ने पांच विकेट पर 139 रन से आगे खेलना शुरू किया था। डुएन ओलिवियर ने 39 रन पर दो विकेट,वियान मुल्डर ने 25 रन पर तीन विकेट,साइमन हार्पर ने 39 रन पर तीन विकेट और केशव महराज ने 57 रन पर दो विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 453 रन बनाये थे। बांग्लादेश की तरफ से मुशफिकुर रहीम ने 51 और यासिर अली ने 46 रन बनाये। बांग्लादेश ने अपने आखिरी चार विकेट मात्र सात रन जोड़कर गंवाए।

मुंबई इंडियंस को वापसी करना आता है

मुम्बई। भूख और ललक। कप्तान रोहित शर्मा ने अपने साथियों से कुछ यही शब्द कोलकाता नाइट राइडर्स के ख़िलाफ़ मिली हार के बाद कहे थे। यह मुंबई की लगातार तीसरी हार थी। लेकिन इसके बावजूद रोहित ड्रेसिंग रूम में अपने साथियों से बात करते समय हताश नहीं दिखे। उन्होंने अपने साथियों को पैनिक न होने की हिदायत दी। लेकिन क्या शनिवार को मुंबई ने मैच के छोटे लम्हों को अपने कब्ज़े में करने के लिए भूख और ललक दोनों का प्रदर्शन किया? आप पावरप्ले के बाद हर्षल पटेल की गेंद पर रोहित के उस पूर्वनियोजित आक्रमण का क्या वर्णन करेंगे, जब हर्षल की ऑफ़ कटर उन्हें गच्चा दे गयी? वह भी तब जब मुंबई इंडियंस ने पावरप्ले में 49 रन बना लिए थे। उनके जोड़ीदार इशान किशन के बारे में आपकी क्या राय है, जिन्होंने यह जानते हुए भी अपर कट खेला कि लगातार आउट साइड द ऑफ़ स्टंप गेंदबाज़ी कर रही आरसीबी ने एक आसान से कैच के लिए ही फाइन लेग के फील्डर को शिफ़्ट किया है? तिलक वर्मा के उस नासमझी भरे रन लेने के बारे में क्या कहेंगे? अमूमन गुगली गेंद करने वाले हसरंगा की गुगली को पढ़ने में नाकाम रहे पोलार्ड के बारे में आप क्या सोचते हैं?

भारत और इंग्लैंड के बीच प्रो हॉकी लीग मैच रद्द

लुसाने (स्विट्ज़रलैंड)। भारतीय महिला हॉकी टीम के इंग्लैंड के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग मैच,जो इंग्लैंड टीम में कोरोना और चोटों के मुद्दे के कारण स्थगित कर दिए गए थे, रद्द कर दिए गए हैं। अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने यह जानकारी दी है। भारतीय टीम को इन दो रद्द हुए मैचों से छह अंक दे दिए गए हैं जो दो और तीन अप्रैल को होने थे लेकिन स्थगित कर दिए गए थे। एफआईएच ने एक बयान में शनिवार को कहा ,ये मैच भुवनेश्वर में दो और तीन अप्रैल को होने वाले थे लेकिन इंग्लिश टीम में कोरोना और चोटों के मुद्दे के कारण स्थगित कर दिए गए थे और इन मैचों को आखिरकार रद्द किया जा रहा है। तमाम प्रयासों के बाद इन मैचों को भारत में फिर से कराने की कोई नयी तारीख तय नहीं हो पायी। इसके बाद एफआईएच और दोनों देशों के बीच सहमति के बाद मैचों से उपलब्ध छह अंकों को भारत को दिया जाता है। छह अंक मिलने के बाद भारतीय टीम तालिका में ओलम्पिक विजेता हॉलैंड को पीछे छोड़कर 22 अंकों के साथ नंबर वन बन गयी है। हॉलैंड के 19 अंक हैं।

हर्षल पटेल की बहन का निधन, घर लौटे

पुणे। तेज गेंदबाज हर्षल पटेल की बहन का निधन हो गया है और हर्षल पटेल ने अपनी बहन के निधन के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 'बायो-बबल' छोड़ दिया है। आईपीएल के सूत्र ने कहा, दुर्भाग्य से, हर्षल को अपनी बहन के निधन के कारण बायो-बबल छोड़ना पड़ा। उन्होंने पुणे से मुंबई के लिए टीम बस नहीं ली। पिछले दो साल से हर्षल पटेल आरसीबी के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने मुंबई इंडियंस पर टीम की सात विकेट की जीत में दो विकेट चटकाए थे।आरसीबी के स्टार क्रिकेटर हर्षल पटेल 12 अप्रैल को सीएसके के खिलाफ मैच से पहले फिर से टीम के बायोबबल में जुड़ेंगे।आईपीएल मेगा ऑक्शन में हर्षल पटेल को आरसीबी टीम ने 10 करोड़ 75 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा था।

हमें अपनी बल्लेबाज़ी में सुधार करने की बेहद ज़रूरत है : रोहित

मुंबई। आईपीएल में लगातार चौथी हार झेलने के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा में कहा कि उनकी टीम को अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की बहुत जरूरत है। रोहित ने शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मिली सात विकेट की हार के बाद कहा, 150 को स्कोर पर्याप्त नहीं था। सूर्यकुमार यादव ने अपनी बढ़िया बल्लेबाज़ी के सहारे हमें सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। लेकिन आरसीबी के बल्लेबाज़ों ने सूझबूझ भरी बल्लेबाज़ी की। हमें अपनी बल्लेबाज़ी में सुधार करने की बेहद ज़रूरत है। बेंगलुरु के कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी ने अपनी टीम की तीसरी जीत के बाद कहा, मुंबई एक मज़बूत टीम है, हमारे गेंदबाज़ों ने बेहतरीन गेंदबाज़ी की। हालांकि अंत में सूर्यकुमार यादव ने अच्छी बल्लेबाज़ी की। लेकिन हमारे गेंदबाज़ों ने कुल मिलाकर अच्छी गेंदबाज़ी की। अनुज रावत ने टीम के लिए उम्दा प्रदर्शन कर दिखाया है। वह भविष्य के लिए बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं।

हार के बाद डगमगा गया है चेन्नई का आत्मविश्वास : फ़्लेमिंग

मुम्बई। यह सीज़न चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अब तक सबसे ख़राब सीज़न साबित हुआ है। अब तक के आईपीएल के इतिहास में चेन्नई सुपर किंग्स ने ऐसी ख़राब शुरुआत कभी नहीं की। चेन्नई को अपने पहले चारों मुक़ाबलों में हार का स्वाद चखना पड़ा है। टूर्नामेंट में चेन्नई की उम्मीदों को जीवित रखने को लेकर चर्चा भी शुरु हो गयी है। शनिवार को सनराइज़र्स के हाथों मिली आठ विकेट की करारी हार के बाद टीम के कोच स्टीफ़न फ़्लेमिंग की प्रतिक्रिया सामने आयी है। जिसमें उन्होंने यह बात स्वीकारी है कि अब चेन्नई सुपर किंग्स के खेमे का आत्मविश्वास डगमगाने लगा है। फ़्लेमिंग ने कहा, संक्षिप्त में, हमें बल्लेबाज़ी, गेंदबाज़ी और फील्डिंग सभी क्षेत्रों में सुधार करने की ज़रूरत है। फ़्लेमिंग ने कहा, शायद हर पहलू (खेल के) एक चिंता का विषय है।

भारत-पाकिस्तान सहित चार देशों के टूर्नामेंट के प्रस्ताव को मिला अन्य देशों का समर्थन

एजेंसी

लाहौर। रमीज़ राजा के चतुष्कोणीय टी 20 आयोजन के प्रस्ताव को आईसीसी की बैठक में उनकी प्रस्तुति से पहले कुछ गैर-विशिष्ट समर्थन मिला है। पीसीबी के अध्यक्ष रमीज़ राजा आईसीसी के समक्ष ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, पाकिस्तान और भारत के बीच एक वार्षिक चतुष्कोणीय टूर्नामेंट के आयोजन का प्रस्ताव रखने वाले हैं। इस टूर्नामेंट के आयोजन के पीछे रमीज़ की दलील है कि यह सभी सदस्यों के लिए राजस्व के अवसर पैदा करेगा।
हालांकि इस विशिष्ट योजना के वास्तविकता बनने की संभावना नहीं है। कम से कम अपने वर्तमान स्थिति में तो नहीं, जिसमें भारत और पाकिस्तान को नियमित रूप से खेलने और आठ पूर्ण सदस्यों को बाहर करने की आवश्यकता होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि इसे इस विचार के अधिक समर्थन के लिए प्रेरित किया गया है कि सदस्य खुद के चतुष्कोणीय टूर्नामेंट का आयोजन कर सकें।
वर्तमान समय में, तीन राष्ट्रीय टीमों से अधिक वाले किसी भी टूर्नामेंट को आईसीसी इवेंट माना जाता है। इसका अर्थ होता है कि यह आईसीसी द्वारा संचालित किया जाता है और व्यवसायिक रूप से यह एक आईसीसी इवेंट होता है। इससे होने वाली आय भी

टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों के बीच विभाजित की जाती है। रमीज़ राजा की चतुष्कोणीय टूर्नामेंट आयोजित कराने की योजना भी यही बताती है कि आईसीसी द्वारा इवेंट को नियंत्रित किया जाता है। दुबई में शुक्रवार को मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) की बैठक में विभिन्न बोर्ड के सीईओ ने सदस्यों के अपने स्वयं के चतुष्कोणीय आयोजनों को आयोजित करने में सक्षम होने के विचार की वकालत की।
बैठक में घटनाक्रम से अवगत दो अधिकारियों के अनुसार, कई बोर्डों ने इस विचार का समर्थन किया। हालांकि इस विचार से सभी सदस्यों की आम सहमति नहीं थी, लेकिन इंग्लैंड (ईसीबी), ऑस्ट्रेलिया (सीए), वेस्टइंडीज़ (सीडब्ल्यूआई) और पाकिस्तान (पीसीबी) के क्रिकेट बोर्ड इसके पक्ष में थे। एक अधिकारी के मुताबिक ईसीबी के सीईओ टॉम हैरिसन ने बैठक में इस विचार को प्रकट किया था।
हालांकि हैरिसन का विचार सीधे तौर पर रमीज़ की योजना से जुड़ा हुआ नहीं था। लेकिन पीसीबी के एक अधिकारी ने इसे अपनी जीत करार दिया क्योंकि यह दर्शाता है कि बोर्ड के अन्य सदस्य भी चतुष्कोणीय टूर्नामेंट की परिकल्पना कर रहे हैं। हालांकि मुख्य कार्यकारी समिति की बैठक में बीसीसीआई का रुख़ अभी स्पष्ट नहीं है। लेकिन ऐसे संकेत मिले हैं कि बीसीसीआई ने भी इस चतुष्कोणीय टूर्नामेंट का सीधे तौर पर विरोध नहीं किया। दिसंबर 2019 में चार देशों की सीरीज़ का सबसे पहले प्रस्ताव देने वाले भी बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ही थे।
विचार कितना आगे जाता है यह सीईसी के बीच समर्थन के स्तर पर निर्भर करता है। ऐसा माना जाता है कि बोर्ड के सामने प्रस्ताव रखने से पहले एक स्पष्ट बहुमत से सहमत होने की आवश्यकता होगी और यदि एक बार बोर्ड स्तर पर सहमति हो जाती है, तब इवेंट की मंज़ूरी के संबंध में नियमों में बदलाव किए जा सकते हैं। चतुष्कोणीय आयोजनों का प्रश्न किसी भी हाल में बोर्ड की बैठक में ही आता क्योंकि रमीज़ हमेशा वहीं अपना प्रेजेंटेशन देने वाले थे। लेकिन वह प्रस्तुति अब व्यापक चर्चा में बदल सकती है।

दिल्ली ने कोलकाता को 44 रन से हराया

मुम्बई। सलामी बल्लेबाजों पृथ्वी शॉ (51) और डेविड वार्नर (61) के शानदार अर्धशतकों तथा शार्दुल ठाकुर (नाबाद 29) और अक्षर पटेल (नाबाद 22) की तूफानी पारियों के बाद चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव (35 रन पर चार विकेट) और खलील अहमद (25 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी से दिल्ली कैपिटल्स ने कोलकाता नाईट राइडर्स को रविवार को आईपीएल मुकाबले में 44 रन से हरा दिया।

दिल्ली ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 215 रन का विशाल स्कोर बनाया और कोलकाता को 19.4 ओवर में 171 रन पर थाम लिया। दिल्ली की चार मैचों में यह दूसरी जीत है जबकि कोलकाता की पांच मैचों में दूसरी हार है।
विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए कोलकाता की तरफ से कप्तान श्रेयस अय्यर ने 33 गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 54 रन की शानदार पारी खेली। अय्यर ने कुलदीप यादव के ओवर में छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर बड़ा शॉट मारने की कोशिश में गेंद चूक गए और ऋषभ पंत ने उन्हें स्टंप कर दिया। नीतीश राणा ने 30 और आंद्रे रसेल ने 24 रन बनाये। ओपनर वेंकटेश अय्यर ने 18 और सैम बिलिंग्स ने 15 रन बनाये। दिल्ली की तरफ से कुलदीप के चार और खलील के तीन विकेटों के अलावा शार्दुल ठाकुर ने दो और ललित यादव ने एक विकेट लिया। इस मैच को याद किया जाएगा पृथ्वी शॉ और डेविड वॉर्नर की बल्लेबाज़ी के लिए, कुलदीप और ख़लील की गेंदबाज़ी के लिए, लेकिन सबसे अधिक याद किया जाएगा कुलदीप यादव के कैच के लिए, कोई भी गेंदबाज़ अपनी गेंद पर ऐसा कैच बहुत ही कम लपक पाता है, जिस तरह से उन्होंने उमेश यादव का कैच लिया। बाक़ी उनकी गेंदबाज़ी तो कमाल की ही रही और चार विकेट लेकर वह अब पर्पल कैप धारक हैं।
इससे पहले टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए पृथ्वी और वार्नर ने ओपनिंग साझेदारी में 93 रन जोड़ डाले। पृथ्वी ने 29 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाए। कप्तान ऋषभ पंत 14 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों के सहारे 27 रन बनाकर टीम के 148 के स्कोर पर आउट हुए। दिल्ली ने 166 रन तक जाते जाते तीन और विकेट गंवा दिए और उसका स्कोर पांच विकेट पर 166 रन हो गया। वार्नर ने 46 गेंदों पर 61 रन में छह चौके और दो छक्के लगाए।
अक्षर पटेल ने 14 गेंदों पर नाबाद 22 रन में दो चौके और एक छक्का लगाया जबकि ठाकुर ने मात्र 11 गेंदों पर नाबाद 29 रन में एक चौका और तीन छक्के लगाए। पृथ्वी शॉ और डेविड वॉर्नर की अगुवाई में दिल्ली कैपिटल्स ने तेज़ और सधी हुई शुरुआत की थी और एक समय 250 का स्कोर भी मुमकिन लग रहा था, लेकिन केकेआर के गेंदबाज़ों ने वापसी की और नियमित अंतराल पर विकेट लेकर उन्हें 215 पर ही रोक दिया। अंत में शार्दुल ठाकुर और अक्षर पटेल ने 20 गेंदों में 49 रन की अविजित साझेदारी कर दिल्ली को 200 के ऊपर पहुंचाया।

हैदराबाद के सामने गुजरात का विजय रथ रोकने की चुनौती

एजेंसी

मुम्बई। सनराइज़र्स हैदराबाद ने आखिरकार अपना खाता खोल लिया है लेकिन अब उनके सामने हैं आईपीएल 2022 की इकलौती अविजित टीम गुजरात टाइटंस। दोनों टीमों के बीच सोमवार को मुकाबला होना है और गुजरात के विजय रथ को रोकने के लिए हैदराबाद को एड़ी-चोटी का जोर लगाना होगा।
सनराइजर्स ने शनिवार को चेन्नई सुपरकिंग्स को हराकर अपनी जीत का खाता खोला है। सनराइज़र्स अच्छी शुरुआत के लिए अपने कप्तान केन विलियमसन पर निर्भर होते हैं। इस मैच में विलियमसन के सामने नई गेंद से तीन ऐसे गेंदबाज़ होंगे जिन्होंने उन्हें नियमित तरीक़े से परेशान किया है। जहां मोहम्मद शमी द्वारा नौ परियों में 12.8 की औसत से उन्हें चार बार आउट किया जाना किसी भी गेंदबाज़ का इस प्रारूप में उनके विरुद्ध सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड है, वहीं हार्दिक पंड्या (23.5

की औसत, दो बार आउट) और लॉकी फ़र्ग्युसन (11 की औसत, एक बार आउट) का भी विलियमसन के खिलाफ अच्छा रिकॉर्ड है।
पावरप्ले में गुजरात हावीः इस सीज़न के 18वें मैच की समाप्ति के बाद तक गुजरात टाइटंस की पावरप्ले गेंदबाज़ी विशिष्ट रूप से दूसरे टीमों के मुक़ाबले सर्वश्रेष्ठ रही है। तीन मैचों में उनके लिए गए नौ विकेट सिर्फ़ कोलकाता नाइट राइडर्स ने चार मुक़ाबलों में हासिल किए हैं। वहीं पावरप्ले में औसत (13.1) और गेंद प्रति विकेट (12) किसी भी टीम से बेहतर है। इस पड़ाव में 6.6 की इकॉनमी केवल राजस्थान रॉयल्स (6.2) के बाद आती है। और उनके सामने ऐसी टीम है जिन्होंने 18.2 औसत रन प्रति विकेट और 5.1 के रन रेट से इस पड़ाव में बल्लेबाज़ी की है। यह आंकड़े चिंताजनक तो हैं ही लेकिन साथ में यह तथ्य भी है कि इस सीज़न का सबसे कम पावरप्ले स्कोर भी सनराइज़र्स के नाम है जब उन्होंने राजस्थान के विरुद्ध 14/3 बनाए थे।
हार्दिक के लिए एक चुनौतीपूर्ण विपक्षः गुजरात के कप्तान हार्दिक पंड्या ने बल्ले और गेंद दोनों से टीम की बढ़िया अगुआई की है। हालांकि सनराइज़र्स के ख़िलाफ़ उनका रिकॉर्ड बतौर बल्लेबाज़ काफ़ी साधारण है। उन्होंने 10 पारियों में 11.8 की औसत और 86 के स्ट्राइक रेट से 106 रन बनाए हैं। 10 पारियों में उनका स्कोर पांच बार 10 से भी कम का रहा है और वह कभी 30 के पड़ाव तक भी नहीं पहुंचे हैं। नई टीम में नई भूमिका के चलते इस रिकॉर्ड में सुधार लाने की उनकी पूरी कोशिश रहेगी। यॉर्कर विशेषज्ञ की वापसीः सनराइज़र्स के लिए टी नटराजन अपने परिचित अंदाज़ में आख़िरी ओवरों में प्रभाव डालते हुए नज़र आ रहे हैं।

इमरान की छुट्टी के बाद पाकिस्तान में इस्तीफों की बरसात, पीटीआई ने कहा- आंदोलन होगा

नई दिल्ली। पाकिस्तान की इमरान खान सरकार के जाते ही वहां इस्तीफों की बरसात शुरू हो गई है। एक तरफ जहां इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने नेशनल असेंबली में सामूहिक इस्तीफा दे दिया है, तो वहीं अब राज्यों के गवर्नर भी अपना इस्तीफा दे सकते हैं। इसके अलावा इमरान सरकार में सूचना मंत्री रहे फवाद चौधरी का कहना है कि पीटीआई नई सरकार के खिलाफ देशभर में आंदोलन शुरू करेगी।
दरअसल, नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव हारने के बाद इमरान खान सरकार गिर गई है। इसके साथ ही अब वहां नई सरकार बनने की कवायदें तेज हो गई हैं। इसी बीच जियो टीवी ने

अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि पाकिस्तान में इस्तीफों का दौर शुरू हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जल्द ही पंजाब, खैबर पख्तूनवां और सिंध जैसे राज्यों के गवर्नर अपना इस्तीफा दे सकते हैं।
इससे पहले नेशनल असेंबली इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने में सामूहिक इस्तीफा दे दिया है। सरकार के अलावा अन्य प्रतिष्ठानों से भी इस्तीफे की खबरें आ रही हैं। जियो टीवी ने यह भी बताया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में भी भूचाल आ गया है और जल्द ही इमरान के करीब माने जाने वाले पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा भी अपना इस्तीफा दे सकते हैं।
उधर अविश्वास प्रस्ताव हारने के बाद इमरान खान का पहला रिएक्शन आया है। उन्होंने ट्वीट किया है विदेशी साजिश के खिलाफ फिर से आजादी का संघर्ष शुरू हो गया है। उन्होंने यह भी लिखा कि हमेशा पाकिस्तान के लोग अपनी संप्रभुता और लोकतंत्र की रक्षा करते हैं। इसके अलावा पीटीआई के आधिकारिक हैंडल से एक तस्वीर पोस्ट की गई है जिसमें इमरान खान पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर रहे हैं।
बता दें कि नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव को रोकने के कई प्रयासों के बावजूद आधी रात को वोटिंग हुई। 342 सदस्यीय सदन में 174 सदस्यों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। सत्ता से बेदखल होते ही इमरान पर पाबंदियों का दौर शुरू हो गया है। वह देश छोड़कर नहीं जा सकेंगे, वहीं उनकी पार्टी के नेता के घर छापा मारा गया है। अविश्वास प्रस्ताव में इमरान की हार के बाद अब शाहबाज शरीफ का पीएम बनना तय माना जा रहा है।

रूसी हमले से पहले ही बाइडेन ने बढ़ाए पेट्रोल के दाम : ट्रम्प

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्रपति जो बाइडेन पर यूक्रेन पर रूसी हमले से पहले ही पेट्रोल के दाम बढ़ाने का आरोप लगाया है। ट्रम्प ने उत्तर केरोलाइना के सेल्मा में आयोजित शनिवार की रैली में अपने समर्थकों से कहा, जो हो रहा है वह अकल्पनीय है। क्या आपको ऊर्जा स्वतंत्रता याद है? हमारे पास इतनी (ईंधन) थी कि हमारे पास एक साल में रूस और सऊदी अरब की तुलना में दोगुना तेल होता। ट्रम्प ने कहा कि उनके कार्यकाल में, अमेरिका में पेट्रोल दो डॉलर प्रति गैलन से कम था। गैस की बढ़ती कीमतों के बीच अमेरिकी अब छोटी कारों की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यूक्रेन (संकट) से बहुत पहले, बाइडेन ने ग्रीन न्यू डील लाकर पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी की। हम सभी जगह पवन चक्कियां चाहते हैं, मुझे यहां कोई पवनचक्की नहीं दिख रही है... अगर आपके घर के पास एक पवनचक्की है, आपका घर एक तरह से बेकार है, सभी पक्षियों को मार देती है, आपके परिदृश्य को बर्बाद कर देती है, और ऊर्जा का सबसे महंगा साधन है।

चीन में लॉकडाउन का विरोध भी नहीं कर पा रहे नागरिक, खिड़कियों से चीख रहे भूखे-प्यासे लोग

बीजिंग। चीन के शंघाई में कोरोना और सरकार की सख्ती के बाद हाहाकार मचा हुआ है। 2.6 करोड़ की आबादी वाला शहर जिसे चीन की वित्तीय राजधानी कहा जाता था, आज वहां लोग दाना पानी के लिए तरस रहे हैं। सरकार की तरफ से लॉकडाउन में ढील देने की भी कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है।
सोशल मीडिया पर शंघाई के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं जिसमें साफ देखा जा सकता है कि लोग बिना खाना-पानी और दवा के किस तरह से तड़प रहे हैं। घरों से बाहर निकले पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है। अब लोग अपनी बालकनी और खिड़कियों

से ही झांकते नजर आते हैं। गुस्से में वे खिड़कियों से चीखकर सरकार के खिलाफ विरोध जाहिर करते हैं।
जब लोगों ने खिड़कियों से चिल्ला-चिल्लाकर विरोध किया तो सरकार ने भी प्रतिक्रिया में कह दिया कि आजादी की अपनी इच्छा को दबाकर रखें। प्रशासन ने लोगों पर नजर रखने के लिए ड्रोन तैनात कर दिए हैं। इसके अलावा लोगों को संदेश देने के लिए भी ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकार ने यहां तक कह दिया है कि लोग अपनी खिड़कियां न खोलें, इससे भी महामारी फैलने का डर है।
शंघाई में कई जगहों पर लोगों की हिम्मत जवाब दे गई और हिंसा भी होने लगी। बड़ी संख्या में लोग प्रशासन के खिलाफ सड़क पर उतर आए। 1 अप्रैल से पूरे शंघाई में कड़ा लॉकडाउन लगा है। सरकार ने 2000 सेना के डॉक्टर और 10 हजार मेडिकल स्टाफ को शंघाई भेजा है। यहां हाल यह है कि कई बार बच्चों को भी क्वारंटीन करने के लिए मां-बाप से अलग कर दिया जाता है।

20वें संशोधन को खत्म करने की तैयारी कर रहा विपक्ष

कोलंबो। श्रीलंका की मुख्य विपक्षी पार्टी समागी जन बालवेगया (एसजेबी) संसदीय समूह ने 20वें संशोधन को रद्द करने और कार्यकारी अध्यक्ष पद की शक्तियों को खत्म करने के लिए एक निजी सदस्य विधेयक लाने का फैसला किया है। स्थानीय मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। विपक्ष के नेता लक्ष्मण किरीला ने कहा कि समूह ने सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया है और इसे मंजूरी देने के लिए श्रीलंका पोडुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) के कुछ सांसदों का समर्थन हमें प्राप्त है। किरीला ने कहा,विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा अन्य दलों के सांसदों का समर्थन प्राप्त करने के लिए जल्द ही उनसे मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा,हमें संख्या पर भरोसा है क्योंकि हम कुछ एसएलपीपी सांसदों के साथ-साथ उन लोगों का समर्थन हासिल करने की कोशिश करेंगे, जिन्होंने अलग होने का फैसला किया है।

इजरायलः बन्नी ब्रैक आतंकवादी हमले में आठ संदिग्ध गिरफ्तार

येरूशलेम। इजरायली सेना ने वेस्ट बैंक के फिलिस्तीनी गांव याबाद में एक ऑपरेशन के दौरान आठ लोगों को गिरफ्तार किया। यह ऑपरेशन इजरायल में बन्नी ब्रैक में हुए आतंकवादी हमले के बाद चलाया जा रहा है। स्थानीय मीडिया ने रविवार को इजरायल सुरक्षा बल (आईडीएफ) के हवाले से यह खबर दी। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने याबाद गांव में बड़े पैमाने पर छापेमारी की, जहां फिलीस्तीनी आतंकवादी पिछले हफ्ते बन्नी ब्रैक में हमला किया था, जिसमें पांच लोग मारे गए थे। आईडीएफ ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान सशस्त्र बलों ने अवैध हथियार जब्त किए और आठ फिलिस्तीनियों को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के संदेह में गिरफ्तार किया। हालांकि छापेमारी के दौरान प्रदर्शनकारियों ने हमले करने शुरू कर दिया और अधिकारियों पर विस्फोटक उपकरण फेंके। आईडीएफ ने बताया कि इस हमले में इजरायली सैनिकों को चोट नहीं आई। गौरतलब है कि पिछले कुछ हफ्तों में इज़राइल में सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति खराब हुई है। जिसमें मार्च से अभी तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है।

दक्षिण कोरिया में कोरोना के 1,64,481 मामले दर्ज

सियोल। दक्षिण कोरिया में शनिवार रात तक कोरोना वायरस के 1,64,481 नए मामले दर्ज किये गए। इसके साथ ही देश में दर्ज किये गए कुल कोरोना मामलों की संख्या 1,53,33,670 हो गयी है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी ।वायरस के अत्यधिक संक्रामक ओमिक्रॉन संस्करण और इसके उपप्रकार बीए.2 के प्रसार के कारण संक्रमण में उछाल देखा गया है। इसी बीच कोविड-19 के कारण 329 लोगों की मौत हुई, जिससे मरने वालों की कुल संख्या 19,421 हो गई। देश में मृत्यु दर 0.13 प्रतिशत है।

श्रीलंका से भारत में शरण लेने आए 19 तमिल

रामेश्वरम। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका से सात महिलाओं और पांच बच्चों सहित 19 तमिल रविवार को भारत में शरण लेने के लिए अवैध नौका के माध्यम से तमिलनाडु के रामेश्वरम स्थित अरिचलमुनाई तट पर पहुंचे। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि जाफना और मन्नार जिलों से 19 श्रीलंकाई तमिल परिवार दो जत्थों में भारत पहुंचे। उनमें से दस ने एक किराए की श्रीलंकाई फाइबर नाव ले दनुशकोडी के पास रेत के टीले पर छोड़ दिया था। भारतीय तटरक्षक बल ने इन सभी को बचा लिया। तटीय सुरक्षा समूह (सीएसजी) की समुद्री पुलिस द्वारा पूछताछ के बाद, उन्हें रामनाथपुरम जिले के मंडपम में शरणार्थियों के शिविर में रखा गया था। श्रीलंकाई तमिलों ने मीडिया को बताया,बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों, भोजन की कमी त्रस्त होकर हम यहां शरण लेने आए थे। गौरतलब है कि पिछले महीने भी 16 तमिल गुपचुप तरीके से तमिलनाडु पहुंचे थे।

पीटीआई सदस्य सामूहिक रूप से देंगे एनए से इस्तीफाः चौधरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री एवं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता फवाद चौधरी ने रविवार को घोषणा की कि पार्टी के सदस्य सोमवार को नेशनल असेंबली से सामूहिक रूप से इस्तीफा देंगे। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक इस्तीफा देने का निर्णय पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ के प्रधानमंत्री चुनाव के लिए नामांकन पत्र की स्वीकृति को मद्देनजर लिया गया है। पीटीआई ने श्री शरीफ को लेकर आपत्ति जतायी थी, जिसे एनए सचिवालय ने खारिज कर दिया और श्री शहबाज के नामांकन को स्वीकार कर लिया। चौधरी ने यहां मीडिया से बात करते हुए कहा कि पीटीआई की केंद्रीय कोर कार्यकारी समिति की बैठक बानी गाला में पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के साथ हुई और वहां 'पूरी स्थिति का विश्लेषण किया गया।' समिति ने श्री इमरान को सुझाव दिया कि पीटीआई को एनए के साथ ही विधानसभाओं से इस्तीफा दे देना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

फिल्म अनेक को दिल के करीब मानते हैं आयुष्मान खुराना

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी आने वाली फिल्म अनेक को दिल के करीब मानते हैं।
आयुष्मान खुराना की इस वर्ष अनेक, डॉक्टर जी और एन एक्शन हीरो जैसी तीन फिल्में रिलीज होने वाली हैं। आयुष्मान खुराना ने बतया, मुझे उम्मीद है कि मेरा यह साल काफी रोमांचक होने वाला है, क्योंकि मेरी 2022 में कई फिल्में रिलीज होंगी। मैंने हमेशा अच्छा कंटेंट वाले प्रोजेक्टों को ही चुना है, जिसका दर्शक लुफ्त उठाते हो। अनेक 2022 की मेरी पहली रिलीज होगी। अनेक एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जो मेरे दिल के बेहद करीब है और यह एक शक्तिशाली फिल्म है। क्योंकि यह फिल्म दर्शकों के बीच देशभक्ति की भावना को जगाएंगी।
आयुष्मान ने कहा, डॉक्टर जी एक ऐसे विषय पर है, जो लोगों को सबसे मनोरंजक तरीके से एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे के बारे में बताएंगी और लोगों को सोचने पर मजबूर करेगी। वहीं, एन एक्शन हीरो थोडी अलग हटकर है।
मुझे पहली बार खुद को इस शैली में ढूंढना अच्छा लगा।
मुझे पता है कि यह फिल्म पूरे भारत में सिनेमा प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करेंगी।

अमिताभ ने फिल्म दसवीं में निमरत कौर के अभिनय की तारीफ की

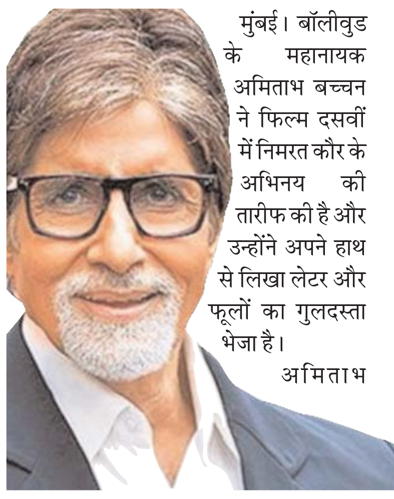

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने फिल्म दसवीं में निमरत कौर के अभिनय की तारीफ की है और उन्होंने अपने हाथ से लिखा लेटर और फूलों का गुलदस्ता भेजा है। अमिताभ को फिल्म दसवीं में निमरत कौर की परफॉर्मेंस बेहद पसंद आई, जिसके बाद उन्होंने निमरत कौर के लिए एप्रिसिएशन लेटर लिखा।

इस बात की जानकारी निमरत कौर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक इमोशनल पोस्ट के जरिए दी।

निमरत कौर ने लिखा, जब मैंने 18 साल पहले मुंबई शहर में कदम रखा था। तब यह कल्पना ही जेहन में थी कि एक दिन अमिताभ बच्चन मुझे मेरे नाम से मुझे जानें।

एक टेलीविजन ऐड में उन्होंने मेरी सराहना की और आज सालों बाद एक नोट और फूल भेजे हैं। अमिताभ बच्चन सर आपको मेरा सहप्रेम, अनंत धन्यवाद।

आज अल्फाज और भावनाएं, दोनों कम पड़ रही हैं। आपका यह स्नेहपूर्वक पत्र आजीवन मुझे प्रेरित करता रहेगा और आपके इस अमूल्य गुलदस्ता रूपी आशीर्वाद की महक मेरी जिंदगी के हर कदम पर बनी रहेगी।

आपसे मिली इस शाबाशी से एक चुप्पी महसूस हो रही हैज्जैसे किसी विशाल पर्वत या प्राचीन मंदिर के सामने होती है। आपकी श्रद्धापूर्वक, सदैव आभारी, निमरत।

गौरतलब है कि फिल्म दसवीं में अभिषेक बच्चन, निमरत कौर और यामी गौतम ने मुख्य भूमिका निभायी है।

कंगना रनौत ने मुनव्वर फारुकी को जमकर लताड़ा, कहा- मैं तो टूटे हुए पैर के साथ शूटिंग कर चुकी हूं

नई दिल्ली। कंगना रनौत के 'लॉकअप' में कैदियों का एक और हफ्ता पूरा हुआ और वीकेंड पर बॉलीवुड क्वीन सभी का हिसाब करने एक बार फिर आईं। जजमेंट डे पर कंगना रनौत मुनव्वर फारुकी से काफी डिसअपॉइंटेड नजर आईं और उन्होंने बाकी खिलाड़ियों को भी उनके ढुलमुल रवैये के लिए लताड़ा। कंगना रनौत ने इन खिलाड़ियों के एटिट्यूड पर सवाल उठाते हुए याद किया कि कैसे उन्होंने भी टूटे हुए पैर के बावजूद शूटिंग की थी।

कंगना रनौत ने मुनव्वर फारुकी को लताड़ा

कंगना रनौत ने मुनव्वर फारुकी से सवाल किया कि आखिर क्यों वह पूरे वक्त लॉकअप की जेल में पड़े रहते हैं और शायद ही कभी एक्टिव नजर आते हैं। कंगना रनौत इस बात से काफी असंतुष्ट नजर आईं कि कैसे मुनव्वर गेम में पार्टिसिपेट नहीं कर रहे हैं। लॉकअप की होस्ट कंगना रनौत ने कहा कि कैदियों को इस बात की आदत हो चुकी है कि वो खुद को बीमार दिखाते रहते हैं, जो कि वह असल में हैं नहीं।

लोगों को इसकी आदत लग गई है

कंगना रनौत ने कहा, आप लोगों को अपनी बीमारी फ्लॉन्ट करने की आदत हो गई है। कंगना रनौत ने बताया कि किस तरह कलाकारों को हर वक्त एनर्जेटिक रहने की जरूरत होती है। कंगना रनौत ने बताया कि कैसे कलाकारों को काफी कम तापमान और आपातकालीन हालातों में भी शूटिंग करनी पड़ती है। कंगना रनौत ने कहा कि किसी को भी इस तरह अनएक्साइडेड होकर गेम नहीं खेलना चाहिए।

टूटे पैर के बावजूद की थी शूटिंग

कैदियों को डांटते हुए कंगना रनौत ने अपना पुराना वक्त याद किया और कहा कि फिल्म तनु वेड्स मनु की शूटिंग के दौरान उनके एक पैर में फ्रैक्चर था। कंगना रनौत ने बताया कि पैर टूटा होने के बावजूद भी वह बैकफुट पर नहीं आई थीं। कंगना रनौत ने कहा कि वह उन हालातों में भी एनर्जेटिक बनी रहीं और टूटे हुए पैर के बावजूद क्लोजअप शॉट दिए थे। बता दें कि ये फिल्म साल 2010 में रिलीज हुई थी।

गुरमीत चौधरी ने पहली बार बेटी का वीडियो किया शेयर, फैन्स ने लुटाया प्यार

एजेंसी

मुंबई। टीवी के पॉपुलर कपल गुरमीत चौधरी और देबीना बनर्जी हाल ही में पैरेंट्स बने हैं। उनके घर एक नन्ही परी का जन्म हुआ है। गुरमीत और देबीना बच्चे के जन्म के बाद काफी एक्साइटेड हैं। देबीना जब अस्पताल से घर आ रही थीं तो गुरमीत के साथ उन्होंने पपराजी के सामने पोज दिए थे। गुरमीत ने बेटी को बेबी बास्केट में लिया था। घर आने पर कपल ने बच्चे के जन्म की खुशी को सेलिब्रेट किया था। अब गुरमीत चौधरी ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उनका और बेटी का हाथ दिख रहा है। हालांकि उन्होंने चेहरा रिवील नहीं किया है।

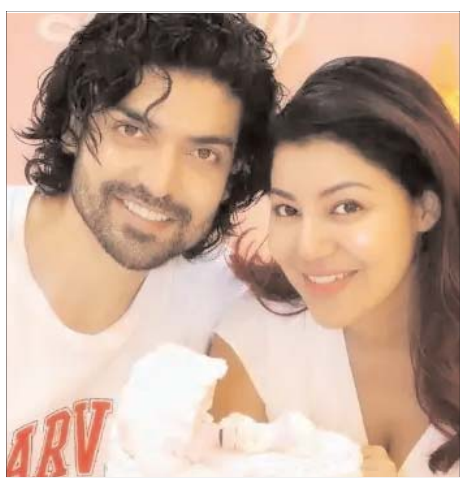

बेटी के साथ क्यूट वीडियो

गुरमीत की ऊंगलियों को उनकी बेटी पकड़ने की कोशिश कर रही है। वे उनके हाथों से खेल रहे हैं। वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'मेरी छोटी प्रिंसेस।' टीवी के कई सेलिब्रिटीज ने उनके इस वीडियो पर प्यार जताया। रश्मि देसाई ने हार्ट आइज का इमोजी कमेंट सेक्शन में पोस्ट किया।

फैन्स ने लुटाया प्यार

गुरमीत के एक फैन लिखते हैं, 'बहुत प्यारी मेरी जान।' एक दूसरे यूजर ने कहा, 'भगवान का आशीर्वाद तुम पर बना रहे प्रिंसेस।' एक यूजर ने लिखा, 'मेरी प्यारी एंजेल के छोटे हाथ।' कई यूजर्स ने गुरमीत से बेटी का चेहरा दिखाने की गुजारिश की।

अयान मुखर्जी ने फिल्म ब्रह्मास्त्र के गाना केसरिया की एक झलक शेयर की

मुंबई। बॉलीवुड निर्देशक अयान मुखर्जी ने अपनी आने वाली फिल्म ब्रह्मास्त्र के गाना केसरिया की एक झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है। अयान मुखर्जी ने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को लेकर फिल्म ब्रह्मास्त्र बनायी है। इस फिल्म के निर्देशक अयान मुखर्जी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के गाने केसरिया की एक झलक फैंस के साथ साझा की है। अयान मुखर्जी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, प्यार रोशनी है! एक प्यार - जो फिल्म से परे, और जीवन में आग की तरह फैल गया। तो ये रहा, हमारा लव पोस्टर! समय इसके लिए सही लगता है, इन दिनों हवा में कुछ ज्यादा ही प्यार है। और इसके साथ, केसरिया, प्रीतम (दादा), अमिताभ भट्टाचार्य, अरिजीत के जादू की एक छोटा सी झलक। गौरतलब है कि अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित, फॉक्स स्टार स्टूडियोज, धर्मा प्रोडक्शंस, प्राइम फोकस और स्टारलाईट पिक्चर्स द्वारा निर्मित ब्रह्मास्त्र 09 सितंबर को पांच भारतीय भाषाओं हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी। इस फिल्म में रणबीर और आलिया के अलावा अमिताभ बच्चन, मौनी रॉय और नागार्जुन अक्किनेनी भी अहम किरदार में नजर आयेंगे।

बढ़ती गर्मी में कर रहे हैं एक्सरसाइज, तो इन टिप्स को ना करें नजरअंदाज

मिताली जैन

गर्म दिन में हाइड्रेटेड रहने के लिए पानी आपका सबसे अच्छा दोस्त है; हालांकि, यदि आप 60 मिनट से अधिक समय तक व्यायाम करने की योजना बना रहे हैं, तो आप स्पोर्ट्स ड्रिंक पीने पर भी विचार कर सकते हैं।

पारा बढ़ने लगा है और ऐसे में व्यक्ति के लिए शरीर के तापमान को मैनेज करना काफी मुश्किल हो रहा है। ऐसे में अगर आप खुद को फिट रखने के लिए एक्सरसाइज करते हैं तो इससे आपके शरीर का तापमान और भी अधिक बढ़ सकता है। ऐसा देखने में आता है कि गर्मी के मौसम में एक्सरसाइज करते हुए लोगों को ना केवल अत्यधिक पसीना आता है, बल्कि बॉडी भी डिहाइड्रेट होती है। इतना ही नहीं, गर्मी के मौसम में वर्कआउट करने से लोगों को सिर में दर्द व चक्कर आना जैसी शिकायतें भी होती है। आपके साथ ऐसी कोई समस्या ना हो, इसके लिए आपको गर्मी में एक्सरसाइज करते हुए कुछ बातों का ख्याल रखना होता है-

ले कोल्ड शॉवर

अगर आप चाहते हैं कि वर्कआउट करते हुए आपको शरीर के बढ़े हुए तापमान के कारण समस्या ना हो, इसके लिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप कसरत शुरू होने से पहले एक कोल्ड शॉवर लें। ध्यान दें कि शॉवर के बाद आप ब्लो ड्रायर का इस्तेमाल ना करें। यह आपको वर्कआउट के दौरान ठंडा रखने में मदद करेगा।

हाइड्रेटेड रहें

गर्म दिन में हाइड्रेटेड रहने के लिए पानी आपका सबसे अच्छा दोस्त है;

हालांकि, यदि आप 60 मिनट से अधिक समय तक व्यायाम करने की योजना बना रहे हैं, तो आप स्पोर्ट्स ड्रिंक पीने पर भी विचार कर सकते हैं। लंबे समय तक वर्कआउट करते समय स्पोर्ट्स ड्रिंक महत्वपूर्ण हैं, खासकर गर्मी में, क्योंकि इनमें पोटेशियम और इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं जो आपके शरीर को फिर से हाइड्रेट करने में मदद कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वर्कआउट के बाद आप नारियल पानी या नींबू पानी आदि पी सकते हैं।

कपड़ों पर दें ध्यान

गर्मी के मौसम में वर्कआउट करते समय अपने कपड़ों पर भी विशेष ध्यान दें। आपके कपड़े हल्के कलर के होने चाहिए। साथ ही, वर्कआउट के दौरान वह पसीने के कारण शरीर से चिपके नहीं।

सनस्क्रीन मत भूलना

गर्मी के दिनों में वर्कआउट करने से पहले सनस्क्रीन लगाना ना भूलें। भले ही आप सुबह जल्दी एक्सरसाइज कर रहे हैं, लेकिन फिर भी सूरज की किरणें आपकी स्किन पर विपरीत प्रभाव डाल सकती हैं।

कम से कम 50 के एसपीएफ़ और वाटर-प्रूफ वाले सनस्क्रीन का विकल्प चुनें ताकि एक बार पसीना आने पर वह न उतरे।

समय का रखें ध्यान

सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक गर्मियों में दिन का सबसे गर्म समय होने के लिए जाना जाता है। अगर आप आउटडोर में एक्सरसाइज करना चाहते हैं, तो इस दौरान एक्सरसाइज करने से बचें। आप सुबह जल्दी या फिर देर शाम एक्सरसाइज कर सकते हैं, ताकि सूरज के कारण आपकी सेहत पर विपरीत असर ना पड़े।

अनन्या, आलिया या प्राची देसाई, किसका रेड कलर लुक लगा आपको सबसे बेस्ट?

मिताली जैन

हाल ही में अनन्या जहां बोल्ड रेड शॉर्ट ड्रेस में नजर आई, वहीं आलिया ने रेड शॉर्ट ड्रेस के साथ मैचिंग ब्लेजर को कैरी किया। प्राची देसाई ने रेड कलर ड्रेस को केजुअल्स में कैरी किया। जिसमें वह बेहद अच्छी लग रही थीं।

जब भी स्टाइलिंग की बात होती है, तो अमूमन लड़कियां बॉलीवुड एक्ट्रेस के लुक्स से इंस्पिरेशन लेना पसंद करती हैं। आमतौर पर, बॉलीवुड एक्ट्रेस किसी भी आउटफिट को अपने अंदाज में पहनती हैं, जिससे उनका लुक काफी यूनिक बन जाता है। इतना ही नहीं, वह एक कलर को भी कई स्टाइल में कैरी करती हैं। ऐसे में अगर आप भी गर्मी के मौसम में रेड कलर को पहनना चाहती हैं तो बॉलीवुड एक्ट्रेस के लुक्स से आइडियाज ले सकती हैं।

हाल ही में अनन्या जहां बोल्ड रेड शॉर्ट ड्रेस में नजर आई, वहीं आलिया ने रेड शॉर्ट ड्रेस के साथ मैचिंग ब्लेजर को कैरी किया। प्राची देसाई ने रेड कलर ड्रेस को केजुअल्स में कैरी किया। जिसमें वह बेहद अच्छी लग रही थीं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको तीनों एक्ट्रेस के रेड कलर लुक्स के बारे में बता रहे हैं-

अनन्या पांडे

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे का यह रेड कलर लुक नाइट पार्टी के लिए एकदम परफेक्ट है। इस लुक में अनन्या ने रेड कलर की शॉर्ट ड्रेस को स्टाइल किया है। चोकर और पेंडेंट से उन्होंने खुद को एक्सेसराइज किया है। वहीं, मेकअप को उन्होंने ऑरेंज टोन दिया है। वहीं, ओपन वेव्स हेयर उनके ओवर ऑल लुक को कॉम्पलीमेंट कर रहे हैं। हालांकि, अगर आप आलिया के इस लुक को रिक्रिएट कर रही हैं तो ऐसे में आप मेकअप में रेड लिप्स लुक कैरी कर सकती हैं और अपने लुक को एक बोल्ड टच दे सकती हैं।

आलिया भट्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट का यह शॉर्ट ड्रेस लुक केजुअल आउटिंग से लेकर पार्टीज तक के लिए एक अच्छा ऑप्शन है। इस लुक में आलिया ने फ्लोरल मल्टीकलर शॉर्ट ड्रेस को स्टाइल किया है।

अपने लुक को एक स्टाइलिश टच देने के लिए आलिया ने मैचिंग ब्लेजर को टीमअप किया है, जो उनके लुक में एक्स फैक्टर एड कर रहा है। फुटवियर में उन्होंने रेड पम्पस को स्टाइल किया है। मेकअप को आलिया ने बेहद ही लाइट रखा है। हालांकि, अगर आप किसी खास ओकेजन पर इस आउटफिट को कैरी कर रही हैं तो अपने आई मेकअप के साथ प्ले कर सकती हैं।

प्राची देसाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्राची देसाई का यह रेड कलर आउटफिट लुक समर में केजुअल आउटिंग के लिए एकदम परफेक्ट है। उन्होंने रेड एंड व्हाइट कलर की टाई डाई ड्रेस को कैरी किया है। जिसके साथ उन्होंने बिग साइज स्टेटमेंट इयररिंग्स को स्टाइल किया है, जो उनके लुक को बेहद खास बना रहे हैं। ओपन हेयर और सटल मेकअप में प्राची देसाई बेहद ही ब्यूटीफुल नजर आ रही हैं।

तो आपको किस डीवा का रेड कलर लुक सबसे अच्छा लगा? यह हमें फेसबुक पेज के कमेंट सेक्शन में अवश्य बताइएगा।

जानिए, नेशनल पब्लिक हेल्थ एक्ट क्या है? यह कब तक लागू हो सकता है?

कमलेश पांडेय

केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार ने लगभग सवा सौ साल पुराने महामारी बीमारी अधिनियम यानी एपिडेमिक डिजीज एक्ट (ईडीए) 1897 को बदलने की एक सार्थक पहल की है। बताया गया है कि सरकार ने राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिनयम यानी नेशनल पब्लिक हेल्थ एक्ट (एनपीएचए) 2022 का मसौदा तैयार करवा रही है, जिसे वह अगले मानसून सत्र में संसद के पटल पर प्रस्तुत कर सकती है। हालांकि इसके समर्थन और विरोध का सिलसिला भी शुरू हो चुका है, जिसकी प्रतिध्वनि सोशल मीडिया पर जहां तहां गूंज रही है, जो कानून के अस्तित्व में आने तक और उसके बाद भी जारी रह सकती है।

जानकारों के मुताबिक, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सक्षम विभाग द्वारा वर्ष 2017 से ही इस अहम बदलाव की कोशिश शुरू कर दी गई थी। लेकिन द्विवर्षीय चरणबद्ध कोरोना महामारी कोविड-19 के वर्ष 2020 और 2021 के दौरान देखे गए व्यापक असर और उसको नियंत्रित करने के किये जा रहे तमाम उपायों के बीच ऐसे किसी नए अधिनियम की जरूरत सरकार को और अधिक महसूस हुई। जिसके बाद इस नए राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिनियम 2022 के मसौदे को बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई, जो अपने अंतिम चरण में है।

इस सम्बन्ध में एक केंद्रीय अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून यानी नेशनल पब्लिक हेल्थ एक्ट (एनपीएचए) बनाने पर साल 2017 से ही विचार चल रहा है। क्योंकि पहले से अब अधिक सक्रिय हुई केंद्र सरकार में उच्च स्तर पर यह साफ महसूस किया गया है कि 125 साल पुराना कानून ईडीए-1897 देश के स्वास्थ्य-तंत्र की बुनियादी जरूरतों, बीमारीगत आवश्यकताओं तथा नए परिस्थितियों और चुनौतियों के हिसाब से अब प्रभावी साबित नहीं हो पा रहा है। इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर कोई नई व्यवस्था बनाने की जरूरत है।

बहरहाल, यही नई व्यवस्था अब केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून (एनपीएचए) के रूप में सामने आई है, जिसका मसौदा तैयार किया जा रहा है। मसौदा तैयार होने के बाद इस पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों, अन्य सम्बन्धित विशेषज्ञों और आम जनता की भी राय ली जाएगी। उसके बाद सभी संबंधित पक्षों से राय-मशविरा करने और तत्सम्बन्धी जरूरी परिवर्तनों के बाद इसी मानसून सत्र (साल 2022) में इसे संसद में विचार-विमर्श के लिए पेश किया जा सकता है। ततपश्चात वहां से पारित होने और फिर राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 125 साल पुराने अंग्रेजों के बनाए उस कानून की जगह लेगा, जिसको महामारी बीमारी अधिनियम यानी एपिडेमिक डिजीज एक्ट-1897 कहा जाता है।

समझिये, कब और कैसे अधिक आवश्यकता महसूस हुई इस नए राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून की

जानकारों की मानें तो राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून (एनपीएचए) बनाने पर 2017 से ही विचार चल रहा है। क्योंकि केंद्र सरकार में उच्च स्तर पर यह साफ महसूस किया गया कि 125 साल पुराना ईडीए 1897 नामक कानून इस देश के स्वास्थ्य-तंत्र की बुनियादी जरूरतों, रुग्ण व्यक्तियों की आवश्यकताओं तथा नए परिस्थितियों और चुनौतियों के हिसाब से बेहद प्रभावी साबित नहीं हो पा रहा है। इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर कोई नई व्यवस्था बनाने की जरूरत है।

फिर इसी बीच 2019 के आखिर में जब कोरोना महामारी कोविड 19 का वैश्विक स्तर पर प्रसार हुआ, तब एनपीएचए की आवश्यकता और भी अधिक महसूस की गई। तब जाकर इस पर फिर कार्रवाई भी तेज हुई जिसका सकारात्मक परिणाम शीघ्र ही आपके सामने आने वाला है।

जानिए प्रस्तावित नया कानून किस-किस तरह की स्थितियों-परिस्थितियों से निपटेगा, जिससे आपको लाभ मिलेगा

राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून यानी एनपीएचए, सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं परिवार-कल्याण विभाग से जुड़े सभी पहलुओं से कुशलता पूर्वक निपटेगा।

क्योंकि इसमें आधुनिक समय की कड़ी चुनौतियों के अनुरूप ही कतिपय विशिष्ट प्रावधान भी किए जा रहे हैं, ताकि यह जैविक-आतंकवाद जिसमें आतंकी जैविक हथियारों का इस्तेमाल कर सकते हैं), परमाणु या रासायनिक हमला, प्राकृतिक आपदा, सभी तरह की संक्रामक बीमारी आदि से उपजने वाली परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हो। इससे आमलोगों को तत्काल लाभ मिलेगा औए एक बड़ी राहत महसूस होगी, जिससे हर कोई इस नए अधिनियम का आभारी रहेगा।